जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Bad Taste Is Going Places

Garish over the top dressing not only gets more eyeballs but also more comments like "gawgeous" or "soooo very osum," whatever it is supposed to mean

A Heap Of Ancient Jugs

The Luminous Pigment That Traveled the World

वेणुगोपाल ने कर्नाटक पर जानबूझकर प्रैस को भ्रमित किया था

बेंगलुरु में अलग ही नज़ारा दिखा। मु.मंत्री सिद्धारमैया ने कैबिनेट को ब्रेकफास्ट दावत दी और राज्यपाल से भी मिलने का समय मांगा, शायद इस्तीफा देने के लिए

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो।

नई दिल्ली, 27 मई। पिछले हफ्ते जब डीके शिवकुमार से उनकी पदोन्नति की चर्चाओं के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा था, "अच्छा समय आएगा।" अब, कर्नाटक में बड़े राजनीतिक बदलाव की तस्वीर लगभग साफ हो चुकी है और लगता है कि उनका समय सचमुच आ गया है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस आलाकमान ने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को शीर्ष पद सौंपने के लिए हरी झंडी दे दी है। अब सिर्फ एक सवाल बाकी है – कब?

- **जानकार सूत्रों का कहना है कि कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन सन्निकट है, उन्होंने इसके दो पहलू बताए।**
- **पहला तो यह कि सिद्धारमैया गुरुवार या शुक्रवार तक त्याग पत्र दे देंगे और फिर शुक्रवार या शनिवार को डीके शिवकुमार शपथ ले लेंगे।**
- **दूसरा यह कि अगर सिद्धारमैया कुछ वक्त लेते हैं तो शपथ ग्रहण समारोह राज्यसभा चुनाव के बाद होगा।**
- **सत्ता छोड़ने के एवज में सिद्धारमैया को राज्यसभा सीट, राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी में बड़ी भूमिका और शिवकुमार की सरकार में उनके समर्थकों को मंत्री पद दिए जाने की पेशकश की गई है, सिद्धारमैया ने इस पर सोचने का समय मांगा है। हालांकि माना जा रहा है कि सिद्धारमैया मान गए हैं।**

सूत्रों का कहना है कि मंगलवार को दिल्ली में चली लंबी बैठकों के बाद कांग्रेस नेतृत्व ने सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री पद छोड़कर डीके शिवकुमार को जिम्मेदारी सौंपने के लिए राजी कर लिया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने तो किसी भी बदलाव से इनकार कर मीडिया को भ्रमित करने की कोशिश की, लेकिन बेंगलुरु की गतिविधियां कुछ और ही संकेत दे रही हैं। सिद्धारमैया ने मंत्रिमंडल के लिए नाश्ते का आयोजन किया है और राज्यपाल से मिलने का समय भी मांगा है, संभवतः इस्तीफा सौंपने के लिए।

मामले की जानकारी रखने वाले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महेश जोशी की गिरफ्तारी, हाई कोर्ट ने जवाब मांगा

जयपुर, 27 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन घोटाला से जुड़े केस में बिना आधार बताए तत्कालीन मंत्री महेश जोशी को एसीबी की ओर से गिरफ्तार करने से जुड़े मामले में गृह विभाग और एसीबी के डीजी से

- **जोशी के पुत्र ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में कहा था कि लिखित रूप में कारण बताये बिना महेश जोशी को गिरफ्तार किया गया।**

जवाब मांगा है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने यह आदेश महेश जोशी के पुत्र रोहित जोशी की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में कहा गया कि एसीबी ने मामले में गत 7 मई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप की फिटनैस पर सोशल मीडिया में बहस छिड़ी

मैमोरियल डे कार्यक्रम के दौरान ट्रंप लड़खड़ाते हुए दिखे, इस घटना का वीडियो वायरल हो गया है

- जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 27 मई। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप एक बार फिर ऑनलाइन बहस का केन्द्र बन गए हैं। "मेमोरियल डे" कार्यक्रम का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे समारोह के दौरान खड़े लड़खड़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

- **ट्रंप समर्थकों ने फिटनैस संबंधी सवालों को खारिज कर दिया और कहा कि लंबे समय तक खड़े होने के कारण ऐसा हुआ है।**
- **लेकिन ट्रंप का लड़खड़ाने वाला वीडियों लाखों बार देखा जा चुका है और शेयर किया जा चुका है और अमेरिका के चुनावी माहौल में इसे लेकर बहस छिड़ गई है।**

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से साझा किए गए इस वीडियो में ट्रंप को कार्यक्रम के दौरान फहराते हुए झंडों के बीच थोड़ा हिलते- डुलते और लड़खड़ाते हुए देखा जा सकता है। इसके बाद ऑनलाइन आलोचकों ने राष्ट्रपति के स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए। कुछ लोगों ने दावा किया कि सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान वे अस्थिर दिख रहे थे।

हालांकि ट्रंप समर्थकों ने इन आलोचनाओं को खारिज कर दिया और कहा कि वीडियो को गलत संदर्भ में पेश किया जा रहा है। कई लोगों का कहना था कि यह बहुत मामूली हरकत थी और संभवतः लंबे समय तक खुले मैदान में खड़े रहने की वजह से ऐसा हुआ।

मेमोरियल डे कार्यक्रम उन अमेरिकी सैनिकों को सम्मान देने के लिए आयोजित किया गया था, जिन्होंने देश की सेवा करते हुए अपने प्राण गंवाए। ट्रंप इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों और पूर्व सैनिकों के साथ शामिल हुए, जहां शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई।

यह वीडियो अब तक ऑनलाइन लाखों बार देखा जा चुका है, जिससे अमेरिकी चुनाव के मौसम से पहले ट्रंप को लेकर चल रही राजनीतिक जांच और बहस और तेज हो गई है। हाल के वर्षों में अमेरिका में राजनीतिक नेताओं के स्वास्थ्य और सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनके व्यवहार को लेकर ऐसी बहसें अक्सर वायरल होती रही हैं।

ट्रंप या वाइट हाउस की ओर से इस वीडियो को लेकर उठ रही अटकलों पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई।

शांति समझौते के लिए ईरान ने कठोर शर्तें लगाईं

संभावना है कि अमेरिका इन शर्तों को शायद स्वीकार नहीं करेगा

- सुकुमार साह -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 27 मई। ईरान, वॉशिंगटन के साथ चल रही बेहद अहम बातचीत में दो ऐसी मांगें लेकर उतरा है, जिन पर वह किसी भी हालत में समझौता करने को तैयार नहीं है।

- **ईरान की पहली शर्त है, ईरान को आर्थिक राहत दी जाए, प्रतिबंधों में ढील दी जाए और विदेशों में फ्रीज संपत्ति छोड़ी जाए।**
- **ईरान की दूसरी शर्त है, खाड़ी क्षेत्र से अमेरिकी सैन्य दबाव कम किया जाए। इसमें होर्मुज़ स्ट्रेट के पास से नौसैनिक प्रतिबंधों में ढील भविष्य में अमेरिकी हमलों के खिलाफ आश्वासन भी शामिल है।**
- **इसके अलावा ईरान अपना यूरेनियम भंडार भी पूरी तरह सौंपना नहीं चाहता। ईरान कुछ स्तर तक यूरेनियम संवर्धन की क्षमता बनाए रखना चाहता है, क्योंकि वह इसे राष्ट्रीय संप्रभुता का मामला मानता है।**

पहली मांग यह है कि ईरान को आर्थिक राहत दी जाए। इसके तहत प्रतिबंधों में ढील, वैश्विक तेल बाजारों तक फिर से पहुंच और विदेशों में जमा अपनी अरबों डॉलर की फ्रीज़ की गई संपत्ति की रिहाई चाहता है। माना जा रहा है कि ईरानी अधिकारी पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण रोके गए लगभग 100 अरब डॉलर में से कम से कम कुछ हिस्से तक पहुंच चाहते हैं।

दूसरी मांग यह है कि खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य दबाव कम किया जाए। इसमें होर्मुज़ स्ट्रेट के आसपास नौसैनिक प्रतिबंधों में ढील और भविष्य में अमेरिकी सैन्य हमलों के खिलाफ आश्वासन शामिल हैं।

रिपोर्टों के अनुसार, बातचीत में ऐसे प्रस्तावों पर चर्चा हो रही है, जिनमें होर्मुज़ स्ट्रेट से बिना रोक-टोक व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही बहाल करने के बदले, क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी कम करने की बात शामिल है।

एक और बड़ा विवाद का मुद्दा ईरान का परमाणु कार्यक्रम बना हुआ है। तेहरान अपने समृद्ध यूरेनियम भंडार को पूरी तरह सौंपने की मांग का विरोध कर रहा है और उसका कहना है कि उसकी परमाणु गतिविधियां शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए हैं। ईरानी वार्ताकार चाहते हैं कि किसी भी समझौते में देश के भीतर कुछ स्तर तक यूरेनियम संवर्धन की क्षमता बनी रहे, क्योंकि वह इसे राष्ट्रीय संप्रभुता का मामला मानता है।

राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप इन शर्तों को स्वीकार करेंगे या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि संकेत मिल रहे हैं कि वे किसी बड़े शांति समझौते के बजाय सीमित और व्यावहारिक समझौते के लिए तैयार हो सकते हैं। ट्रंप चरणबद्ध तरीके से प्रतिबंधों में ढील, ईरान के फ्रीज़ किए गए फंड की आंशिक रिहाई और सैन्य तनाव कम करने पर विचार कर सकते हैं, यदि ईरान होर्मुज़ स्ट्रेट में जहाजों की स्वतंत्र आवाजाही की गारंटी दे और अपने परमाणु ठिकानों की कड़ी निगरानी के लिए राजी हो जाए।

तथापि, दोनों पक्षों के सामने बड़ी राजनीतिक और रणनीतिक मजबूरियाँ है। ट्रंप कई बार चेतावनी दे चुके हैं कि यदि ईरान किसी समझौते का उल्लंघन करता है तो सैन्य कार्रवाई फिर शुरू हो सकती है। वहीं, प्रभावशाली रिपब्लिकन नेता और इज़रायल समर्थक समूह किसी भी ऐसे समझौते का विरोध करते हैं, क्योंकि उनका मानना है कि ऐसा कोई भी समझौता अधिकतम दबाव की नीति को कमजोर करेगा। दूसरी ओर, अमेरिका, ईरान की परमाणु क्षमता पर कहीं ज्यादा सख्त पाबंदियां लगाने की मांग पर अड़ा हुआ है, जिसके लिए तेहरान अभी तैयार नहीं है।

ऐसे में फिलहाल सबसे संभावित नतीजा कोई व्यापक शांति समझौता नहीं, बल्कि सीमित लेन-देन आधारित समझ हो सकती है। इसके तहत, ईरान खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम कर सकता है और जहाजों की आवाजाही बहाल कर सकता है, जबकि अमेरिका प्रतिबंधों में सीमित राहत और कुछ आर्थिक रियायतें दे सकता है। दोनों पक्ष क्षेत्रीय युद्ध से बचना चाहते हैं, लेकिन कोई भी नेतृत्व अपने देश में राजनीतिक रूप से कमजोर दिखाई नहीं देना चाहता। यही कारण है कि समय-समय पर सैन्य टकराव और तीखी बयानबाजी जारी रहने के बावजूद बातचीत भी साथ-साथ चल रही है।

राजस्थान हाईकोर्ट से सलमान खान को एक और राहत मिली

राजश्री पान मसाले के विज्ञापन को लेकर जिला उपभोक्ता मंच द्वारा सलमान खान की उपस्थिति और हस्ताक्षर मिलान के आदेश पर अदालत ने रोक लगाई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने राजश्री पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन से जुडे मामले में जिला उपभोक्त मंच, कोटा के 6 जनवरी के उस फैसले पर भी रोक लगा दी है, जिसमें कहा गया था कि सलमान खान स्वयं उपभोक्ता न्यायालय में उपस्थित हों। साथ ही अपने कोई ऐसे दस्तावेज साथ लेकर आएं, जिसमें उनके हस्ताक्षर से मिलान किया जा सकें। क्योंकि इस प्रकरण में सलमान की ओर से प्रस्तुत शपथ पत्र में किए गए हस्ताक्षरों पर भी संदेह जताया जा रहा है। जिला उपभोक्ता मंच ने सलमान खान के हस्ताक्षर की एफ.एस.एल. जांच करवाने के भी आदेश दिए थे। राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस विनोद कुमार भारवानी ने बुधवार को यह आदेश सलमान खान की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई

- **हालांकि हाईकोर्ट द्वारा लगाई गई यह रोक इस प्रकरण की अगली सुनवाई तक ही रहेगी, जो कि 6 जून को तय की गई है।**

करते हुए दिए। हालांकि हाईकोर्ट द्वारा लगाई गई यह रोक इस प्रकरण की अगली सुनवाई तक ही रहेगी, जो कि 6 जून को तय की गई है। इस मामले में सलमान की ओर से अधिवक्ता शिवांशु नवल और वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा व उनके सहायक अधिवक्ता योगेश कल्ला पैरवी के लिए पेश हुए थे।

ज्ञात रहे कि जिला उपभोक्ता आयोग में 12 दिसंबर 2025 को योगेन्द्र सिंह द्वारा एक शिकायत दर्ज की गई, जिसमें कहा गया कि राजश्री पान मसाला और सलमान खान तंबाकु के प्रयोग को लेकर भ्रामक विज्ञापन कर रहे हैं। जिस पर सुनवाई करते हुए जिला उपभोक्ता मंच ने 6 जनवरी 2026 को विज्ञापन पर रोक लगायी थी और यह आदेश कंपनी और सलमान खान का पक्ष सुने बिना ही दे दिए गए थे। साथ ही यह भी कहा गया था कि राजश्री पान मसाला कंपनी पर यह आदेश तब तक लागू रहेगा, जब तक कि वह अपना जवाब पेश नहीं कर देती। इसके बाद 15 जनवरी 2026 को जब कंपनी की ओर से जवाब प्रस्तुत कर दिया गया था, इसके बावजूद भी जिला उपभोक्ता आयोग ने अपने 6 जनवरी के आदेश को नहीं हटाया, उल्टा सलमान खान के हस्ताक्षरित शपथ पत्र में हस्ताक्षर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंचायत निकाय चुनाव में संयम लोढा ने सुप्रीम कोर्ट में केविएट लगाई

जयपुर, 27 मई। प्रदेश में पंचायत व निकाय चुनाव मामले में हाईकोर्ट की खंडपीठ की ओर से दिए गए फैसले के संबंध में पूर्व विधायक संयम लोढा की ओर से सुप्रीम कोर्ट में केविएट दायर की गई है। इसमें कहा है कि हाईकोर्ट के फैसले को यदि राज्य सरकार या राज्य

- **केविएट में कहा गया है कि यदि राज्य सरकार या राज्य चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट में अपील करें तो प्रार्थी की सुने बिना आदेश नहीं दें।**

चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हैं तो कोई भी आदेश देने से पहले प्रार्थी का पक्ष भी सुना जाए और उसके बाद ही कोई आदेश दिया जाए। गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट ने पूर्व में आदेश जारी कर पंचायत और निकाय चुनाव कराने के लिए राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीट पेपर लीक में दो और गिरफ्तार

नई दिल्ली, 27 मई। सीबीआई ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा पेपर लीक मामले की जांच के दौरान दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। इनको मिलाकर इस मामले में गिरफ्तार लोगों की कुल संख्या 13 हो गई है। गिरफ्तार किए गए लातूर के रहने वाले डॉक्टर मनोज शिरुरे

- **लातूर के डॉ. मनोज शिरुरे और पुणे के तेजस हर्षद कुमार शाह की गिरफ्तारी से पकड़े गए लोगों की संख्या 13 हो गई है।**

की तीन छात्रों की मदद करने में अहम भूमिका है। इनमें एक कोचिंग सेंटर के मालिक का बेटा भी है। उन्होंने आरोपी पी.वी. कुलकर्णी से केमिस्ट्री के प्रश्न हासिल करने में इन छात्रों की मदद की।

सीबीआई ने तेजस हर्षदकुमार शाह को भी गिरफ्तार किया है। वह पुणे स्थित एक कोचिंग सेंटर, डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल एकेडमी (एपीएमए) में फिजिक्स का फैकल्टी है। जांच में खुलासा हुआ है कि उसे लीक हुए फिजिक्स के प्रश्न मनीषा हवलदार से मिले थे। मनीषा को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

सीबीआई ने विज्ञिप्त में यह जानकारी देते हुए कहा कि पूरी कड़ी और साज़िश का पता लगाने के लिए जांच जारी है। अब तक अलग-अलग जगहों पर 49 स्थानों पर तलाशी ली गई है।

तीन दिन आँधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, 27 मई। उत्तर भारत में भीषण गर्मी और लू से परेशान लोगों को अब राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान समेत कई राज्यों में 28 मई से आंधी, बारिश और कुछ जगहों पर ओलावृष्टि की संभावना जताई है। मौसम में बदलाव के साथ तापमान में भी गिरावट आने की उम्मीद है।

राजस्थान में 28, 29 और 30 मई को बारिश, गरज-चमक और तेज

- **मौसम विभाग ने राजस्थान में 28 से 30 मई तक आँधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है, इससे गर्मी में राहत मिल सकती है।**

आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। कई इलाकों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि धूल भरी आंधी कई जगहों पर बवंडर का रूप भी ले सकती है। लोगों को खराब मौसम के दौरान घरों में रहने और सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

पाक की दुविधा, ट्रंप की मानी तो जनता नाराज़ होगी, न मानी तो जो पाया वो गंवाना पड़ेगा

असल में ट्रंप ने ईरान के साथ शांति समझौते में 6 मुस्लिम देशों द्वारा अब्राहम अकॉर्ड को स्वीकार करने की शर्त जोड़ दी है, यानि उन्हें इज़रायल से संबंध सामान्य करने होंगे।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मई। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की ट्रुथ सोशल पोस्ट ने 6 मुस्लिम देशों में हलचल मचा दी है। इस पोस्ट में उन्होंने ईरान के साथ शांति समझौते को छह मुस्लिम देशों द्वारा "अनिवार्य" और "एक साथ" अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करने से जोड़ा है। इन देशों में सऊदी अरब, कतर और पाकिस्तान शामिल हैं।

अब्राहम समझौते इज़रायल और अरब देशों के बीच संबंध सामान्य बनाने की शृंखला हैं। ये समझौते मिडिल ईस्ट में व्यापार, कूटनीति व सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका ने करवाए थे। इनका नाम पैगम्बर इब्राहिम के नाम पर रखा गया, जिन्हें मुस्लिम, यहूदी, ईसाई सभी मानते हैं। सबसे पहले यूएई और बहरीन ने इस पर हस्ताक्षर किए थे। बाद में मोरक्को, सूडान, जॉर्डन भी इसमें शामिल हो गए थे।

पाकिस्तान मामलों के विशेषज्ञ पत्रकार सुशांत सरीन का कहना है कि कोई भी यह नहीं समझ पा रहा कि मनमौजी अमेरिकी राष्ट्रपति की इस नई मांग पर कैसी प्रतिक्रिया दी जाए। यह भी साफ नहीं है कि ट्रंप ने यह बात सिर्फ यूं ही कही है या वे वास्तव में इस दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं।

फिर भी, ट्रंप ने शर्तें बदलकर क्षेत्रीय देशों के सामने गंभीर दुविधा खड़ी कर दी है। अगर वे अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करने से इनकार

- **ट्रंप ने अपनी पोस्ट में आठ देशों का उल्लेख किया है। सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, टर्की, मिस्र, जॉर्डन, बहरीन, लेकिन पहले तीन देशों का ही विशेष महत्व है। बहरीन व यूएई इस समझौते पर साइन कर चुके हैं तथा टर्की, मिस्र, जॉर्डन के इज़रायल से कूटनीतिक संबंध हैं।**
- **हालांकि, ट्रंप ने पाकिस्तान को हस्ताक्षर से छूट की राहत दी, पर, उनकी पोस्ट में यह भी कहा कि अगर कोई देश अब्राहम अकॉर्ड पर साईन नहीं करता है तो उसे ईरान डील का हिस्सा नहीं माना जाएगा।**
- **बस इसी बात ने पाकिस्तान की मुश्किल बढ़ा दी है, पाकिस्तान ने हालांकि पुराना रुख दोहराया, कि, कायदे आज़म जिन्ना ने इज़रायल को मान्यता नहीं देने का प्रावधान किया था पर, उसे डर है कि हाल ही में अमेरिका की मेहरबानी से मिडिल ईस्ट में उसने जो साख बनाई है, वह कहीं छिन ना जाए।**

करते हैं, तो वे न केवल ट्रंप के गुस्से को न्योता देंगे, बल्कि क्षेत्र की पहले से तनावपूर्ण सुरक्षा स्थिति के और बिगड़ने का खतरा भी रहेगा। दूसरी ओर, अगर वे ट्रंप के दबाव के आगे झुकते हैं, तो उन्हें अपने देशों में आंतरिक अशांति और जनता के विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

अपनी पोस्ट में ट्रंप ने आठ देशों का उल्लेख किया- सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, टर्की, मिस्र, जॉर्डन, बहरीन और यूएई। लेकिन अब्राहम समझौते के नजरिए से इनमें केवल पहले तीन देशों का ही विशेष महत्व है।

बहरीन और यूएई पहले ही इस समझौते पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। तुर्की, मिस्र और जॉर्डन के इज़रायल के साथ राजनयिक संबंध हैं। ट्रंप ने कहा, एक या दो देशों को तुरंत हस्ताक्षर न करने के लिए छूट दी जा सकती है, और उन्होंने "उदारता" दिखाते हुए कहा कि इसे स्वीकार किया जाएगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा

विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के साथ अन्याय कब तक?

एक समय था जब विश्वविद्यालय में शिक्षक बनना केवल नौकरी नहीं, बल्कि सम्मान, प्रतिष्ठा और बौद्धिक गौरव का प्रतीक माना जाता था। राजस्थान सहित पूरे देश में विश्वविद्यालयों की पहचान ज्ञान, शोध और उत्कृष्ट शिक्षण के केंद्रों के रूप में होती थी। विश्वविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक समाज के सबसे प्रतिभाशाली और सम्मानित वर्ग में गिने जाते थे। उस दौर में विश्वविद्यालयों के वेतनमान राजकीय महाविद्यालयों की तुलना में कहीं अधिक आकर्षक थे और योग्य शिक्षाविद विश्वविद्यालयों में आने को अपना सौभाग्य मानते थे।

लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। जिन विश्वविद्यालयों को कभी राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला कहा जाता था, वे अब सरकारी उपेक्षा, प्रशासनिक नियंत्रण और वित्तीय भेदभाव के शिकार बन चुके हैं। सबसे अधिक पीड़ा की बात यह है कि विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के साथ लगातार सौतेला व्यवहार किया जा रहा है।

सत्तर और अस्सी के दशक में विश्वविद्यालयों में उत्कृष्ट विद्वानों को आकर्षित करने के लिए अतिरिक्त वेतन वृद्धि, पूर्व सेवाओं का समायोजन और सम्मानजनक सेवा शर्तें दी जाती थीं। कई बार तो केवल योग्यता और शोध उपलब्धियों के आधार पर प्रतिष्ठित शिक्षाविदों को विश्वविद्यालयों में नियुक्त कर लिया जाता था। दूसरी ओर राजकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों का वेतनमान सामान्य सरकारी अधिकारियों के समान था और उनकी सेवानिवृत्ति आयु भी केवल 55 वर्ष थी। जबकि विश्वविद्यालय शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु 60 वर्ष थी। यही कारण था कि महाविद्यालयों के शिक्षक विश्वविद्यालयों में आने के लिए उत्सुक रहते थे।

समय बदला और राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाकर 60 वर्ष कर दी। इसके साथ ही विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता पर भी लगातार प्रहार शुरू हो गए। सरकार ने विश्वविद्यालयों को एमओयू के माध्यम से अपने नियंत्रण में लेना शुरू किया और स्पष्ट संकेत दिया कि निर्देशों की अवहेलना करने पर अनुदान रोका जा सकता है। परिणाम यह हुआ कि विश्वविद्यालय अब स्वतंत्र शैक्षिणक संस्थान न रहकर सरकारी विभागों की तरह संचालित होने लगे हैं।

आज विश्वविद्यालयों की हालत चिंताजनक है। शिक्षकों के लगभग 80 प्रतिशत पद रिक्त पड़े हैं। प्रतिभाशाली युवा अब विश्वविद्यालयों में करियर बनाने से बच रहे हैं। शोध और अकादमिक गुणवत्ता लगातार गिर रही है। छोटी-छोटी प्रशासनिक स्वीकृतियों के लिए भी राज्य सरकार की अनुमति आवश्यक हो गई है। यह स्थिति केवल विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता पर हमला नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने की सुनियोजित प्रक्रिया प्रतीत होती है।

> **अब समय आ गया है कि सरकार विश्वविद्यालय शिक्षकों के साथ हो रहे इस भेदभाव को समाप्त करे, लंबित वित्तीय लाभ तुरंत प्रदान करे, रिक्त पदों को भरे और विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता बहाल करे। अन्यथा इतिहास यह दर्ज करेगा कि जिस राज्य ने कभी शिक्षा और विद्वता की परंपरा पर गर्व किया था, उसी ने अपने विश्वविद्यालयों को धीरे-धीरे कमजोर होने दिया।**

सबसे बड़ा अन्याय वेतन विसंगतियों के मामले में सामने आया है। राजस्थान सरकार ने छठे वेतनमान के बाद उत्पन्न विसंगतियों को दूर करने के लिए 6 अप्रैल 2013 को अधिसूचना जारी की, जिसके तहत 2 जनवरी 2006 से 30 जून 2006 के बीच वार्षिक वेतन वृद्धि पाने वाले कर्मचारियों को 1 जनवरी 2006 से एक अतिरिक्त वेतन वृद्धि देने का प्रावधान किया गया। यह लाभ राज्य कर्मचारियों तथा विश्वविद्यालयों के अशैक्षिणक कर्मचारियों को भी दिया गया।

इसके बाद राजकीय महाविद्यालय शिक्षकों ने भी यह लाभ मांगा और सरकार ने 10 मई 2021 को अधिसूचना जारी कर उन्हें यह सुविधा प्रदान कर दी। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से विश्वविद्यालय शिक्षकों को इस लाभ से वंचित रखा गया।

कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षकों ने जब यह मुद्दा उठाया, तब संबंधित विश्वविद्यालयों ने सरकार से अनुमति मांगी। चार वर्षों तक फाइलें घूमती रहीं, आंकड़े जुटाए जाते रहे और अंततः यह तर्क दिया गया कि यदि कृषि विश्वविद्यालय शिक्षकों को यह लाभ दे दिया गया तो अन्य विश्व विद्यालय के शिक्षक भी ऐसी मांग करेंगे और सरकार पर अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ेगा।

यह तर्क न केवल हास्यास्पद है बल्कि गहरे भेदभाव को भी उजागर करता है। लाखों सरकारी कर्मचारियों और हजारों महाविद्यालय शिक्षकों को यह लाभ देते समय सरकार को वित्तीय भार महसूस नहीं हुआ, लेकिन विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के मामले में अचानक खजाना खाली दिखाई देने लगा। क्या विश्वविद्यालयों के शिक्षक इस राज्य के कर्मचारी नहीं हैं? क्या उच्च शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता नहीं होनी चाहिए?

सच्चाई यह है कि सरकार की इस उपेक्षापूर्ण नीति ने विश्वविद्यालयों का मनोबल तोड़ दिया है। योग्य शिक्षक हतोत्साहित हैं, नई प्रतिभाएँ विश्वविद्यालयों में आने से बच रही हैं और शोध तथा अकादमिक गुणवत्ता लगातार गिर रही है। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले समय में विश्वविद्यालय केवल डिग्री बाँटने वाले संस्थान बनकर रह जाएंगे।

राज्य सरकार को समझना होगा कि विश्वविद्यालय केवल भवनों और प्रशासनिक ढाँचों का नाम नहीं हैं। विश्वविद्यालयों की आत्मा उनके शिक्षक होते हैं। यदि शिक्षकों को सम्मान, समानता और न्याय नहीं मिलेगा तो उच्च शिक्षा व्यवस्था कभी मजबूत नहीं हो सकती।

अब समय आ गया है कि सरकार विश्वविद्यालय शिक्षकों के साथ हो रहे इस भेदभाव को समाप्त करे, लंबित वित्तीय लाभ तुरंत प्रदान करे, रिक्त पदों को भरे और विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता बहाल करे। अन्यथा इतिहास यह दर्ज करेगा कि जिस राज्य ने कभी शिक्षा और विद्वता की परंपरा पर गर्व किया था, उसी ने अपने विश्वविद्यालयों को धीरे-धीरे कमजोर होने दिया।

–अतिथि सम्पादक,
डा. पी. सी. कंठालिया
पूर्व प्रोफेसर एवं मुख्या मृदा वैज्ञानिक
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय, उदयपुर

राशिफल गुरूवार 28 मई, 2026

पंडित अनिल शर्मा

प्रथम ज्येष्ठ मास (अधिक), शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2083, चित्रा नक्षत्र प्रातः 8:08 तक, वारियान योग रात्रि 3:55 तक, बालव करण प्रातः 7:57 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मेष, बुध-वृष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज प्रदोष व्रत, ईद-उल-जुहा (बकरीद) मु. है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:19 तक, चर 10:42 से 12:24 तक, लाभ अमृत 12:24 से 3:47 तक, शुभ 5:28 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:10

मेष

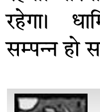

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह

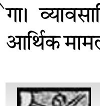

व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु

आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष

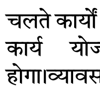

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कन्या

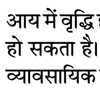

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

मकर

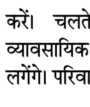

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मिथुन

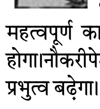

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कुंभ

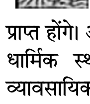

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कर्क

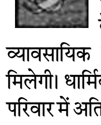

व्यावसायिक एवं नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृश्चिक

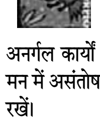

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन

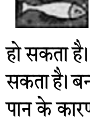

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

गांव की चौपाल से शासन की चौखट तक : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का संवाद आधारित प्रशासन

राजेन्द्र गहलोत

राजनीति और प्रशासनिक परंपरा में जनसंवाद को हमेशा एक महत्वपूर्ण तत्व माना जाता रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इन दिनों गाँव-गाँव जाकर ग्राम चौपाल, रात्रि विश्राम, सुबह का भ्रमण और आमजन से प्रत्यक्ष संवाद कर शासन की शैली को नई दिशा दे रहे हैं। यह दौरे सत्ता और समाज के बीच उस दूरी को कम करने का सार्थक प्रयास हैं, जो अक्सर प्रशासनिक ढांचे में दिखाई देती है।

राजस्थान जैसे विशाल और विविधताओं वाले राज्य में शासन केवल सचिवालयों और बैठकों से संचालित नहीं हो सकता। यहाँ रेगिस्तान की पीड़ा अलग है, आदिवासी अंचलों की आवश्यकताएँ अलग हैं और सीमावर्ती गाँवों की चुनौतियाँ अलग। ऐसे में मुख्यमंत्री का सीधे गाँवों में पहुँचकर लोगों की बात सुनना लोकतांत्रिक संवेदनशीलता का परिचायक है।

मुख्यमंत्री का रात्रि विश्राम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। भारतीय राजनीति में गाँवों के दौरे सामान्य बात हैं, लेकिन किसी मुख्यमंत्री का गाँव में रुककर वहाँ की वास्तविक परिस्थितियों को समझने का प्रयास प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जब कोई जनप्रतिनिधि गाँव में रात बिताता है तो उसे केवल मंच से दिखाई देने वाला विकास नहीं, बल्कि पानी की समस्या, बिजली की स्थिति, स्कूलों की वास्तविकता, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और ग्रामीण जीवन की कठिनाइयों का प्रत्यक्ष अनुभव होता है। यही अनुभव नीतियों को व्यवहारिक बनाता है।

प्रातःकालीन ग्राम भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री का महिलाओं, बुजुर्गों, किसानों और बच्चों से अनौपचारिक बातचीत करना भी इस अभियान की बड़ी विशेषता बनकर उभरा है। सामान्यतः सरकारी कार्यक्रमों में केवल चुनिंदा प्रतिनिधियों या अधिकारियों से संवाद होता है। मुख्यमंत्री सीधे ग्रामीण महिलाओं से पेयजल, गैस, राशन या शिक्षा की जानकारी लेते है और इससे प्रशासनिक फाइलों के पीछे छिपी वास्तविकता सामने आती है। इसी प्रकार बच्चों से शिक्षा और युवाओं से रोजगार पर चर्चा शासन की प्राथमिकताओं को मानवीय स्वरूप देती है।

ग्रामीण राजस्थान में आज भी बड़ी संख्या में लोग जिला मुख्यालय या जयपुर तक अपनी बात नहीं पहुँचा पाते। ऐसे लोगों के लिए मुख्यमंत्री का स्वयं गाँव तक पहुँचना एक प्रकार से सरकार आपके द्वार की अवधारणा को व्यवहार में उतारने जैसा है। यह लोकतंत्र की उस भावना को मजबूत करता है जिसमें जनता केवल मतदाता नहीं, बल्कि शासन की सहभागी मानी जाती है।

इन दौरों का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ होने वाली समीक्षा बैठकें हैं। अक्सर विकास योजनाएँ कागजों में सफल दिखाई देती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उनकी गति अपेक्षित नहीं होती। मुख्यमंत्री जब सीधे जिलों में जाकर अधिकारियों से जवाबदेही तय करते हैं, तो प्रशासनिक तंत्र में सक्रियता बढ़ना स्वाभाविक है। इससे योजनाओं की प्रगति, लंबित कार्यों, सड़क, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और राजस्व संबंधी समस्याओं की वास्तविक स्थिति सामने आती है।

विशेष रूप से यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि इन बैठकों में केवल समीक्षा नहीं, बल्कि समस्याओं के त्वरित समाधान पर भी जोर दिया जा रहा है। प्रशासनिक व्यवस्था में कई बार छोटी समस्याएँ केवल समन्वय के अभाव में वर्षों तक लंबित रहती हैं। मुख्यमंत्री स्तर पर सीधे हस्तक्षेप से ऐसे मामलों में गति आती है और अधिकारियों में भी जवाबदेही की भावना मजबूत होती है।

राजस्थान जैसे राज्य में जल संकट, ग्रामीण पलायन, बेरोजगारी और कृषि आधारित चुनौतियाँ निरंतर बनी रहती हैं और इन परिस्थितियों में शासन का संवेदनशील और सक्रिय होना अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री के ये दौरे ग्रामीण विकास की प्राथमिकताओं को पुनः केंद्र में लाने का संकेत भी हैं। लंबे समय तक विकास का विमर्श शहरी परियोजनाओं और बड़े निवेशों के इर्द-गिर्द केंद्रित रहा, जबकि राज्य की बड़ी आबादी अब भी गाँवों में निवास करती है। ऐसे में गाँवों की समस्याओं को प्रत्यक्ष रूप से समझने का प्रयास प्रशासनिक संतुलन की दिशा में सकारात्मक कदम है।

राजनीतिक दृष्टि से भी यह अभियान महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों का जनता के बीच जाना केवल चुनावी समय तक सीमित नहीं होना चाहिए। जनता यह महसूस करना चाहती है कि सरकार उनकी समस्याओं को सुन रही है और उनके जीवन से जुड़ी चुनौतियों को समझ रही है। मुख्यमंत्री के इन दौरों ने ग्रामीण क्षेत्रों में यह संदेश देने का प्रयास किया है कि सरकार केवल जयपुर तक सीमित नहीं है।

इन दौरों से प्राप्त अनुभवों को नीति निर्माण में शामिल किया जाएगा। उदाहरण के लिए यदि किसी क्षेत्र में जल संकट प्रमुख समस्या है तो वहाँ दीर्घकालिक जल संरक्षण योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। यदि ग्रामीण युवाओं में रोजगार की चिंता अधिक दिखाई देती है तो कौशल विकास और स्थानीय रोजगार आधारित योजनाओं को गति मिल सकती है। इसी प्रकार स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप निर्णय लिए जाने चाहिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कार्यशैली का यह पक्ष इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि आज की राजनीति में जनसंपर्क अक्सर सोशल मीडिया और बड़े आयोजनों तक सीमित होता जा रहा है। ऐसे समय में गाँवों की गलियों में जाकर लोगों से सीधा संवाद स्थापित करना पारंपरिक जननेतृत्व की याद दिलाता है। भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति भी इसी प्रत्यक्ष संवाद में निहित है।

मुख्यमंत्री का यह अभियान आधुनिक प्रशासनिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाने का प्रयास प्रतीत होता है। यदि यह अभियान निरंतरता और परिणाम दोनों के साथ आगे बढ़ता है, तो यह राज्य में उत्तरदायी और संवाद आधारित शासन का एक प्रभावी मॉडल बन सकता है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि ग्राम चौपाल, रात्रि विश्राम और जनसंवाद केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि शासन की संवेदनशीलता की परीक्षा हैं। मुख्यमंत्री का यह प्रयास ग्रामीण राजस्थान की आवाज़ को सीधे सत्ता के केंद्र तक पहुँचाने का माध्यम बन सकता है। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति भी यही है कि सरकार जनता तक पहुँचे, जनता की सुने और समस्याओं के समाधान के लिए जवाबदेह बने। राजस्थान में चल रहा यह संवाद अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जाना चाहिए।

-राजेन्द्र गहलोत,
राज्यसभा सांसद

उच्च शिक्षा के प्रति सामाजिक उदासीनता - अभिभावकों की खामोशी

अशोक कुमार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा जगत में एक नई सुबह की उम्मीद लेकर आई है। प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा पर सामाजिक संगठनों के माध्यम से पर्याप्त ध्यान दिया जा रहा है, लेकिन उच्च शिक्षा का क्षेत्र आज एक गहरे संकट से जूझ रहा है। वर्तमान में उच्च शिक्षा की स्थिति स्कूलों की तुलना में कहीं अधिक चिंताजनक है। इसका मुख्य कारण शिक्षा का वह व्यवसायीकरण है जिसने औपचारिक शिक्षण संस्थानों को केवल डिग्री बांटने वाले केंद्रों में बदल दिया है और कोचिंग सेंटरों को असली शिक्षा का मंदिर बना दिया है।

डमी स्कूल और कोचिंग संस्कृति: एक समानांतर व्यवस्था

आज की सबसे बड़ी विडंबना डमी स्कूल और नॉन-अटेंडिंग कॉलेज हैं।

संस्थानों का खोखलापन: छात्र केवल कागजों पर स्कूल या कॉलेज में नामांकित होते हैं, जबकि उनका पूरा समय कोचिंग सेंटरों में बीतता है। इससे औपचारिक शिक्षण संस्थानों का शैक्षणिक वातावरण पूरी तरह नष्ट हो चुका है।

व्यक्तित्व विकास की बलि: स्कूल और कॉलेज केवल पढ़ाई के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवहार, नैतिकता, खेल और अनुशासन सीखने के केंद्र होते हैं। डमी कल्चर के कारण छात्र इन जीवन-कौशलों से वंचित रह जाते हैं और केवल रैंक लाने वाली मशीन बनकर रह जाते हैं।

अभिभावकों की भूमिका और संवादहीनता-उच्च शिक्षा के इस बिगाड़ में अभिभावकों का रवैया भी एक महत्वपूर्ण कारक है।

अभिभावकों की चुप्पी: अक्सर देखा जाता है कि स्कूल तक तो माता-पिता बच्चों की पढ़ाई में रुचि लेते हैं, लेकिन कॉलेज स्तर पर पहुँचते ही या तो वे बच्चों की बात नहीं सुनते या अभिभावक बच्चों को कुछ कहना छोड़ देते हैं।

कोचिंग को प्राथमिकता: अभिभावक स्वयं बच्चों को नियमित कॉलेज भेजने के बजाय कोचिंग सेंटरों की भारी-भरकम फीस भरना पसंद करते हैं। उन्हें लगता है कि औपचारिक शिक्षा की डिग्री तो जुगाड़ से भी मिल जाएगी, असली मेहनत तो प्रतियोगी परीक्षा के लिए करनी है।

विशेष खंड: कोचिंग हब का दबाव और मानसिक स्वास्थ्य का संकट - कोटा और जयपुर जैसे कोचिंग हब आज सफलता की फैक्ट्रियां तो बन गए हैं, लेकिन यहाँ से निकलने वाली खबरें दिल दहला देने वाली हैं।

एकाकीपन और अवसाद: डमी स्कूलों के कारण छात्र अपने हमउम्र साथियों के साथ स्वस्थ सामाजिक वातावरण से कट जाते हैं। कोचिंग की 14-14 घंटे की पढ़ाई और प्रतिस्पर्धा उन्हें एक ऐसे अंधेरे कमरे में धकेल देती है जहाँ केवल नंबर मायने रखते हैं।

अभिभावकों की अवास्तविक उम्मीदें: अभिभावक बच्चों को कोचिंग में भेजकर यह मान लेते हैं कि अब उनका चयन निश्चित है। यह उम्मीद बच्चों पर 'प्रदर्शन के दबाव' के रूप में लद जाती है। जब बच्चा इस दबाव को नहीं झेल पाता, तो वह आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर हो जाता है।

संवाद का अभाव: घर से दूर हॉस्टलों में रह रहे छात्रों के पास कोई ऐसा मंच नहीं होता जहाँ वे अपना दुख साझा कर सकें। औपचारिक स्कूलों में होने वाली खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियाँ तनाव कम करने का काम करती थीं, जो कोचिंग संस्कृति में पूरी तरह लुप्त हैं।

औपचारिक शिक्षा की गुणवत्ता और अप्रासंगिकता-यह एक कड़वा सच है कि आज सरकारी और कई निजी विश्वविद्यालयों में औपचारिक शिक्षा की गुणवत्ता अत्यंत निम्न स्तर पर है।

अपडेटेड पाठ्यक्रम का अभाव: पाठ्यक्रमों का उद्योगों की मांग या प्रतियोगी परीक्षाओं के स्तर से कोई मेल नहीं है।

मूल्यांकन पद्धति: कॉलेज की परीक्षाएं केवल रटने की शक्ति की जांच करती हैं, जबकि प्रतियोगी परीक्षाएं तार्किक क्षमता की। यही कारण है कि छात्र औपचारिक कक्षाओं को समय की बर्बादी मानने लगते हैं।

क्रांतिकारी समाधान: अंकों का एकीकरण और पात्रता परीक्षा-इस समस्या का सबसे प्रभावी समाधान एकीकृत मूल्यांकन हो सकता है:-

यदि प्रतियोगी परीक्षाओं के अंतिम चयन में स्कूल और कॉलेज के क्वालीफाइंग एग्जाम्स (12वीं या स्नातक) के अंकों को अनिवार्य रूप से जोड़ा जाए, तो छात्र और अभिभावक औपचारिक शिक्षा को गंभीरता से लेंगे। जब बोर्ड परीक्षाओं या स्नातक के अंकों की वैल्यू बढ़ेगी, तो छात्र डमी स्कूल के बजाय वास्तविक क्लासरूम में लौटेंगे। इससे कोचिंग का एकाधिकार खत्म होगा और छात्रों पर से एक ही परीक्षा में सब कुछ दांव पर लगाने का दबाव कम होगा। सामाजिक संस्थाओं और सरकार की जिम्मेदारी-उच्च शिक्षा में सुधार के लिए इसे एक सामाजिक आंदोलन बनाना होगा:-

एनजीओ को अभिभावकों के साथ काउंसलिंग सत्र आयोजित करने चाहिए ताकि वे डमी स्कूल के खतरे और बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को समझ सकें। सरकार को उन शिक्षण संस्थानों की मान्यता रद्द करनी चाहिए जो केवल कागजों पर चल रहे हैं। साथ ही, कोचिंग संस्थानों के लिए कड़े रेगुलेशन एक्ट लागू करने चाहिए।

निष्कर्ष-उच्च शिक्षा की स्थिति को सुधारने के लिए त्रि-आयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सरकार को नीतियों में बदलाव कर औपचारिक शिक्षा के अंकों को प्रतियोगी परीक्षाओं में जोड़ना होगा। अभिभावकों को बच्चों के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें डमी कल्चर के बजाय सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरित करना होगा। अंततः, जब औपचारिक शिक्षा का सम्मान बहाल होगा, तभी देश को वास्तव में योग्य, मानसिक रूप से स्वस्थ और चरित्रवान नागरिक मिलेंगे।

-प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय गौरव की पुनःस्थापना का मोदी सरकार का अभियान रंग ला रहा है- नीदरलैंड से लाए गए लीडेन प्लेट्स

बाचाराम बघेल

राष्ट्र का अर्थ है, साझा इतिहास, साझा संस्कृति और साझा विश्वास-साझा उम्मीदों-सपनों में आम नागरिक की भागीदारी। कई विद्वानों ने बार-बार कहा कि भारत में रहने वाला प्रत्येक नागरिक हिन्दू है, चाहे उसकी पूजा पद्धति कोई भी हो क्योंकि हमारा इतिहास, संस्कृति और पूर्वज साझा हैं। राष्ट्रवाद की इसी बुनियाद को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार मजबूत किया है। चाहे अयोध्या में राम मंदिर का मसला हो या पूर्व में देश के मंदिरों, मठों, पुस्तकालयों से लूट कर विदेश ले जाई गई कलाकृतियों, पाण्डुलिपियों व मूर्तियों को वापस लाने का मुद्दा हो, हर मोर्चे पर मोदी सरकार ने राष्ट्र की आकांक्षाओं को पूरा किया है।

पीएम नरेन्द्र मोदी की नीदरलैंड यात्रा के दौरान गत 16 मई को नीदरलैंड के पीएम रॉब जैटेन की उपस्थिति में 11वीं सदी की चोलकालीन कॉपर प्लैट्स भारत को सौंपी गई। यूरोप में लीडेन प्लेट्स और भारत में अनाइमंगलम ताम्रपत्र के नाम से मशहूर ये प्राचीन अभिलेख, चोल साम्राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था, धार्मिक सहिष्णुता और संस्कृति के महत्वपूर्ण जीवित साक्ष्य हैं। अब तक ये लीडेन शहर स्थित एशियाई लाइब्रेरी ऑफ लीडेन यूनिवर्सिटी में रखे हुए थे।

ये 30 किलोग्राम वजनी 21 बड़ी और 3 छोटी प्लैट्स का कलेक्शन है जिसमें चोल शासक राजराजा प्रथम द्वारा नागपट्टनम में चूड़ामणि बौद्ध विहार के रोजमर्रा खर्च के लिए समीप के गांव अनाईमंगलम ग्राम व इसके आसपास के क्षेत्र के भू-राजस्व की आय विहार को देने के शाही फरमान के साथ ही राजराज प्रथम के उत्तराधिकारी राजेन्द्र चोल प्रथम द्वारा इस फरमान की पुष्टि का शाही फरमान शामिल हैं।

यह विहार श्रीविजय साम्राज्य के शासक मारविजयतुंग वर्मन ने 1006 ई. में निर्मित करवाया था। श्रीविजय साम्राज्य आज के इंडोनेशिया के सुमात्रा में केन्द्रित था। चोल शासक शैव थे और बौद्ध विहार निर्माण की अनुमति और उसके खर्च के लिए धन की व्यवस्था उस काल में धार्मिक सद्भाव और सहिष्णुता की भारतीय भावना को उजागर करती है।

इन 21 तांबे की प्लेटों को शाही चोल मुहर वाली एक विशाल कांस्य (ब्रॉन्ज़) की अंगूठी से बांधा गया है, जिस पर चोल साम्राज्य का प्रतीक बाघ अंकित है। इनमें तमिल और संस्कृत दोनों भाषाओं का उपयोग किया गया है। 1690 ई. के दशक में डच ईस्ट इंडिया कंपनी के मुख्यालय नागापट्टनम में रहने वाले फ्लोरेंटियस कैंपर नाम का डच अधिकारी इन्हें भारत से बाहर ले गया, जिसके बाद से ये नीदरलैंड में रखे हुए थे।

26 मई, 2014 को नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते ही देश में राष्ट्रीय अस्मिता और गौरव की नई भावना का दौर शुरू हुआ। विदेशी हमलावरों द्वारा संस्थागत और गैर संस्थागत रूप से लूटी, कब्जाई गई और चोरी गई प्राचीन कलाकृतियों को वापस लाकर उन्हें मंदिरों, विहारों, पुस्तकालयों में पुनः स्थापित करने का महत्वपूर्ण अभियान शुरू हुआ। ये केवल अतीत की वस्तुएं ही नहीं हैं बल्कि भारत की विरासत और सभ्यता की एक अनमोल कहानी बयां करती हैं। इनकी घर वापसी सभी देशवासियों के लिए भावनात्मक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। पुरातन वस्तुएं मात्र कलात्मक वस्तुएं नहीं हैं बल्कि भारत की आध्यात्मिक परंपराओं, ऐतिहासिक निरंतरता और सभ्यतागत स्मृति की प्रतीक हैं।

इससे पूर्व नेशनल म्यूजियम ऑफ एशियन आर्ट, वाशिंगटन से तीन ऐतिहासिक कांस्य मूर्तियों की वापसी बड़ा महत्वपूर्ण कदम है। इनमें लगभग 990 ईस्वी की चोल काल की शिव नटराज प्रतिमा, 12वीं शताब्दी की सोमस्कंद (शिव और उमा) प्रतिमा और 16वीं शताब्दी की विजयनगर काल की संत सुंदरार और परवई की प्रतिमा शामिल हैं। ये प्रतिमाएं 20वीं शताब्दी के मध्य में अवैध रूप से भारत से विदेशों में ले जाई गई। शिव नटराज मूर्ति मूल रूप से यह तंजावुर जिले के श्री भाव औषदेश्वर मंदिर, संत सुंदरार और परवई प्रतिमा तमिलनाडु के वीरसोलपुरम गांव में स्थित शिव मंदिर व सोमस्कंद प्रतिमा तमिलनाडु के अलात्तूर गांव में विश्वनाथ मंदिर से सम्बंधित हैं।

2014 से लेकर अब तक, संस्कृति मंत्रालय, एएसआई, विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों और प्रवर्तन एजेंसियों के नेतृत्व में निरंतर राजनयिक, कानूनी और संस्थागत प्रयासों के माध्यम से भारत ने गत 12 मई तक विभिन्न देशों से 666 प्राचीन वस्तुओं को सफलतापूर्वक वापस मंगवाया है, जिनमें से 653 वस्तुएं 2014 के बाद वापस लाई गई हैं। हाल ही में, भारतीय मूल की 657 कलाकृतियां अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय दूतावास को सौंपी गई हैं और एएसआई के विशेषज्ञों द्वारा उनके परिवहन और सत्यापन के लिए व्यवस्थाएं चल रही हैं।

जुलाई, 2014 में 11वीं शताब्दी की चोलकालीन श्री पुरांतन नटराज की कांस्य प्रतिमा, नवंबर, 2014 में अमेरिका से 61 विभिन्न प्राचीन कलाकृतियां, सितंबर, 2015 अमेरिका से 19 प्राचीन कलाकृतियां जिनमें चोलकालीन कांस्य तथा प्रस्तर प्रतिमाएं और उनके अवशेष, जनवरी, 2016 में अमेरिका से देवी नामक चोलकालीन कास्यं प्रतिमा लायी गई। नवंबर, 2016 में अमेरिका से 111, अप्रेल 2017 में सिंगापुर से 10 कलाकृतियां जिसमें मूर्तियां और पाण्डुलिपियां भी शामिल हैं, वापस आई। जुलाई 2019 में अमेरिका से 67 पुरातन कलाकृतियां जिनमें कास्यं प्रतिमा, मिट्टी के बर्तन शामिल हैं, जनवरी, 2020 में आस्ट्रेलिया से 17, अक्टूबर, 2020 में अमेरिका से 157, दिसंबर, 2021 में अमेरिका से 23, जुलाई 2022 में अमरिका से 70, मार्च, 2023 में नीदरलैण्ड से 16, जुलाई, 2023 में अमेरिका से 50, जनवरी, 2024 में अमेरिका से 29 कलाकृतियां लाई जा चुकी हैं।

इसके साथ ही भारत सरकार ब्रिटेन के साथ राजनयिक माध्यमों से कोहिनूर की वापसी का प्रयास कर रही है लेकिन ब्रिटिश सरकार और अदालतों का यह स्पष्ट मानना है कि 1849 में लाहौर की संधि के तहत महाराजा दलीप सिंह ने इसे ईस्ट इंडिया कंपनी को सौंप दिया था, इसलिए यह एक वैध उपहार या अधिग्रहण था जबकि अन्य अधिकतर मामलों में पुरातात्विक महत्व की कलाकृतियों को लूटा या चोरी किया गया था। ब्रिटेन का रॉयल कलेक्शन कानून इन बेशकीमती वस्तुओं को स्थायी रूप से देश से बाहर भेजने या वापस करने की अनुमति नहीं देते फिर भी कोहिनूर को भारत लौटाने के लिए सरकारी स्तर पर सभी प्रयास जारी हैं।

–बाचाराम बघेल,
भाजपा कार्यकर्ता धौलपुर

5 सीमावर्ती जिलों के 184 गांवों में 3-3 करोड़ रु. के विकास कार्य होंगे

सीएम भजनलाल शर्मा कर रहे वाईब्रेन्ट विलेज प्रोग्राम-।। की निरंतर मॉनिटरिंग

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । वाईब्रेन्ट विलेज प्रोग्राम-।। के तहत राजस्थान के 5 सीमावर्ती जिलों के 184 रणनीतिक गांवों में सड़क संपर्क, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, टेलीविजन, दूरसंचार कनेक्टिविटी, आजीविका सृजन, पर्यटन, संस्कृति, जागरूकता गतिविधियों को प्रोत्साहन, युवा सशक्तीकरण एवं कौशल विकास, वित्तीय समावेशन, सहकारिता, स्वयं सहायता समूहों, किसान उत्पाद संगठनों का विकास एवं परिसंपत्तियों के रखरखाव सहित ग्राम अवसंरचना से जुड़े व्यापक विकास कार्य किए जाएंगे। इन प्रयासों से सीमावर्ती क्षेत्रों में जीवन स्तर बेहतर तो होगा ही, साथ ही रोजगार, पर्यटन, स्थानीय आजीविका और सामाजिक सशक्तीकरण के नए अवसर भी विकसित होंगे।

प्रदेश के श्रीगंगानगर के 68, बीकानेर के 46, बाड़मेर के 36, जैसलमेर के 30 और फलौदी जिले के 4 गांवों को कार्यक्रम के तहत रणनीतिक गांवों के रूप में चयनित किया गया है। वर्तमान में वाईब्रेंट विलेज प्रोग्राम-।। के अंतर्गत चयनित कुल 184 में से 123 गांवों में 232 करोड़ से अधिक की लागत के 515 कार्य करवाये जाने प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच और "सीमावर्ती गांव देश के अंतिम नहीं, बल्कि प्रथम गांव हैं" की भावना को साकार करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास की नई तस्वीर गढ़ने जा रही है।

■ **मुख्यमंत्री थार सीमा विकास कार्यक्रम से सीमावर्ती गांवों के विकास को मिली रफ्तार**

कार्यक्रम के अनुसार राज्य के रणनीतिक गांवों में विकास एवं योजनाओं की संतृप्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिवर्ष 3 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कार्यक्रम के अनुसार राजस्थान के सीमा ब्लॉकों के 3 हजार 195 गांवों में सभी मौसम में 4 थीमेटिक क्षेत्रों की संतृप्ति के तहत सड़क संपर्क, दूरसंचार कनेक्टिविटी, टेलीविजन कनेक्टिविटी के साथ-साथ ऑन ग्रिड विद्युतीकरण किया जाएगा। वहीं, अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के निकट रहने वाले समुदायों के साथ जुड़ाव बढ़ाने, विश्वास स्थापित करने एवं सकारात्मक संबंध विकसित करने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। जिसके तहत सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सामुदायिक बैठकों, पर्यटन गतिविधियों, प्रशिक्षण सत्रों तथा जागरूकता अभियानों के आयोजन के साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से संवेदनशील एवं भावनात्मक जुड़ाव और अधिक मजबूत किया जा रहा है।

कार्यक्रम के तहत अब तक 10 क्षेत्रों में संतृप्ति के लिए चयनित राजस्थान के समस्त 184 रणनीतिक गांवों का सत्यापन एवं प्रोफाइल अपडेशन किया जा चुका है। वहीं, 4 थीमेटिक क्षेत्रों में संतृप्ति हेतु सीमा ब्लॉक के कुल 3 हजार 195 गांवों में से 3 हजार अधिक गांवों का सत्यापन एवं 2 हजार 558 गांवों का प्रोफाइल अपडेशन किया जा चुका है। अंतर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र की विशिष्ट आवश्यकताओं को मद्देनजर रखते हुए राज्य सरकार बजट घोषणा की अनुपालना में मुख्यमंत्री थार सीमा विकास कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। इस योजना के तहत 5 सीमावर्ती जिलों के 1 हजार 206 गांवों के समग्र विकास के लिए प्रतिवर्ष 150 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वर्ष 2025-26 में योजना के तहत बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पशुपालन, खेल, पर्यटन, आधारभूत संरचना विकास से जुड़े 137 करोड़ रुपये की लागत के 1 हजार से अधिक कार्यों को स्वीकृति दी गई है।

इस मानसून में 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा राज्य सरकार ने

"हरियालो" एप से होगी पौधों की जियो-टैगिंग और पूर्व में लगाये गये पौधों की पुष्टि

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बुधवार को अधिकारियों की बैठक लेकर मिशन हरियालो राजस्थान की तैयारियों पर चर्चा की।

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में बुधवार को मिशन हरियालो राजस्थान की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में मानसून 2026 के दौरान प्रदेशभर में किए जाने वाले वृक्षारोपण अभियान की तैयारियों एवं पूर्व वर्षों में लगाए गए पौधों के सत्यापन कार्यों की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से कहा कि सभी विभाग लगाए गए पौधों की जीवित्तता को भी सुनिश्चित करें। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्रों में भी पौधारोपण को प्राथमिकता से करने के लिए कहा।

उन्होंने बताया कि मानसून 2024 में 7.22 करोड़ तथा मानसून 2025 में 11.75 करोड़ से अधिक पौधारोपण कर राज्य ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। आगामी मानसून 2026 में 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि पौधारोपण के साथ पौधों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए हरियालो ऐप के माध्यम से पौधों की जियो-टैगिंग एवं लाइव फोटो अपलोड करना अनिवार्य होगा। साथ ही मुख्य सचिव ने हरियालो राजस्थान वेबपोर्टल एवं मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से नियमित मॉनिटरिंग व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिए।

जैन समाज ने भाजपा से मांगी राज्यसभा प्रत्याशी की सीट

सुनील कोठारी को अवसर दिए जाने का आग्रह किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान से राज्यसभा के लिए संभावित प्रत्याशी को लेकर बुधवार शाम को जैन समाज के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ से मुलाकात की। यह मुलाकात सकल जैन समाज जयपुर के तत्वावधान में समाज के विभिन्न प्रतिनिधियों द्वारा की गई। इसमें श्री महावीरजी अतिशय क्षेत्र, राजस्थान जैन सभा, जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन, श्री जैन श्वेताम्बर संघ, श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, अनुविभा जयपुर केंद्र, श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ और जैन विश्व भारती आदि संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद थे ।

प्रतिनिधिमंडल ने मदन राठौड़ के समक्ष जैन समाज की भावनाओं को रखते हुए आग्रह किया कि वर्तमान में राजस्थान से राज्यसभा में जैन समाज का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है, अत: समाज को उचित प्रतिनिधित्व प्रदान करते हुए जैन समाज से किसी योग्य प्रतिनिधि को राज्यसभा भेजा जाए। बैठक में प्रदेश महामंत्री श्रवण बगड़ी और भूपेंद्र सैनी भी विशेष रूप से उपस्थित थे। जैन समाज की ओर से वरिष्ठ नेता सुनील कोठारी को अवसर दिए जाने का आग्रह किया गया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि सुनील कोठारी लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी के समर्पित, सक्रिय एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता रहे हैं। उन्होंने संगठन में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर भी कार्य किया है। पार्टी संगठन, वैचारिक प्रतिबद्धता तथा जनसंपर्क के क्षेत्र में उनका योगदान अत्यंत उल्लेखनीय रहा है। वर्ष 2019 एवं 2024 के लोकसभा चुनावों में जयपुर

जैन समाज के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ से मुलाकात की।

संसदीय क्षेत्र से उनका नाम भाजपा प्रत्याशी के रूप में गंभीरता से विचाराधीन रहा। अंतिम समय में संगठनात्मक परिस्थितियोंवश अन्य प्रत्याशियों को अवसर दिया गया, तथापि कार्यकर्ताओं एवं समाज के मध्य उनकी स्वीकार्यता निरंतर बनी हुई है।प्रतिनिधिमंडल में जैन समाज से सुधांशु कासलीवाल, विवेक काला, राजकुमार बराडिया, सुभाष जैन, हितेश भाण्डिया, अमित हिरावत, ज्योति कोठारी, विनोद कोटखावदा, अमिताभ हीरावत, नितिन दुगड़, प्रवीण मेहता, राजेंद्र बांठिया, सरदारसिंह बोथरा, सुभाष जैन, सुनील बख्शी, सुनील जैन, सुनील मुनोत, सुरेश कोठारी, गौरव मांडोत, कमल सचेती और रजत डागा उपस्थित रहे।

एक जून से राजस्थान में चलेगा "उमंग" अभियान

जयपुर । राजस्थान में बालश्रम, बाल बंधुआ मजदूरी और बाल तस्करी के खिलाफ राजस्थान पुलिस 1 जून से 30 जून तक राज्यव्यापी विशेष अभियान उमंग- चलाएगी। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य बाल शोषण रोकना और पीड़ित बच्चों का पुनर्वास सुनिश्चित करना है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सिविल राइट्स एवं एएचटी) हवासिंह घुमरिया ने प्रदेशभर के पुलिस अधिकारियों को अभियान के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। हर जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।इस अभियान के तहत होटल, ढाबे, फैक्ट्रियां, ईंट भट्टे, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, धार्मिक स्थल और हाईवे किनारे स्थित क्षेत्रों में बच्चों की विशेष स्क्रीनिंग की जाएगी। पुलिस थानेवार रेस्क्यू टीमें गठित की जाएंगी, जिनमें पुलिसकर्मियों के साथ महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम विभाग, बाल अधिकारिता विभाग और एनजीओ प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाएगा। रेस्क्यू किए गए बच्चों का मेडिकल परीक्षण करवाया जाएगा और उन्हें चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के समक्ष पेश किया जाएगा। अन्य राज्यों से लाए गए बच्चों के मामलों में संबंधित राज्यों की पुलिस को भी सूचना दी जाएगी।

'विधि शिक्षा का उपयोग जरूरतमंदों, पीड़ित और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए करें'

डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह आयोजित

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि विधि शिक्षा प्रत्यक्षत: समाज से जुड़ी शिक्षा है। इसका उपयोग विद्यार्थी जरूरतमंदों, पीड़ित और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए करें। उन्होंने विधि शिक्षा में राष्ट्र और समाज हितों को सदा अग्रणी रखने और इस शिक्षा में उच्च

■ **समारोह में राज्यपाल बागड़े, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और उप मुख्यमंत्री बैरवा ने पदक एवं डिग्रियां प्रदान की**

संवैधानिक मूल्यों के साथ राजस्थान को अग्रणी किए जाने का आव्हान किया। बागडे बुधवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में सम्बोधित कर रहे थे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने बुधवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह का शुभारंभ किया।

राज्यपाल ने डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर को याद करते हुए कहा कि बॉम्बे विधानसभा में वर्ष 1938 में उन्होंने कहा था कि "मैं चाहता हूं कि समस्त लोग पहले भारतीय हों, और अंतत: भारतीय हों तथा भारतीय के सिवाय और कुछ भी नहीं हों। उन्होंने कहा कि विधि शिक्षा का भी मूल यही होना चाहिए कि सबसे पहले हम भारतीय हैं, उसके बाद किसी वर्ग, जाति या समुदाय से आते हैं। देश सवोच्च है।"

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि डॉ. अंबेडकर विधि विशेषज्ञ ही नहीं थे वह बहुत बड़े अर्थशास्त्री, मनोवैज्ञानिक, लेखक और विविध विषयों के जानकार थे। वह 1927 में बॉम्बे विधान परिषद के सदस्य बन गए थे। उन्होंने कहा कि देश के पहले कानून मंत्री डॉ. अंबेडकर थे।

समारोह में राज्यपाल बागडे, केंद्रीय कानून मंत्री मेघवाल और उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने विद्यार्थियों को डिग्री और पदक प्रदान किए।

राज्यपाल श्री बागडे ने दीक्षा प्राप्त 25 हजार से अधिक विद्यार्थियों की डिग्रियां डिजी लॉकर में कंप्यूटर का बटन दबाकर लाइव की। इससे पहले कुलगुरु डॉ. निष्ठा जसवाल ने स्वागत उद्बोधन में विश्वविद्यालय की उपलब्धियां के बारे में विस्तार से बताया।

पुलिस कमिश्नर 30 मई को करेंगे जनसुनवाई

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल 30 मई को दोपहर 11.30 से 01.30 बजे तक पुलिस थाना चित्रकूट पर जनसुनवाई करेंगे। इस दौरान वैशाली नगर सर्किल के वैशाली नगर, करणी विहार एवं चित्रकूट थानों के परिवादियों की जनसुनवाई की जावेगी। जनसुनवाई का उद्देश्य संबंधित क्षेत्र के परिवादियों की समस्याओं का तुरंत निस्तारण करते हुए आमजन को राहत पहुँचाना है।

हॉस्पिटल में घुसकर डॉक्टर से मारपीट करने वाली मां-बेटियां गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। जयसिंहपुरा खोर थाना इलाके में स्थित एक निजी अस्पताल में संचालक डॉक्टर से मारपीट और ब्लैकमेलिंग के मामले में पुलिस ने मां और दो बेटियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी युवती पहले अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ के रूप में कार्यरत थी और पूर्व में डॉक्टर पर दुष्कर्म का मामला दर्ज कराने के बाद समझौते के जरिए रकम वसूल चुकी थी। बाद में दोबारा पैसों की मांग करने पर विवाद हुआ और मारपीट की वारदात हुई।पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि मानबाग स्थित आशीर्वाद हॉस्पिटल के संचालक जितेन्द्र कुमार मीणा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 28 अप्रैल 2026 को तीन महिलाएं जबरन उनके निजी केबिन में घुस आईं और पैसों की मांग करने लगीं। विरोध करने पर महिलाओं ने गाली-गलौज करते हुए डॉक्टर के साथ लात-घूंसों और चप्पलों से मारपीट की। घटना में डॉक्टर घायल हो गए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नीरज पाठक एवं एसीपी आमेर सुरेंद्र सिंह राणावत के निर्देशन में जयसिंहपुरा खोर थानाधिकारी मुकेश कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए संजना महावर, उसकी बहन ज्योति महावर और मां रेखा देवी को गिरफ्तार कर लिया। तीनों गलता गेट क्षेत्र की निवासी हैं।पुलिस जांच में सामने आया कि संजना महावर पहले इसी अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ थी। वर्ष 2023 में उसने डॉक्टर के खिलाफ सिंधीकैंप थाने में दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। बाद में समझौता कर कोर्ट में बयान बदल दिए गए थे। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने समझौते के दौरान डॉक्टर से रकम ली थी। इसके बाद 28 अप्रैल को दोबारा पैसे मांगने अस्पताल पहुंचीं। डॉक्टर द्वारा मना करने पर उन्होंने मारपीट कर दी।

पीएचईडी का वरिष्ठ रसायनज्ञ सेवा से हटाया जाएगा

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सेवा के अधिकारियों के विरूद्ध 4 प्रकरणों में अभियोजन स्वीकृति दी है। भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन अधिनियम, 2018) के तहत दोष सिद्धि के एक प्रकरण में आरोपित अधिकारी को सेवा से पदच्युत करने का भी अनुमोदन किया है। मुख्यमंत्री ने जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के वरिष्ठ रसायनज्ञ को पेयजल के नमूनों की गुणवत्ता जांच में फर्जी रिपोर्ट तैयार करने के अपराध में सेवा से हटाने का निर्णय लिया है। साथ ही, एक अन्य प्रकरण में दोषी अधिकारी को भी अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी है।

उन्होंने सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध संचालित 14 जांच प्रकरणों में पेंशन रोकने तथा 2 सेवारत अधिकारियों के विरूद्ध 16 सी.सी.ए. की जांच कार्यवाही में वार्षिक वेतन वृद्धियां रोकने का निर्णय लिया है। इसी प्रकार सी.सी.ए. नियम 23 एवं 34 के तहत प्रस्तुत अपील एवं रिव्यू याचिका के 7 प्रकरणों को खारिज करते हुए पूर्व में दिए गए दण्ड को यथावत रखा है।

एसएमएस अस्पताल में महिला से अभद्रता

जयपुर। प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल सवाई मानसिंह अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। अस्पताल के गेट नंबर-3 के पास देर रात एक महिला से अभद्रता और धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि एक नशेड़ी युवक ने उससे जबरन शादी करने का दबाव बनाया और मना करने पर गोली मारने की धमकी दी। घटना स्थल से एसएमएस थाना की दूरी करीब 100 मीटर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार महुआ क्षेत्र निवासी महिला पिछले चार दिनों से अपने बीमार परिजन के उपचार के लिए अस्पताल में रुकी हुई थी। बुधवार देर रात करीब दो बजे वह अस्पताल परिसर में अकेली थी, तभी एक युवक उसके पास पहुंचा और अभद्रता करते हुए शादी करने का दबाव बनाने लगा। महिला के विरोध करने पर आरोपी ने कथित तौर पर गोली मारने की धमकी दी। घटना से सहमी महिला ने पूरी रात अस्पताल परिसर के दूसरे हिस्से में छिपकर बिताई।पीड़िता ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ दिनों से

■ **शादी का दबाव बनाकर गोली मारने की धमकी दी**

अस्पताल परिसर में कुछ असामाजिक तत्व उसे परेशान कर रहे थे। उसने इस संबंध में सुरक्षा गार्डों को भी जानकारी दी थी, लेकिन किसी ने गंभीरता से ध्यान नहीं दिया। महिला ने बताया कि घटना के दौरान उसने मदद के लिए आवाज लगाई, लेकिन कोई सुरक्षाकर्मी मौके पर नहीं पहुंचा।

घटना के बाद अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। मरीजों के परिजनों और प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोप लगाया कि रात के समय कई सुरक्षा गार्ड ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन पर रील देखने और सोशल मीडिया चलाने में व्यस्त रहते हैं। लोगों का कहना है कि अस्पताल परिसर में देर रात नशेड़ियों और संदिग्ध लोगों की आवाजाही बढ़ जाती है तथा चोरी और अभद्रता की घटनाएं भी सामने आती रहती हैं। फिलहाल मामले को लेकर पुलिस और अस्पताल प्रशासन की ओर से जांच की जा रही

गबन-भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के मामलों में हो कड़ी कार्रवाई : मंत्री गौत्तम दक

जयपुर । सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने विभाग में अनियमितताओं, गबन व भ्रष्टाचार के दर्ज प्रकरणों में कठोर कार्रवाई करने के लिए गृह विभाग, पुलिस व भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को निर्देश दिए है। दक बुधवार को शासन सचिवालय में सहकारिता विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्यालयों एवं सहकारी संस्थाओं में गबन, अनियमितताओं एवं अन्य प्रकरणों में दर्ज एफआईआर के संबंध में कार्यवाही की समीक्षा कर रहे थे।

दक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गबन, भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मामलों में तुरंत अनुसंधान पूरा कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। गबन के प्रकरणों में दोषियों के विरूद्ध आपराधिक धाराओं में कार्रवाई के साथ ही वसूली भी सुनिश्चित की जाए।

फर्जीवाड़े और घोटालों के प्रकरणों में मुख्य आरोपियों के साथ ही पूरे नेटवर्क का खुलासा कर सभी के विरूद्ध कार्रवाई की जाए। दोषियों द्वारा जिन परिजनों के नाम पर सम्पत्ति बनाई गई है, उनके विरूद्ध भी कार्रवाई कर वसूली की जाए।सहकारिता मंत्री ने कहा कि गंभीर प्रकृति के प्रकरणों में जिस

सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने बुधवार को विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्यालयों एवं सहकारी संस्थाओं में गबन-अनियमितताओं के प्रकरणों में दर्ज एफआईआर के संबंध में कार्यवाही की समीक्षा की।

मंशा के साथ आरोपियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करवाई जाती है, उसी के अनुरूप कार्रवाई भी होनी चाहिए। ऐसे प्रकरणों में बिना पर्याप्त आधार के एफआर लग जाने से गलत संदेश जाता है। अपराध प्रमाणित पाये जाने पर न्यायालय में समय पर चालान प्रस्तुत किये जाएं। उन्होंने कहा कि पुलिस मुख्यालय स्तर पर अलग सेल का गठन कर ऐसे प्रकरणों की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जानी चाहिए। दक ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद सहित अन्य कार्यों में फर्जीवाड़े एवं अनियमितताओं के कुछ बड़े प्रकरण सामने आए हैं, जिनसे विभाग की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। ऐसे प्रकरणों पर विशेष रूप से फोकस किया जाए। उन्होंने फर्जीवाड़े में शामिल ई-मित्र संचालकों एवं बैंक खाते किराये पर देने वाले लोगों के विरूद्ध भी कार्रवाई के निर्देश दिए।रजिस्ट्रार डॉ. समित शर्मा ने कहा कि गबन एवं अनियमितताओं के प्रकरणों में विभाग द्वारा सहकारी अधिनियम की धाराओं के अंतर्गत जांच के उपरांत नियमानुसार कार्रवाई का प्रावधान है। केवल गंभीर प्रकृति के मामलों में ही एफआईआर दर्ज करवाई

■ **सहकारिता मंत्री के गृह विभाग, पुलिस व भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों को निर्देश दिए**

जाती है। चूंकि प्रकरण की पूर्व में जांच हो चुकी होती है तथा आरोपी भी ज्ञात होते हैं, अत: अधिकांश प्रकरण ऐसे होते हैं जिनमें पुलिस के स्तर पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकरणों में सख्त कार्रवाई होने से निचले स्तर तक स्पष्ट संदेश जाएगा और अनियमितताओं पर रोक लगेगी। पुलिस एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने विश्वास दिलाया कि आगामी दिनों में कार्यवाही में गति लाते हुए लम्बित प्रकरणों का तेजी से निस्तारण किया जाएगा। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक, गृह विभाग दीपक कुमार, डीआईजी, सीआईडी (सी.बी.) दीपक भार्गव, राजफेड के प्रबंध निदेशक सौरभ स्वामी, पुलिस अधीक्षक (एसीबी) गोरधन लाल, संयुक्त शासन सचिव, सहकारिता प्रह्लाद सहाय नागा, एडिशनल डीसीपी जयपुर नीतिराज सिंह मौजूद थे।

मोटर वाहन उप निरीक्षक भर्ती में केवल डिप्लोमा वाले ही पात्र

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने मोटर वाहन उप निरीक्षक भर्ती-2021 में नियुक्तियों का रास्ता साफ करते हुए एकलपीठ को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा और जस्टिस बिपिन गुप्ता की खंडपीठ ने यह आदेश मनोज शर्मा व अन्य की ओर से दायर अपीलों का निस्तारण करते हुए दिए। एकलपीठ ने 22 फरवरी, 2023 को याचिकाओं को स्वीकार करते हुए कर्मचारी चयन बोर्ड के 15 दिसंबर, 2021 के कार्यालय आदेश को रद्द कर भर्ती विज्ञापन के अनुसार इंजीनियरिंग में डिग्री धारकों को हटाते हुए परिणाम जारी करने को कहा था। खंडपीठ ने लंबित भर्ती प्रक्रिया को तत्काल पूरी करने के आदेश देते हुए कहा है कि एकलपीठ के आदेश में कोई विधिक त्रुटि नहीं है। ऐसे में उसमें दखल देने की आवश्यकता नहीं है। अदालत ने कहा कि यह स्थापित नियम है कि एक बार खेल शुरू होने के बाद उसने नियमों को बदलने की अनुमति नहीं दी जा सकती। ऐसे में राज्य सरकार ने बाद में नियम संशोधित कर दिया तो भी वह संशोधन की तारीख से ही प्रभावी होगा और उसे पहले से जारी भर्ती विज्ञापन पर लागू नहीं किया जा सकता।

चौमूं : टेम्पो क्रूजर गाड़ी व ट्रक में भिड़ंत, महाराष्ट्र के तीन श्रद्धालुओं की मौत, नौ घायल

महाराष्ट्र के श्रद्धालु टेम्पो क्रूजर गाड़ी में सवार होकर खाटूश्यामजी जा रहे थे

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं शहर से गुजरने वाले जयपुर-सीकर नेशनल हाईवे 52 पर बुधवार को आगे चल रहे एक ट्रक में टेम्पो क्रूजर गाड़ी ने पीछे से जोरदार टक्कर मारी। इस टक्कर में टेम्पो क्रूजर गाड़ी में सवार महाराष्ट्र के तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई,

- **चौमूं शहर से गुजरने वाले जयपुर-सीकर नेशनल हाईवे 52 पर हुआ हादसा, ट्रक से टकराने के बाद क्रूजर गाड़ी सड़क किनारे बने होटल-रेस्टोरेंट में घुस गई**
- **चौमूं शहर के निजी अस्पताल पहुंचकर राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने भर्ती घायलों की कुशलक्षेम पूछी**

जबकि नौ लोग घायल हो गए। ट्रक से टकराने के बाद क्रूजर गाड़ी सड़क किनारे बने होटल-रेस्टोरेंट में घुस गई। टक्कर इतनी तेज थी कि क्रूजर के परखच्चे उड़ गए। होटल के बाहर खड़ी एक और कार से टेम्पो क्रूजर गाड़ी टकराने के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

जानकारी के अनुसार दुर्घटना बुधवार सुबह करीब सात बजे चौमूं शहर से गुजरने वाले हाइवे के पास स्थित स्टेडियम के पास ब्यावरिया कट एवं हाडौता पुलिया (वीर हनुमान पुलिया) के पास हुई। तीनों शवों को चौमूं के सरकारी हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया है। मृतकों में दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं।

चौमूं पुलिस थानाधिकारी हरबेन्द्र सिंह ने बताया कि महाराष्ट्र के श्रद्धालु टेम्पो क्रूजर में सवार होकर खाटूश्यामजी (रिंगस, सीकर) जा रहे थे। चौमूं शहर से गुजरने वाले हाइवे पर आगे चल रहा ट्रक अचानक लेफ्ट साइड में जाने के लिए मुड़ा। इसी दौरान पीछे से आ रही टेम्पो क्रूजर गाड़ी, ट्रक में घुस गई। क्रूजर गाड़ी रितेश (22) चला रहा था। क्रूजर में सवार शालू बाई (75), मेघा (40), आदेश (18) की मौके पर ही मौत हो गई। ये सभी परभणी (महाराष्ट्र) के गंगाखेड़ इलाके के हरंगुल के रहने वाले थे। इसके अलावा नौ लोग घायल हुए हैं। सभी घायल परभणी (महाराष्ट्र) के नानलपेथ के रहने वाले हैं। हादसे कि सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर सभी घायलों को 108 एम्बुलेंस की सहायता से नजदीक के अस्पताल भिजवाया गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हाईवे से हटवाकर ट्रैफिक सुचारू करवाया गया। हादसे में घायल गीता देवधर पुत्री सुनील राव, गायत्री देवधर पुत्री सुनील राव, खुशी जावड़े पुत्री बालासाय, अंकिता पुत्री रमेश, रितेश पुत्र अनिल, ऋषिकेश पुत्र अनिल, शकुंतला पत्नी अशोक, सुनीता पत्नी सुरेश, यशोदा पत्नी रमेश घायल हुए है। टेम्पो क्रूजर गाड़ी महाराष्ट्र नंबर की है। ट्रक और टेम्पो क्रूजर गाड़ी जयपुर से सीकर की ओर जा रहे थे।

वहीं राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने खाटूश्यामजी जा रहे वाहन के सीकर बायपास हाड़ोता के पास बावरिया कट पर दुर्घटनाग्रस्त होने पर उसमें सवार गांव हरगुण्ड, जिला परबनी, महाराष्ट्र के मृतकों के प्रति गहरा शोक व्यक्त किया है। राज्यपाल को बुधवार शाम जैसे ही दुर्घटना की सूचना मिली वह लोकभवन से चौमूं स्थित आर.के. फ्रैक्चर हॉस्पिटल और ट्रॉमा सेंटर के लिए रवाना हुए और वहां भर्ती घायलों की उन्होंने कुशलक्षेम पूछी। उन्होंने घायलों के अच्छे इलाज के लिए भी निर्देश दिए। उन्होंने ईश्वर से मृतकों की पुण्यात्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। उन्होंने दुर्घटना में घायल लोगों के प्रति सहानुभूति जताते हुए उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

हादसे के बाद टेम्पो क्रूजर गाड़ी होटल में घुस गई।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने चौमूं जाकर घायलों के हाल जाने।

चूरू एसपी ऑफिस से किडनैप की गई युवती बरामद

- **दो आरोपी गिरफ्तार, एसपी ऑफिस के तीन कमांडो और एक ड्राइवर निलंबित**

चूरू, (निसं)। एसपी कार्यालय के स्वागत कक्ष से अपहरण की गई युवती को पुलिस ने बरामद कर लिया है। युवती पूरी तरह सुरक्षित है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। घटना की जांच प्रभावित नहीं हो, इसके लिए एसपी निश्चय प्रसाद एम ने एसपी कार्यालय में तैनात 3 कमांडो और एक ड्राइवर को निलंबित कर दिया है।

एसपी निश्चय प्रसाद एम ने बताया कि 25 मई को कुछ लोग एसपी कार्यालय के स्वागत कक्ष से युवती को जबरन उठाकर ले गए थे। इस संबंध में झाड़सर निवासी कृष्ण कुमार ने किडनैप का मामला दर्ज कराया था। कृष्ण कुमार युवती के साथ सुरक्षा की गुहार लगाने एसपी कार्यालय आए थे। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने 4 टीमें गठित की और विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। मंगलवार देर रात पुलिस ने लूणकरणसर से युवती को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से छुड़ा लिया। इस कार्रवाई में चूरू कोतवाली थानाधिकारी सुखराम चोटिया और सीआई संदीप पूनिया की टीम की अहम भूमिका रही। पुलिस ने युवती के बयान के बाद उसको स्वेच्छा से उसके पति के साथ भेज दिया गया है।

चूरू में नौतपा के तीसरे दिन पारा 46 डिग्री पार

चूरू, (निसं)। जिले में नौतपा के तीसरे दिन भीषण गर्मी ने अंचल में हड़कंप मचा दिया। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को दोपहर ढ़ाई बजे तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि प्रात: 11:30 बजे यह 43 डिग्री सेल्सियस था। तेज लू के कारण शहर की सड़कों पर आवाजाही कम रही।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में चल रहे हीटवेव और तीव्र हीटवेव का दौर आगामी दो-तीन दिनों तक जारी रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 44 से 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है। बीकानेर, कोटा संभाग और शेखावाटी क्षेत्र में कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान 46 से 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में 27 और 28 मई को अधिकतम तापमान 48 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंचने की संभावना है। हालांकि, एक नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 28 मई से राज्य के कुछ भागों में आंधी-बारिश हो सकती हैं। आंधी-बारिश की गतिविधियों में 30 मई से और बढ़ोतरी होने की संभावना है, और जून के पहले सप्ताह में भी कुछ भागों में यह गतिविधियां जारी रह सकती हैं।

आरएएस भर्ती-2026 का विज्ञापन जारी, 607 पदों पर होगी भर्ती

भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 4 जून से प्रारंभ होगी

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) ने राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं भर्ती-2026 का विज्ञापन जारी कर दिया है। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत राज्य सेवाओं के 192 पदों तथा अधीनस्थ सेवाओं के 415 पदों सहित कुल 607 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। आयोग द्वारा जारी विज्ञापन के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों में उत्साह देखा जा रहा है।

आयोग सचिव ने बताया कि भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 4 जून 2026 से प्रारंभ होगी, जबकि आवेदन की अंतिम तिथि 3 जुलाई 2026 की रात्रि 12 बजे तक निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों को आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही करना होगा। ऑफलाइन आवेदन किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि भर्ती से संबंधित विस्तृत जानकारी जैसे शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, वर्गवार पदों का वर्गीकरण, आवेदन शुल्क, आरक्षण नियम, परीक्षा योजना एवं आवेदन प्रक्रिया आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दी गई है। अभ्यर्थियों को आवेदन करने से पूर्व विस्तृत विज्ञापन का सावधानीपूर्वक अध्ययन करने की सलाह दी गई है।

आयोग के अनुसार भर्ती प्रक्रिया दो चरणों में आयोजित की जाएगी। प्रथम चरण में प्रारंभिक परीक्षा आयोजित होगी, जो वस्तुनिष्ठ प्रकार की होगी। प्रारंभिक परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा में शामिल होने का अवसर मिलेगा। मुख्य परीक्षा वर्णनात्मक स्वरूप में आयोजित की जाएगी। इसके बाद चयनित अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। आयोग ने स्पष्ट किया कि प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा का पाठ्यक्रम पूर्व में 9 जनवरी 2026 को जारी प्रेस नोट के माध्यम से जारी किया जा चुका है और उसी निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट से पाठ्यक्रम डाउनलोड कर अपनी तैयारी को अंतिम रूप दे सकते हैं।

आरपीएससी ने यह भी बताया कि परीक्षा तिथि एवं परीक्षा केंद्रों की जानकारी यथासमय अलग से जारी की जाएगी। आयोग ने अभ्यर्थियों से समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने तथा अंतिम तिथि का इंतजार नहीं करने की अपील की है।

जोधपुर में साधारण मूंगफली से नकली बीज बनाने की दो फैक्ट्रियां पकड़ी

50 करोड़ रुपये मूल्य का संदिग्ध मूंगफली बीज और कच्चा माल बरामद

- **कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने बोरानाडा औद्योगिक क्षेत्र स्थित बीज निर्माण इकाइयों और कोल्ड स्टोरेज पर छापा मारा**
- **मौके पर दस चक्का ट्रक खड़ा मिला, जिसमें घटिया और गैर-कानूनी तरीके से तैयार किए गए मूंगफली बीज की बोरियां भरी जा रही थीं**
- **दूसरी फैक्टरी में मंत्री के आने की भनक मिलते ही मुख्य संचालक और मालिक परिसर को खुला छोड़कर फरार हो गये, फैक्टरी को सील किया**

जोधपुर, (कासं)। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा इन दिनों पूरे एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। चौमूं के गोविन्दगढ़ और सीकर में ताबड़तोड़ छापेमार कार्रवाई के बाद कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा का काफिला बुधवार को अचानक जोधपुर पहुंचा। यहां के कृषि और औद्योगिक हल्कों में उस समय हड़कंप मच गया, जब खुद कृषि मंत्री ने बिना किसी पूर्व सूचना के सीधे बोरानाडा औद्योगिक क्षेत्र स्थित बीज निर्माण इकाइयों और कोल्ड स्टोरेज पर छापा मारा।

जोधपुर सर्किट हाउस से बुधवार सुबह जैसे ही कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा का गाड़ियों का काफिला रवाना हुआ, पूरे शहर के प्रशासनिक और पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई। विभागीय अधिकारियों से प्राप्त प्राथमिक विवरण के अनुसार, कृषि विभाग को पिछले लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ शातिर अवैध बीज कारोबारी खुले बाजार से कम दाम पर साधारण खाने वाली वाणिज्यिक मूंगफली की खरीद करते हैं। इसके बाद बिना किसी वैज्ञानिक प्रमाणीकरण, बिना ग्रेडिंग और बिना आवश्यक रासायनिक उपचार के, उस साधारण मूंगफली को चमकीली थैलियों और ब्रांडेड बोतलों में पैक करके महंगे और उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज के रूप में किसानों को बेचकर करोड़ों रुपये का अवैध मुनाफा कमा रहे हैं। बुधवार को जब मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने एक कोल्ड स्टोरेज और संबंधित फैक्ट्रियों पर छापा मारा, तो वहां इस काले कारोबार की लाइव तस्वीरें देखकर अधिकारी भी दंग रह गए। मौके पर एक बड़ा दस चक्का ट्रक खड़ा मिला, जिसमें इस घटिया और गैर-कानूनी तरीके से तैयार किए गए मूंगफली बीज की बोरियां भरी जा रही थीं।

कृषि मंत्री द्वारा एक साथ दो बड़ी फैक्ट्रियों पर की गई इस कार्रवाई का नतीजा बेहद चौंकाने वाला रहा। पहली फैक्टरी के भीतर जब विभाग की टेक्निकल टीम ने दस्तावेजों, लाइसेंस और वास्तविक स्टॉक का मिलान किया, तो वहां भारी विसंगतियां पाई गईं। फैक्टरी के भीतर बिना किसी वैध रिकॉर्ड के अवैध रूप से डंप किया गया करीब 50 करोड़ रुपये मूल्य का संदिग्ध मूंगफली बीज और कच्चा माल पाया गया, जिसे मंत्री मीणा ने तत्काल प्रभाव से सील करने के आदेश दे दिए। वहीं, जब प्रशासनिक अमला दूसरी फैक्टरी के परिसर में पहुंचा, तो वहां हड़कंप का माहौल था। मंत्री के आने की भनक मिलते ही दूसरी फैक्टरी का मुख्य संचालक और मालिक परिसर खुला छोड़कर मौके से फरार होने में सफल रहा। इस पर सख्त रुख अपनाते हुए कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मालिक की अनुपस्थिति के बावजूद पूरी फैक्टरी को अभी सील कर दिया जाए और पुलिस सुरक्षा तैनात की जाए ताकि साक्ष्यों के साथ कोई छेड़छाड़ न हो सके।

कार्रवाई पूरी होने के बाद मौके पर मौजूद मीडिया कर्मियों और किसानों से बातचीत करते हुए कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने बेहद कड़े और सपाट शब्दों में अपनी सरकार की नीति को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान की भजनलाल सरकार प्रदेश के सीधे-साधे किसानों की मेहनत की कमाई पर डाका डालने वाले ऐसे माफियाओं को किसी भी कीमत पर बख्शने के मूड में नहीं है। उन्होंने कहा कि आज जब्त किए गए 50 करोड़ के इस पूरे स्टॉक के सैंपल तुरंत सरकारी लैबोरेट्री में जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। जैसे ही लैब की रिपोर्ट में मिलावट या गैर-प्रमाणित होने की पुष्टि होगी, इन दोनों फैक्ट्रियों के मालिकों और इनके पूरे नेटवर्क के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कर इन्हें सीधे जेल भेजा जाएगा।

नोखा के सहकारी बैंक में 2.90 करोड़ के गबन का आरोप

नोखा, (निसं)। बीकानेर के दी सेन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की नोखा शाखा में करीब 2 करोड़ 90 लाख 92 हजार रुपए के गबन का मामला सामने आया है। वर्तमान शाखा प्रबंधक रवि मीणा ने नोखा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुलिस ने इस मामले में पूर्व शाखा प्रबंधक ताराचंद बोथरा, सेवानिवृत्त ऋण पर्यवेक्षक चैनाराम गौरा, जसरासर शाखा में पदस्थापित बैंकिंग सहायक रामस्वरूप सोनी, बैंकिंग सहायक मूलचंद गोदारा और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार आरोपियों ने आपसी सांठगांठ कर बैंक में जमा ग्राहकों की मियादी जमाओं (एफडीआर) और अन्य खातों का दुरुपयोग किया। इससे करोड़ों रुपए की वित्तीय अनियमितता की गई। यह भी आरोप है कि पूर्व शाखा प्रबंधक ताराचंद बोथरा ने अपने बेटों महेंद्र बोथरा और शांतिलाल बोथरा को संविदा पर नियुक्त कर बैंक के ऑनलाइन कार्य करवाए। आरोपियों ने विभिन्न ग्राम सेवा सहकारी समितियों और खाताधारकों की एफडीआर को बिना अधिकार समयपूर्व तोड़कर राशि अन्य खातों में ट्रांसफर की। कई मामलों में बैंक रिकॉर्ड में संबंधित वाउचर भी उपलब्ध नहीं मिले।

प्रार्थी रवि मीणा ने बताया कि बैंक ने इस मामले में अतिरिक्त रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, बीकानेर खंड में वाद दायर किया था। न्यायालय ने 21 अप्रैल 2026 को दिए अपने निर्णय में तत्कालीन शाखा प्रबंधक ताराचंद बोथरा, चैनाराम गौरा और रामस्वरूप सोनी को दोषी माना था। उनके खिलाफ वसूली के आदेश भी पारित किए गए थे।

रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि नोखा तहसील क्रय-विक्रय सहकारी समिति के खातों का उपयोग गबन के लिए किया गया। करोड़ों रुपए विभिन्न खातों और एफडीआर में स्थानांतरित किए गए। पुलिस के अनुसार, रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। जांच अधिकारी एसआई कुशलाराम ने बताया कि मामले में बैंक रिकॉर्ड, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन और संबंधित खातों की गहन जांच की जाएगी।

सिंघाना में अवैध शराब सहित कंटेनर जब्त

सिंघाना, (निसं)। पुलिस थाना सिंघाना ने हरियाणा निर्मित 228 कार्टून अंग्रेजी शराब से भरे एक कंटेनर को जब्त किया है। पुलिस ने कंटेनर को कब्जे में लेकर चालक के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फरार चालक की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार बुधवार को कांस्टेबल आनंद कुमार एवं रमेश कुमार ने सूचना दी कि एक संदिग्ध कंटेनर में अवैध शराब होने की आशंका पर उसे रुकवाया गया है, लेकिन चालक अंधेरे का फायदा उठाकर वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कंटेनर की तलाशी ली।

झुंझुनूं में 10 के नए नोट की गड्डी के नाम पर करोड़ों की ठगी

- **सर्राफा कारोबारी से 21 लाख हड़पे, पांच के खिलाफ एफआईआर दर्ज**

झुंझुनूं, (निसं)। शहर में 10 रुपए के नए नोटों की गड्डी सस्ते में देने का झांसा देकर करोड़ों रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। कोतवाली थाना पुलिस ने वार्ड-33 खोरा मोहल्ला निवासी सर्राफा कारोबारी मुस्तफा की रिपोर्ट पर पांच लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

पीड़ित मुस्तफा पुत्र हाजी अब्दुल सत्तार ने बताया कि उसकी रोड नंबर 3 पर सोने-चांदी की दुकान है। इस्लाम नगर बाकरा रोड निवासी इब्राहिम पुत्र अब्दुल सलीम से उसकी पुरानी जान-पहचान थी। इब्राहिम ने बताया कि वह रोडवेज बस स्टैंड के सामने संगम होटल के नीचे किराना दुकान चलाने वाले राघव भीमसरिया से 10 के नए नोट की गड्डी 1050 रुपए में लेकर 1100 में बेचता है। दिसंबर 2025 में इब्राहिम, उसके पिता अब्दुल सलीम, अदरीश उर्फ मिंडा, मकबूल मणियार और राघव भीमसरिया ने मुस्तफा को इस काम में जोड़ लिया। पहले पांच लाख एडवांस लेकर पांच लाख की गड्डियां दे दी। जिससे भरोसा बन गया। पीड़ित ने रिपोर्ट में बताया है कि 27 दिसंबर 2025 को चारों आरोपी दुकान पर आए और कहा कि राघव को 21 लाख एडवांस देने हैं। पांच-सात दिन में रुपए या गड्डी लौटाने का वादा कर मुस्तफा से 21 लाख रुपए ले लिए। बाद में टालमटोल करते रहे और रुपए लौटाने से इनकार कर दिया। मुस्तफा जब अरबाज कायमखानी के साथ तकादा करने गया तो इब्राहिम, सलीम, मकबूल और अदरीश ने कहा कि हमारा तो लोगों को गड्डी का झांसा देकर रुपए हड़पने का ही काम है। भाग जाओ वरना जिंदगी भर जेल में सड़ोगे। अदरीश ने कबूला कि राघव से इब्राहिम को उसने ही मिलवाया था। मुस्तफा की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने इब्राहिम, अब्दुल सलीम, मकबुल, अदरीश उर्फ मिंडा और राघव भीमसरिया के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित का आरोप है कि इब्राहिम और सलीम रुपए लेकर विदेश भागने की फिराक में हैं।

पीड़ित को पता चला कि गैंग ने शाहरुख से 64.32 लाख, महमूद काजी से 33 लाख, अनवर मणियार से 18.50 लाख, समीर से 15 लाख, खादिम से 15 लाख, साजिद से 14.50 लाख, सोनू खान से 12 लाख रुपए इसी तरह ठगे हैं। सभी को गड्डी देने का झांसा दिया गया था।

हथियार सहित चार बदमाश गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ पुलिस व डीएसटी टीम चूरू ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कस्बे में बड़ी वारदात की फिराक में घूम रहे 4 शातिर बदमाशों को अवैध लोडेड हथियारों के साथ दबोच लिया। पुलिस की तत्परता से वारदात से पहले ही आरोपियों के मंसूबों पर पानी फिर गया।

26 मई को आसूचना अधिकारी कर्मपाल कानि. को सूचना मिली कि बिजली बोर्ड राजगढ़ के पास 3-4 संदिग्ध युवक हथियारों के साथ घूम रहे हैं। जिस पर थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग मर विक्रमसिंह सउनि के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी की। जिसमें पुलिस को देख बाइक से भागने की कोशिश कर रहे चारों को पुलिस टीम ने दबोच लिया। तलाशी में रोहित उर्फ मेन्टल के पास से 3 कारतूस वाली लोडेड देशी पिस्टल, राहुल के पास से 2 कारतूस वाली लोडेड पिस्टल और दीपक उर्फ संदीप के पास से 2 जिंदा कारतूस मिले। चौथा आरोपी अमित है।

भरतपुर में 10 हेक्टेयर में विकसित की जा रही दो अवैध कॉलोनियां ध्वस्त

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने अवैध कॉलोनियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बुधवार को ग्राम खडेरा और सेवर कला में विकसित की जा रही दो अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान करीब 10 हेक्टेयर

- **अवैध प्लॉटिंग को हटाते हुए लगभग 90 भूखंडों की बाउंड्री वॉल और ग्रेवल सड़कें तोड़ी**

क्षेत्र में की गई अवैध प्लॉटिंग को हटाते हुए लगभग 90 भूखंडों की बाउंड्री वॉल और ग्रेवल सड़कें तोड़ी गईं।

भरतपुर विकास प्राधिकरण के तहसीलदार, पश्चिमी ज़ोन, मनीष कुमार मीना ने बताया कि बीडीए क्षेत्राधिकार में कृषि भूमि पर बिना स्वीकृति के अवैध प्लॉटिंग का कार्य किया जा रहा था। इसके खिलाफ प्राधिकरण लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी अवैध कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी और उसी आज ग्राम खडेरा और सेवर कला में विकसित की जा रही दो अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया गया।

कार्रवाई के दौरान करीब 10 हेक्टेयर भूमि में किए गए अवैध निर्माण हटाए गए और लगभग 90 भूखंडों की बाउंड्री वॉल व ग्रेवल सड़क को जेसीबी की मदद से तोड़ा गया। तहसीलदार मनीष कुमार मीना ने कहा कि बीडीए द्वारा अवैध कॉलोनियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे प्राधिकरण की स्वीकृति प्राप्त करने के बाद ही अपनी भूमि पर प्लॉटिंग का कार्य करें। उन्होंने भूखंड खरीदने वाले लोगों से भी सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी भूमि को खरीदने से पहले यह जरूर जांच लें कि उस भूमि का लेआउट भरतपुर विकास प्राधिकरण से अनुमोदित है या नहीं, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। कार्रवाई के दौरान मौका मजिस्ट्रेट मनीष कुमार मीणा, तहसीलदार (पश्चिमी जोन), मुकेश कुमार, तहसीलदार (पूर्वी जोन), सहायक अभियंता मनोज पाराशर, भू-अभिलेख निरीक्षक ज्ञान सिंह निमेश, दीवान सिंह तथा पटवारी मृत्युंजय मिश्रा, दिगंबर सिंह और लोकेश शर्मा पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर मौजूद रहे।

भरतपुर विकास प्राधिकरण ने अवैध कॉलोनियों को जेसीबी से तोड़ने की कार्रवाई की।

युवक की मौत

करौली, (निसं)। जिले के मंडरायल में स्थित नींदर बांध में नहाते समय गहरे पानी में डूबने से मंडरायल के साईंबाबा निवासी उस्मान खान की मौत हो हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक अपने मित्रों के साथ बांध में नहाने गया था। नहाते समय गहरे पानी में जाने से डूब गया। सूचना मिलने पर ग्रामीणो ने पहुंचकर साथियों के साथ युवक को अचेत अवस्था बांध के पानी से निकालकर मंडरायल अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर शव परिवार जन को सुपुर्द किया।

टोंक में गांजा सहित आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। अवैध बजरी खनन व परिवहन के विरूद्ध अलग-अलग थानों में पुलिस टीमों ने कार्यवाही की। जिला स्पेशल टीम व थाना डिग्गी पुलिस ने नशा मुक्त अभियान के तहत संयुक्त कार्यवाही करते हुए लगभग डेढ़ लाख रुपए कीमत का 2.964 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया। आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन व मोटरसाइकिल जब्त कर आरोपी जितेन्द्र पुत्र रामेश्वर सेनी निवासी खातियों का मोहल्ला चान्दसेन को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ थाना डिग्गी में एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर मामला दर्ज किया गया है।

इसी क्रम में पुलिस थाना बरोनी टीम ने अवैध बजरी खनन व परिवहन के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये ग्राम ककराज स्थित बनास नदी में अवैध रूप से बजरी परिवहन करते हुये तीन टैक्टर-ट्रॉली जो 24 टन अवैध बजरी से भरे हुए को जब्त कर चालक व मालिक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

इसी प्रकार पुलिस थाना झिराना टीम ने भी अवैध बजरी परिवहन के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये ग्राम सौंदीफल में अवैध रूप से बजरी परिवहन करते हुये एक टैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया गया। इसी प्रकार वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के निवाई पुलिस थाना टीम ने पूर्व में दर्ज अवैध बजरी खनन व परिवहन के प्रकरण में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

हिस्ट्रीशीटर के कब्जे से छुड़वाई 2 करोड़ रु. की सरकारी जमीन

पिछले 12-13 वर्षों से 200 गज जमीन पर कब्जा जमाए बैठा था आरोपी

जयपुर (कासं)। राजधानी में पुलिस-प्रशासन ने हार्डकोर अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मुहाना थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर शंकर लुहार का करीब 2 करोड़ रुपये कीमत का अवैध कब्जा ध्वस्त कर दिया। आरोपी पिछले 12 से 13 वर्षों से सरकारी जमीन पर कब्जा जमाए बैठा था।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि बुधवार को मुहाना थाना पुलिस और जयपुर

■ **बताया जा रहा है कि आरोपी शंकर लुहार मुहाना थाने का हिस्ट्रीशीटर है, वह क्षेत्र में लोगों को डर-धमकाकर दहशत का माहौल बनाए हुए था**

विकास प्राधिकरण (जेडीए) की संयुक्त टीम ने डिग्गी रोड स्थित मुहाना मोड के पास कार्रवाई की। जेसीबी मशीनों की मदद से कुख्यात हिस्ट्रीशीटर शंकर पुत्र गोपी गाड़िया लुहार द्वारा किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया।

पुलिस के अनुसार आरोपी ने करीब 200 वर्ग गज सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण कर रखा था, जिसकी बाजार कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये आंकी गई है। शंकर लुहार क्षेत्र में लोगों को डराकर और धमकाकर दहशत का माहौल बनाए हुए था। विरोध करने वालों के साथ मारपीट की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। पुलिस ने बताया कि हिस्ट्रीशीटर ने सरकारी जमीन पर कब्जा कर निकास मार्ग भी बंद कर दिया था, जिससे स्टेट हाईवे पर यातायात प्रभावित हो रहा था और वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ रही थी। कार्रवाई के दौरान पूरे अतिक्रमण को हटाकर रास्ता खुलवाया गया।

मुहाना थाने का हिस्ट्रीशीटर शंकर लुहार के खिलाफ 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ 151/110 सीआरपीसी और 129 बीएनएसएस के तहत 7 इस्तगासे भी न्यायालय में पेश किए जा चुके हैं। वर्ष 2015 में उस पर चोरी और नकबजनी के 10 मामले दर्ज हुए थे, जबकि 2016 में मारपीट का मामला भी सामने आया था। डीसीपी राजर्षि राज ने कहा कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई की जा रही है। आपराधिक गतिविधियों से अर्जित अवैध संपत्तियों को चिन्हित कर आगे भी कुर्की और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रहेगी।

मुहाना थाना पुलिस और जयपुर विकास प्राधिकरण की संयुक्त टीम ने डिग्गी रोड स्थित मुहाना मोड के पास हिस्ट्रीशीटर का अवैध निर्माण ध्वस्त किया।

चौमूं थाने के एस.आई.पर कार्यवाही के आदेश

जयपुर (कासं)। न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-10 ने चौमूं थाने के सब इंस्पेक्टर बजरंगलाल के खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश पुलिस कमिश्नर और जयपुर जिला कलेक्टर को दिए है। इस मामले में परिवादी प्रकाश चंद सैनी की ओर से अधिवक्ता नरोत्तम लाल ढेबाना और सौरभ झांझदिया ने पैरवी की थी।

अदालत ने कहा कि परिवादी की ओर से दर्ज करवाई गई एफ.आई.आर. 730/2025 में कार्यवाही करने के लिए चौमूं थाने के एस.आई. को निर्देशित किया गया था। अदालत ने 28 मार्च 2026 को आदेश दिया था कि परिवादी के मोबाइल में मौजूद वीडियो के आधार पर अन्य अपराधियों की पहचान करके उन्हें पकड़ा जाए, परंतु अनुसंधान अधिकारी द्वारा कोर्ट में कहा जा रहा है कि परिवादी ने उसे यह वीडियो नहीं सौंपा। जबकि परिवादी का कहना है कि वह 28 मार्च को कोर्ट के समक्ष ही वीडियो उपलब्ध करवाने को तैयार था। अदालत ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि अनुसंधान अधिकारी ने किसी दूरवर्ती उद्देश्य की पूर्ति के लिए परिवादी से जानबूझकर वीडियो प्राप्त नहीं किया, साथ ही न्यायालय के आदेशों की भी अवहेलना की जा रही है।

दिल्ली हाईवे पर 645 किलो से ज्यादा मिलावटी पनीर पकड़ा

जयपुर सप्लाई से पहले नष्ट कराया गया जहरीला पनीर

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले की चंदवाजी थाना पुलिस और खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटखोरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे पर 645 किलो मिलावटी पनीर से भरी एक पिकअप गाड़ी पकड़ी। संयुक्त कार्रवाई में करीब 1.60 लाख रुपए कीमत का संदिग्ध और केमिकल युक्त पनीर जब्त कर मौके पर ही गड्ढा खुदवाकर नष्ट कराया गया। पुलिस ने इस मामले में तीन युवकों को डिटेन कर पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि जिले में हाईवे पर अवैध गतिविधियों और मिलावटखोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत चंदवाजी थानाधिकारी नितिन चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने टीएसी पुलिया के पास नाकाबंदी कर रखी थी।

नाकाबंदी के दौरान मनोहरपुर की ओर से आ रही पिकअप गाडी को रोककर तलाशी ली गई। वाहन में रखे 12 बड़े आइस बॉक्स में भारी मात्रा में पनीर भरा मिला। पनीर से आ रही संदिग्ध गंध और गुणवत्ता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय को सूचना दी।

सूचना पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी वीरेंद्र सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और पनीर के नमूने लेकर जांच की। प्रारंभिक जांच में पनीर मिलावटी और मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पाया गया। इसके बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए पूरे पनीर को मौके पर ही नष्ट कराया गया तथा पिकअप वाहन को भी जब्त कर लिया गया।

खाद्य सुरक्षा विभाग के अनुसार यदि यह खेप जयपुर शहर तक पहुंच जाती तो होटल, ढाबों और आयोजनों में इसका उपयोग होने की आशंका थी, जिससे बड़ी संख्या में लोग बीमार हो सकते थे।

पुलिस ने मौके से जमील (26) निवासी रामगढ़ अलवर, तालिर (21) निवासी रामगढ़ अलवर तथा वारिस (19) निवासी बहादरपुर, अलवर को डिटेन किया है। तीनों से पनीर सप्लाई नेटवर्क और मिलावटखोरी गिरोह के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

कार्रवाई में उप निरीक्षक हरिराम, उप निरीक्षक लीलाधार, कांस्टेबल सुभाष चंद्र और कांस्टेबल मुकेश कुमार की विशेष भूमिका रही।

नीमड़ी वाले बालाजी क्षेत्र के पास हुड़दंग, स्टंटबाजी और तोड़फोड़ करने वाले दबोचे

जयपुर । पत्रकार कॉलोनी थाना पुलिस ने नीमड़ी वाले बालाजी क्षेत्र में देर रात स्टंटबाजी, हुड़दंग और वाहनों में तोड़फोड़ करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई दो थार और एक स्विफ्ट कार भी जब्त की है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि 24-25 मई की रात पत्रकार कॉलोनी थाना क्षेत्र स्थित नीमड़ी वाले बालाजी के पास कुछ युवक तेज गति से वाहन दौड़ाकर स्टंट कर रहे थे। आरोपी एक-दूसरे की गाड़ियों को टक्कर मारने के साथ डंडों, सरियों और पत्थरों से वाहनों में तोड़फोड कर रहे थे। सूचना मिलने पर थाना पुलिस और चेतक जाब्ता मौके पर पहुंचा। उस समय करीब 8 से 10 वाहनों में सवार युवक सड़क पर जमकर हुड़दंग कर रहे थे।

आरोपियों ने आसपास खड़े वाहनों में भी तोड़फोड़ की और पुलिस द्वारा रोकने का प्रयास करने पर गाड़ियों को तेज रफ्तार से भगाते हुए पुलिस वाहनों को भी टक्कर मार दी। पुलिस ने पीछा कर स्थिति को नियंत्रित किया और बड़ी जनहानि होने से बचाया। घटना के बाद पत्रकार कॉलोनी थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस और डीएसटी टीम ने लगातार दबिश देकर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में विकास शर्मा (20), महेश शर्मा (21), लेखराज गुर्जर (23) और लोकेश लाम्बा (20) शामिल हैं। सभी आरोपी टोंक जिले के विभिन्न क्षेत्रों के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त दो थार और एक काले रंग की स्विफ्ट कार जब्त की है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि शहर में देर रात स्टंटबाजी, तेज रफ्तार और आमजन की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

शासन सचिव ने ली पर्यटन विभाग की बैठक

जयपुर । पर्यटन विभाग की शासन सचिव शुचि त्यागी की अध्यक्षता में बुधवार को पर्यटन विभाग, देवस्थान विभाग एवं कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग से संबंधित वर्ष 2024-25, 2025-26 तथा 2026-27 की समस्त बजट घोषणाओं की प्रगति की कार्यकारी एजेन्सीवार समीक्षा की गई। त्यागी ने निर्देश दिए कि सभी बजट घोषणाओं को समय पर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सोमवार को केंद्रीय प्रवर्तित प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा की जाएगी। जिन कार्यों को एक से अधिक एजेंसियों के द्वारा संपादित किया जा रहा है ऐसे कार्यों कि एजेंसियां आपसी समन्वय से कार्य करें। शासन सचिव ने सभी कार्यकारी एजेंसीज एवं देवस्थान, पर्यटन, कला साहित्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे चल रहे विकास कार्यों का मौके पर जाकर भी निरीक्षण करें।

मुख्य सचिव ने सचिवालय परिसर में परिण्डे बांधे

जयपुर । भीषण गर्मी में आमजन विशेषकर राहगीरों के लिए पेयजल, छाया-पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ-साथ मूक पशु-पक्षियों की भी देखरेख हो। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के इस संकल्प को पूरा करने के लिए उनकी प्रेरणा से समूचा प्रशासनिक अमला जुट गया है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बुधवार को शासन सचिवालय में पीपल के 11 वृक्षों पर दानें और पानी के लिए परिण्डे बांधे। उन्होंने सचिवालय कैंटीन के पास स्थित बर्ड साईट पर पक्षियों के लिए दाना डाला।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा के बाद राज्यभर में यह अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य सचिव ने गत दिनों परिपत्र जारी कर सभी जिला कलेक्टर, स्थानीय निकाय एवं संबंधित विभागों को ग्रीष्मकाल के दौरान पशु-पक्षियों को तेज गर्मी एवं लू से बचाने तथा उनके लिए पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों से बेजुबान जीवों की मदद के लिए आगे आने का आव्हान किया है। मुख्य सचिव ने सरकारी अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ ही आमजन से अपील की है कि वे अपने घर व कार्यालय, की छत, बाल्कनी और सार्वजनिक स्थानों पर परिंडे बांधें, इनमें शीतल पेयजल व दानें की व्यवस्था करें जिससे इस भीषण गर्मी में कोई भी पक्षी प्यासा न रहे। इस दौरान कार्मिक विभाग के संयुक्त शासन सचिव आशीष शर्मा व बड़ी संख्या में कार्मिक भी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

जून होगा ''एंटी मलेरिया माह''

जयपुर । प्रदेशभर में मलेरिया उन्मूलन की दिशा में जन-जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता, मजबूत सर्विलांस एवं समय पर जांच एवं उपचार सुनिश्चित करने के लिए जून माह एंटी मलेरिया माह के रूप में मनाया जाएगा। इस अवधि में मलेरिया रोकथाम सहित विभिन्न गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2030 तक मलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। आगामी जून माह में इन गतिविधियों को जन जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि जून 2026 को एंटी मलेरिया माह के रूप में मनाया जाना निर्धारित किया है। ग्राम स्तर पर जन-जागरुकता गतिविधियां रैली, विद्यालयों में कार्यक्रम, प्रचार कार्यों आदि के साथ ही प्रत्येक बुखार रोगी की ब्लड स्लाइड/आरडीटी जांच हेतु प्रेरित किया जाएगा। मच्छरजनित रोगों की रोकथाम हेतु स्त्रोत नष्टीकरण, स्वच्छता गतिविधियां सुनिश्चित करने एवं अन्तर्विभागीय समन्वय हेतु जिला एवं ब्लॉक स्तर पर बैठकें, सेमिनार एवं नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि अधिक प्रभावित क्षेत्रों जैसे जनजातीय, वन क्षेत्र, सीमा क्षेत्र, परियोजना क्षेत्र, शहरी एवं पेरी-अरबन क्षेत्रों में विशेष सर्विलांस एवं रोकथाम गतिविधियां संचालित करने के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही ग्रामीण स्तर पर ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समितियों की बैठक आयोजन कर आशा सहयोगिनी, एएनएम, सीएचओ पंचायत प्रतिनिधि एवं समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

'गंगाजल संरक्षण बनेगा जनआंदोलन'

जयपुर । वंदे गंगाजल संरक्षण जन अभियान के तहत हिंगोनिया गौ पुनर्वास केंद्र में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा पर प्रदेश सरकार द्वारा 25 मई से 5 जून तक चलाया जा रहा वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी का अभियान है। उन्होंने गौशालाओं की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि गौशालाएं केवल गौसेवा का केंद्र नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संवद्धर्न का भी माध्यम बन सकती हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से जल संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करने तथा अपने दैनिक जीवन में पानी के विवेकपूर्ण उपयोग का संकल्प लेने का आव्हान किया। पशुपालन मंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को जल संग्रहण और संरक्षण की शपथ दिलाते हुए जल स्त्रोतों के संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा अधिकाधिक पौधारोपण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने गौशाला परिसर में मौलसिरी और पीपल के पौधे भी लगाए और प्रबंधन को पौधों की उचित देखभाल के निर्देश दिए।

सड़क हादसे में कांस्टेबल की मौत

जयपुर । राजधानी के सांगानेर थाना इलाके में बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में जयपुर पुलिस लाइन में तैनात कांस्टेबल की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा उस समय हुआ जब कांस्टेबल नाकाबंदी ड्यूटी पूरी कर बाइक से घर लौट रहा था। सांगानेर थाना प्रभारी लिखमाराम ने बताया कि हादसा सुबह करीब 6 बजे कृषि अनुसंधान केंद्र के पास हुआ। जहां भरतपुर निवासी कांस्टेबल लोकेंद्र (42) जयपुर पुलिस लाइन में तैनात था और सुभाष चौक थाना क्षेत्र में नाकाबंदी ड्यूटी कर वापस लौट रहा था। इसी दौरान उसकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर और बिजली के पोल से टकरा गई। इस हादसे में कांस्टेबल लोकेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसके साथ बाइक पर सवार रोहित उर्फ राहुल गुप्ता (31) भी घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस और दुर्घटना थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा दोनों घायलों को एसएमएस अस्पताल पहुंचाया गया। वहां उपचार के दौरान कांस्टेबल लोकेंद्र ने दम तोड़ दिया, जबकि घायल युवक का उपचार जारी है। पुलिस ने मृतक कांस्टेबल का शव अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। हादसे के बाद पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

राखी राठौड़ को डॉक्टरेट की उपाधि

जयपुर । भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ ने कानून विषय में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की है। उन्होंने महाराजा विनायक ग्लोबल यूनिवर्सिटी से ''भारतीय नागरिकों में मूल कर्तव्यों के प्रति जागरूकता'' विषय पर शोध कर पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। उनका यह शोध एमवीजीयू के लॉ विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्र तिवारी के निर्देशन में पूरा हुआ। राखी राठौड़ ने कहा कि भारत का संविधान नागरिक अधिकारों का सबसे बड़ा संरक्षक है, लेकिन अधिकारों के साथ-साथ नागरिक कर्तव्यों का पालन भी उतना ही जरूरी है। दरअसल, राखी राठौड़ उच्च शिक्षित भाजपा महिला नेताओं में गिनी जाती है। राखी पहले गणित विषय की प्रोफेसर भी रह चुकी हैं। कानून में पीएचडी हासिल करने के बाद उन्होंने गणित के बाद एक और विषय में विशेषज्ञता प्राप्त कर ली है। भाजपा महिला मोर्चा की टीम गठन के दौरान भी उन्होंने एजुकेटेड महिलाओं को प्राथमिकता देकर अलग पहचान बनाई थी।

राज्यपाल के परिसहाय बने सक्षम अग्रवाल

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के नव नियुक्त परिसहाय स्क्वाड्रन लीडर सक्षम अग्रवाल ने बुधवार को पदभार ग्रहण किया। अग्रवाल भारतीय वायुसेना के अधिकारी हैं।

राज्यभर की सहकारी डेयरियों में जल संरक्षण को बढ़ावा दे रहे : मंत्री जोराराम

जयपुर । पशुपालन, गोपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा है कि पूरी की पूरी सृष्टि जल पर आधारित है और वर्तमान भी जल है तो भविष्य भी। सृष्टि के लिये जल है तो ही अगला पल है। उन्होंने कहा कि राज्यभर की सहकारी डेयरियों में जल संरक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है। कुमावत बुधवार को सरस संकुल ऑडिटोरियम में राज्य स्तरीय डेयरी जल संरक्षण अभियान के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मंत्री जोराराम कुमावत ने सरस पार्लर पर प्लास्टिक वेस्ट कलेक्शन बिन का भी शुभारम्भ किया। कलेक्शन बिन में जमा हुऐ प्लास्टिक वेस्ट को रिसाईकल कर पुन: उपयोग लाया जा सकेगा। गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कार्यक्रम के बाद सरस पार्लर पर पनीर डोसा और सरस सोफ्टी का भी आनन्द लिया। उन्होंने सरस उत्पादों की गुणवत्ता और स्वाद की जमकर तारीफ की। राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन की प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने कहा कि आरसीडीएफ द्वारा जल संरक्षण के प्रयासों का नतीजा है कि एक वर्ष पूर्व जहां एक लीटर दूध की प्रोसेसिंग पर डेढ़ लीटर पानी व्यय हो रहा था, वह अब घटकर केवल 800 मिली लीटर व्यय हो रहा है। इस प्रकार राज्यभर में प्रतिदिन 45 लाख लीटर दूध की प्रोसेसिंग पर प्रतिदिन 31.50 लाख लीटर से अधिक पानी की बचत हो रही है। अभियान के अन्तर्गत त्रिस्तरीय व्यवस्था अपनाई जा रही है, जिसमें जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और जागरुकता शामिल है। दुग्ध संघों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, वेस्ट मैनेजमेंट, जीरो लिक्विड डिस्चार्ज प्लान्ट, बॉयोफलैक्सी प्लान्ट जैसे नवाचार किये गये है। भीषण गर्मी में आरसीडीएफ सहित राज्य के दुग्ध संघों में 111 प्याऊ लगाई है।

गौपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने बुधवार को सरस पार्लर पर प्लास्टिक वेस्ट कलेक्शन बिन का शुभारम्भ किया।

अच्छे चिकित्सक का अच्छा इंसान होना भी जरूरी : डॉ. लकी जैन

जयपुर। महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज में बुधवार को सुविख्यात सर्जन डॉ. जी.सी.शर्मा की स्मृति में व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि अटलांटा अमेरिका के सुविख्यात नवजात रोग विशेषज्ञ डॉ. लकी जैन ने महान डॉक्टर्स की सीख विषय पर संबोधित किया। उन्होंने अपने गुरु सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के तत्कालीन प्राचार्य डॉ जी सी शर्मा को एक आदर्श चिकित्सक बताया।

डॉ. जैन ने कहा कि सफलता जुनून से मिलती है। अच्छे चिकित्सक को अपने विषय का विस्तृत ज्ञान, व्यावहारिक समझ, निर्णय लेने की क्षमता का होना जरूरी है। साथ ही इसके मन में रोगी के प्रति दया तथा परिजनों के प्रति सहानुभूति भावना होनी चाहिए। उन्होंने रोगी को पहली प्राथमिकता मानने की सीख दी। डॉक्टर को चाहिए कि वो श्रेष्ठ करें, अनुशासन में रहे, खुशी से करें तथा स्वयं को खुश और तंदुरुस्त रखें।

यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन डॉ. विकास चंद्र स्वर्णकार ने कहा कि डॉक्टर्स को नई पीढ़ी तक जीवन मूल्यों को पहुंचाने के लिए अनेक ऑरेशन कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इनके जरिए फैकल्टी और स्टूडेंट्स को व्यावहारिकता और नैतिकता के साथ सफलता का संदेश भी दिया जाता है।

संस्थापक चेयरमैन डॉ. एम.एल.स्वर्णकार ने कहा कि डॉ.जी.सी.शर्मा उनके गुरु और मार्गदर्शक थे, हैं और यह ऑरेशन एक शिष्य द्वारा गुरु के प्रति श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम में वाइस चांसलर डॉ. अचल गुलाटी, डॉ. विनय कपूर, डॉ.सुधीर सचदेव, डॉ.राजगोविंद शर्मा, डॉ.एस सीतारामन ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर डॉ.प्रदीप पाइन, डॉ.एन.डी.सोनी, डॉ.एस.एस. जायसवाल, डॉ.सुरेश चंद्र शर्मा, डॉ. हेमंत मल्होत्रा, डॉ.जी.सी.शर्मा के परिजनों सहित बड़ी संख्या में फैकल्टी तथा अतिथि मौजूद रहे।

महात्मा गांधी मेडिकल यूनिवर्सिटी में बुधवार को सुविख्यात सर्जन डॉ. जी.सी.शर्मा की स्मृति में व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित हुआ।

अंतरराज्यीय बाइक चोर गैंग पुलिस के हत्थे चढ़ी

जयपुर। हरमाड़ा थाना पुलिस ने वाहन चोरी और नकबजनी की वारदातों में शामिल दो शातिर अंतरराज्यीय बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिलें और सात गैस सिलेंडर बरामद किए हैं। दोनों आरोपी नशे और मौज-मस्ती के लिए वारदातों को अंजाम देते थे। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि हरमाड़ा थाना पुलिस ने वाहन चोरी और नकबजनी की वारदातों में शामिल दो शातिर अंतरराज्यीय वाहन चोर शहजाद खान (35) निवासी एटा (उत्तर प्रदेश) तथा महेश गौरी उर्फ मनीष (23) निवासी किशनगढ़ जिला अजमेर को गिरफ्तार किया हैं। दोनों आरोपी जयपुर में किराए पर रह रहे थे। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पहले कॉलोनियों और सुनसान इलाकों की रेकी करते थे। जहां सुरक्षा कम दिखाई देती, वहां खड़ी मोटरसाइकिलों को निशाना बनाते और चोरी के बाद अंदरूनी रास्तों से फरार हो जाते थे ताकि पुलिस की नजर से बच सकें। चोरी की गाड़ियों और गैस सिलेंडरों को वे औने-पौने दामों में बेच देते थे और उससे मिले पैसे नशे और मौज-मस्ती में खर्च कर देते थे। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की दो मोटरसाइकिलें और विभिन्न इलाकों से चुराए गए सात गैस सिलेंडर बरामद किए हैं। बरामद बाइक में परिवादी की चोरी हुई स्प्लेंडर प्लस भी शामिल है।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे स्मैक और अन्य नशे के आदी हैं।

एन.सी.आर. में 10 साल से कम पुराने डीजल वाहनों का लाइसेंस नवीनीकरण क्यों नहीं किया?

हाईकोर्ट ने प्रमुख परिवहन सचिव, आयुक्त व क्षेत्रीय अधिकारी से जवाब मांगा

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने एनसीआर में आने वाले अलवर जिले में 10 साल से कम पुराने डीजल और बीएस 4 वाहनों के परमिट और फिटनेस लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं करने पर प्रमुख परिवहन सचिव, परिवहन आयुक्त व स्थानीय क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी से जवाब मांगा है। वहीं प्रार्थी स्कूल के बस संचालकों को राहत देते हुए परिवहन विभाग के उस आदेश पर रोक लगा दी जिसमें इन बसों के चलाने पर पाबंदी लगाई थी। जस्टिस मनीष शर्मा ने यह निर्देश चिल्ड्रंस एकेडमी कॉन्वेंट स्कूल की याचिका पर दिया।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि संस्था के अधीन चलने वाले स्कूलों में बच्चों को लाने- ले जाने के लिए करीब छह साल पुरानी बीएस 4 बसें चलती हैं। क्षेत्रीय परिवहन ऑफिस ने इन बसों का 15 साल के लिए पंजीकरण किया, लेकिन बाद में प्रार्थी ने इनके परमिट नवीनीकरण के लिए आवेदन किया तो परिवहन विभाग ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग, 2021 की गाइड लाइन का हवाला दे नवीनीकरण से मना कर दिया। विभाग का कहना था कि एनजीटी के निर्णय के बाद आयोग के निर्देश के तहत एनसीआर व दिल्ली में केवल सीएनजी, ईवी और बीएस 5 व 6 गुणवत्ता के वाहन ही चलाने की मंजूरी है। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि आयोग के निर्देश अन्य राज्यों से दिल्ली में प्रवेश वाली इंटरसिटी व इंटर स्टेट सार्वजनिक बस सेवाओं पर ही लागू हैं। प्रार्थी की स्कूल बसें केवल अलवर जिले में ही विद्यार्थियों के आवागमन का काम करती हैं और दिल्ली या इंटरसिटी संचालन से इनका कोई संबंध नहीं है। आयोग के निर्देश संख्या 93 में स्पष्ट किया है कि स्कूल बसें इस दायरे में नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी बीएस 4 मानकों को पूरा करने वाले दस साल तक के डीजल वाहनों पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने के निर्देश दे रखे हैं। इसके अलावा ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट की बसों को छूट है, लेकिन प्रार्थी की स्कूल बसों को छूट नहीं दी है। इसलिए बसों के फिटनेस लाइसेंस का नवीनीकरण किया जाए।

■ **प्रार्थी स्कूल के बस संचालकों को राहत देते हुए परिवहन विभाग के उस आदेश पर रोक लगा दी जिसमें इन बसों के चलाने पर पाबंदी लगाई थी।**

Amnesty International Day: Standing Up For Human Rights

Observed on May 28, Amnesty International Day honours the global movement dedicated to protecting human rights and promoting justice. Founded in 1961, Amnesty International works across countries to campaign against injustice, defend freedom of expression, and support people facing discrimination or violence. The day recognises activists, volunteers, and supporters who raise awareness and demand accountability from governments and institutions. It serves as a reminder that every voice matters and collective action can bring meaningful change to create a more fair and compassionate world.

#TRASH

A Heap Of Ancient Jugs

Monte Testaccio: Rome's Mountain of Olive Oil Jugs

In the heart of Rome, surrounded by the city's iconic ruins and bustling modern life, there's a hill that doesn't quite fit the postcard-perfect image of ancient temples and grand amphitheaters. At first glance, Monte Testaccio looks like any other hill, a gentle slope rising over the neighborhood of Testaccio, dotted with greenery and seemingly natural. But dig a little deeper (literally and historically), and you'll discover that this mound is no ordinary hill. It's made entirely out of shattered pottery, specifically, about 53 million discarded olive oil amphorae, the clay jugs used by the Romans to transport their beloved liquid gold.

Yes, you read that correctly. Monte Testaccio is essentially an ancient trash heap, albeit one of the most fascinating and well-organized garbage dumps in human history. Measuring roughly 35 meters high and with a circumference of nearly a kilometer, it's a manmade monument to the logistical prowess, consumer habits, and sheer scale of the Roman Empire's olive oil obsession.

Why Olive Oil?

In ancient Rome, olive oil wasn't just a luxury, it was a staple of daily life. Romans used it for cooking, lighting lamps, religious rituals, bathing, and even skin care. It was imported in vast quantities from across the empire, especially from provinces like Hispania (modern-day Spain) and North Africa, where olive oil production flourished.

To transport this essential commodity, the Romans used amphorae: large, ceramic vessels with narrow necks and two handles, designed for stacking and shipping across the Mediterranean. However, these containers had one major downside, they weren't reusable for shipping, especially once the inside became contaminated with residual oil and couldn't be properly cleaned.

A Solution Only Rome Could Invent

Rather than trying to clean or recycle the amphorae, Roman administrators came up with a surprisingly organized solution: they created a designated dumping ground just outside the city walls. Over the course of about 250 years, from the 1st to the 3rd century CE, workers carefully broke the amphorae into pieces and stacked them in a specific pattern, layer upon layer. They even sprinkled lime over the shards to neutralize the smell of rancid oil and prevent bacteria buildup. In a way, Monte Testaccio wasn't just a garbage heap; it was an early example of controlled waste management.

Archaeological Goldmine

Today, Monte Testaccio is an archaeological treasure trove. Because the amphorae were often stamped with information such as origin, weight, and exporter, researchers have been able to reconstruct intricate details about Rome's trade networks, dietary habits, and economy. Each broken jug tells a story: of olive oil from Andalusia, of merchants shipping goods to feed a million-strong population, and of a global supply chain centuries before globalization became a buzzword.

From Trash to Treasure

In modern times, Monte Testaccio has taken on new life. Though access to the hill itself is restricted due to its archaeological importance, the surrounding neighborhood has embraced its unique history. The area is now known for its vibrant food scene, lively markets, and underground wine cellars, some of which are literally carved into the ancient mound of jars.

What was once a practical solution to an imperial logistics problem has become a symbol of Rome's layered, complex past. Monte Testaccio reminds us that even garbage, when viewed through the lens of time, can become a cultural monument. So, the next time you drizzle olive oil over your salad or dip your bread into a golden pool of it, raise a toast to the Romans. In their quest to conquer the world and flavor it with olive oil, they left behind a mountain that tells us more about their civilization than some of their grandest temples.

When we were growing up, "tacky" was a dirty word but now, it seems to be an integral part of "fun fashion." Can I very humbly state that the bad thing about bad taste is that most people have it unknowingly. Princess Diana, the universally acclaimed style icon of our times, is reported to have once said "a little bad taste is like a nice splash of paprika." True enough, in small doses, it can be oddly riveting but to don something that is mortifying below the benchmarks of what is generally considered as sophistication is an eyesore.

Bad Taste Is Going Places

Late Sadhana Garg
Journalist & social entrepreneur

Bad taste. What is bad taste? Who decides? What defines it? Who crosses it? Look no further. Take a walk through one of the many fashion pop ups or simply visit the many sale and exhibitions doing the rounds in the city. And you will know what bad taste is.

Or to turn the discussion on its head, when did bad taste become fashion?

Nowdays, Jaipur hosts more pop ups than one can keep count of. Rows of cubicles, 'stalls' sold at premium by a promoter who has little to do with fashion and least of all with quality workmanship, the sole aim is to gross over an amount bigger than what she might have dished out to the property owner on which the show is being held.

And what do these stalls exhibit; Endless mash up of garish, gaudy, loud ready to wear, mostly women's wear. You name it. It is all under one roof, dresses, suits, stoles, shawls and sarees, sometimes unstitched, but mostly with bad workmanship, perfect stuff for a brazenly bad wardrobe.

The Indo-western look is a whole new segment that fires women with aspirations to look more liberated and happening. The teen, preteen and even women well past their prime, with some loose change to spare seem to equate "western look" with empowerment and high status. No doubt, a business suit is more convenient in an office, especially if you are commuting in public transport.

My suspicion is that "convenience" has little do with it! Take a look at the malcontented and the pencil heeled and you realise that it's more of an eyeball game. It's the nouveau rich who are taking to the lycra jackets, leopard print plunging necklines, bubble gum pink and blood red short dresses, even the classic little black dress has become shorter, butterfly motifs, bejewelled accessories, embellished, multi-colored belts and beading, sequinced, gowns and suits and sometimes

#FASHION

sarees too. As a generously endowed selfie clicking woman with skin peeping from her side slited gown said to me, "People can beat me but not my gown." Really? Add to this the seamless opportunity that Internet provides the glam dolls to go viral. Garish over the top dressing not only gets more eyeballs but also more comments like "gawgeous" or "soooo very osum," whatever it is supposed to mean.

Take a walk through the full page advertisement in our print media and you begin to realise that bad taste not only is the fashion diktat of the day but it also creates more millionaires. So, even though, the exhibitors at the recently held "Riwaaz," a wedding and winter shopping fest, advertised by the organisers as a "premium fashion and lifestyle exhibition" complained that the "sales were slow" on the second day or that not enough had been done to draw crowds to the show. It's an oft repeated tale.

Most of the stalls had been put up with vendors who were sourcing stuff from different parts of the country rather than their original work, a familiar script.

The "winter" collection was two, three stalls with woollens sourced from Ludhiana. Sequinced and mukesh shawls too that were being quoted as "pashmina wool."

So, okay, kitschy is "in." But untidy, badly finished and unruly, when did all that become fashionable? So, even if you argue that "good taste" is a very middle class or an old fashion notion held by the uppty echelons of society, good workmanship and elegance can never be out of fashion. Is everything that attracts worthy of interest?

When we were growing up, "tacky" was a dirty word but now, it seems to be an integral part of "fun fashion." Can I very humbly state that the bad thing about bad taste is that most people have it unknowingly. Princess Diana, the universally acclaimed style icon of our times, is reported to have once said "a little bad taste is like a nice splash of paprika." True enough, in small doses it can be oddly riveting but to don something that is mortifying below the benchmarks of what is generally considered as sophistication is an eyesore.

Unfortunately, like everything else, our pret assembly line production of street fashion has been Bollywoodised beyond measure.

It's one thing to view it on screen and quite another to have Miss Twiggy or Mrs. Voluptous Vitals walk into one's drawing room looking like a Christmas tree out to do a skin show.

The hardcore marketers are promoting loud in the face punk, erasing boundaries of propriety or are they merely selling what is in demand? The proverbial chicken first or egg debate!

Whatever, one thing is certain, bad taste is not going anywhere anytime soon. Watch this space for more designer never before Shopping Bonanza in Jaipur.

rajeshsharma1049@gmail.com

#LESSONS

What is happiness?

Happiness is being grateful, finding comfort in what you have, seeing light despite cracks

A famous Turkish poet once asked his painter friend to capture happiness on canvas. The painter chose an unexpected scene: a family sleeping peacefully on a creaking bed. One leg of the bed was broken, supported by two bricks. The roof of their modest home leaked. Even the family dog slept calmly beside them. That painting became immortal because it revealed a powerful truth: happiness is not the absence of problems. It is the ability to rest your heart even when life is imperfect. It is acceptance, gratitude, and inner peace amid uncertainty.

Happiness is being grateful, finding comfort in what you have, seeing light despite cracks, and letting go of sorrow over things beyond your control.

Whenever your heart feels heavy, remember this painting.

Be content,

Be grateful,

Sleep peacefully and stay blessed forever.

#INDIAN YELLOW

The Luminous Pigment That Traveled the World

From Indian soil, this extraordinary pigment began its global journey, through the bustling ports of Calcutta

There was once a color so radiant that artists believed it captured sunlight itself, warm, transparent, and glowing with a life that refused to fade even after centuries. Known as Indian Yellow, this remarkable pigment journeyed from the villages of India to the grand studios of Europe, leaving its mark on some of the most celebrated masterpieces in art history.

One of its most poetic legacies can be seen in the golden moon of The Starry Night by Vincent van Gogh. That luminous celestial glow, soft yet intense, echoes the unique brilliance Indian Yellow was prized for. Artists across continents adored it for its magical quality, as if it were sunlight dissolved directly into paint.

Long before it captivated Europe, Indian Yellow flourished in India itself. By the 15th century, painters of the Mughal, Rajput, and Pahari traditions used the pigment extensively. It brought divine halos to life, enriched royal garments, illuminated flowers, and bathed landscapes in a golden warmth that felt almost spiritual. The color was not just decorative, it was symbolic, often representing divinity, vitality, and light.

From Indian soil, this extraordinary pigment began its global journey. Through the bustling ports of Calcutta, small compact balls of the pigment were shipped overseas. European merchants and artists eagerly awaited these mysterious imports. Inside each lump was a glowing yellow core, which, after careful washing and purification, was transformed into a usable pigment. It soon found its way into the palettes of masters like J. M. W. Turner, Johannes Vermeer, and again, Vincent van Gogh. Yet, despite its popularity, Indian Yellow carried an air of mystery. Artists received it in sealed lumps with a peculiar smell, and no one quite knew its true origin. Speculation ran wild, some believed it came from plant sap, others imagined more exotic sources like camel or even snake urine. The truth, however, was far more unusual and unsettling. In 1883, an Indian expert named T. N. Mukharji set out to uncover the origins of this enigmatic pigment. His investigation led him to villages near Mirzapur, where he discovered the surprising process behind its creation. Local cowherds fed their cows an unusual diet consisting primarily of mango leaves and water. This diet produced bright yellow urine, which was then collected, heated, filtered, and dried into small pigment balls known as piuri. These were the very lumps exported across the world.

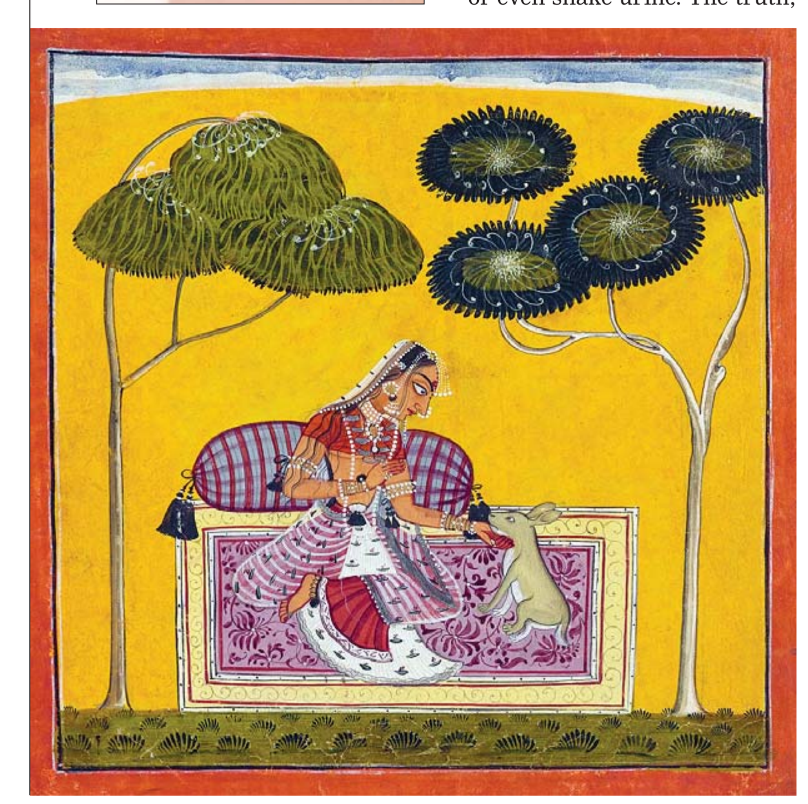

But this brilliance came at a cost. The restricted diet left the cows malnourished and weak. As awareness grew about the cruelty involved, production of Indian Yellow declined and eventually ceased in the early 20th century.

Modern scientific analysis has since confirmed Mukharji's findings. Tests on historic samples revealed the presence of hippuric acid and compounds derived from mango leaves, clear evidence of the pigment's unusual biological origin.

Today, Indian Yellow no longer exists in its original form, but its legacy endures. It remains a symbol of artistic brilliance and cultural exchange, a color that once carried the warmth of the Indian sun across oceans, illuminating canvases and captivating imaginations around the world.

THE WALL

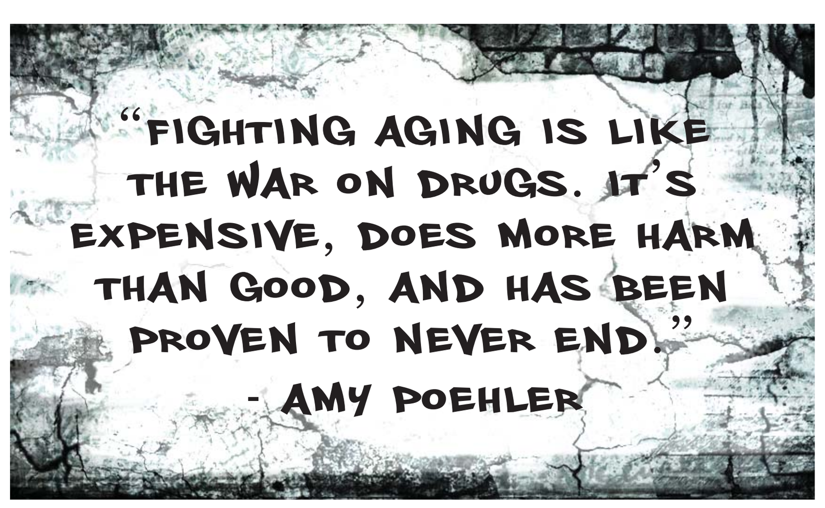

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

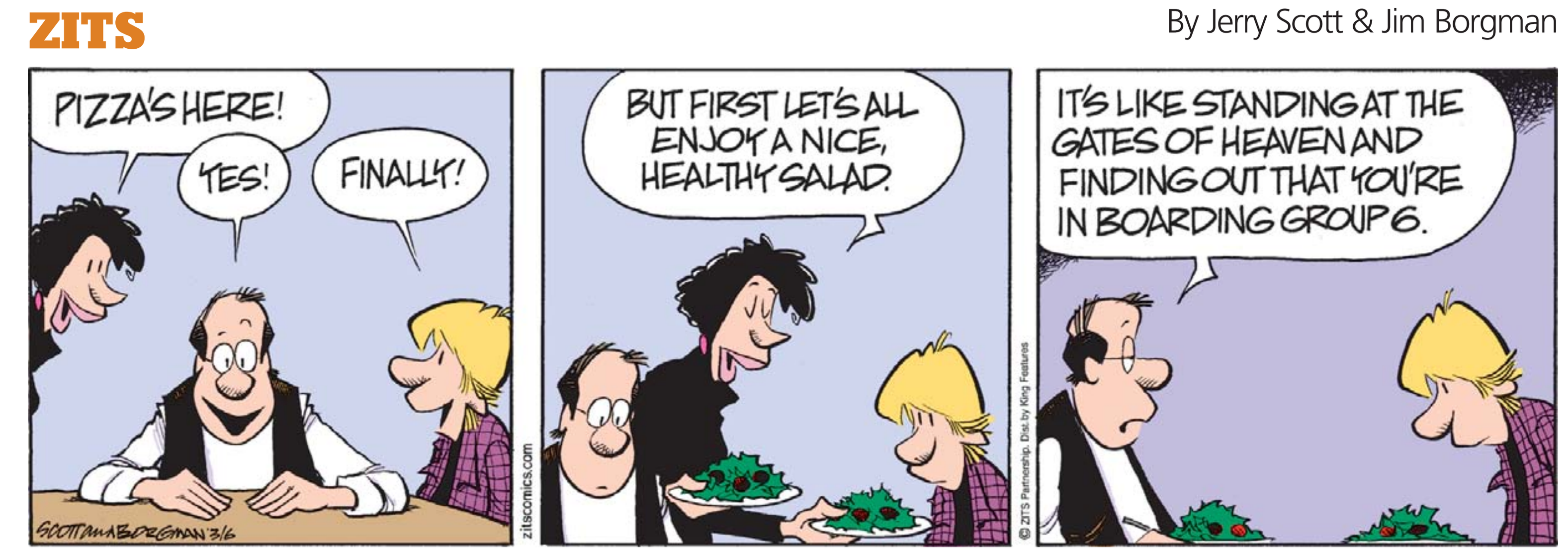

जैसलमेर : सैकड़ों मृत गौवंश के मामले में आयुक्त पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप

जैसलमेर में नगर परिषद के कचरा डंपिंग यार्ड में सैकड़ों मृत गौवंश मिलने के मामने ने तूल पकड़ा

- **करणी सेवा संस्थान से जुड़े हाकमदान का कहना है कि सोशल मीडिया पर वीडियो डालने से पहले कई बार नगर परिषद आयुक्त लजपालसिंह सोढा को शिकायत दी गई थी**
- **'मामले में प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की, मजबूर होकर उन्हें पूरा मामला सार्वजनिक करना पड़ा'**
- **मामले में साधु-संतों ने भी नाराजगी जताई है, मुस्लिम समाज ने ईद के मौके पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजने तथा हस्ताक्षर अभियान चलाने की घोषणा की**

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर में नगर परिषद के कचरा डंपिंग यार्ड में सैकड़ों मृत गौवंश मिलने का मामला अब राष्ट्रीय स्तर पर तूल पकड़ चुका है। इस मामले को उजागर करने वाले करणी सेवा संस्थान से जुड़े हाकमदान का कहना है कि सोशल मीडिया पर वीडियो डालने से पहले कई बार नगर परिषद आयुक्त लजपालसिंह सोढा को शिकायत दी गई थी, लेकिन प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की। मजबूर होकर उन्हें पूरा मामला सार्वजनिक करना पड़ा।

डंपिंग यार्ड में मृत गायों के खुले में पड़े रहने, सड़ांध फैलने और कुत्तों द्वारा शवों को नोचे जाने के वीडियो सामने आने के बाद पूरे प्रदेश में आक्रोश फैल गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि गौ संरक्षण के दावों की पोल खोलने वाला मामला है। करणी सेवा संस्थान के हाकमदान ने कहा कि हमने कई बार नगर परिषद आयुक्त लजपालसिंह को मौखिक और लिखित शिकायत दी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जब स्थिति असहनीय हो गई तब वीडियो सोशल मीडिया पर डालना पड़ा। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई होती तो मामला इतना भयावह नहीं बनता।

मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। विपक्ष ने राज्य सरकार को घेरते हुए जवाबदेही तय करने की मांग की है। साधु-संतों ने भी नाराजगी जताई है, जबकि मुस्लिम समाज ने ईद के मौके पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजने तथा हस्ताक्षर अभियान चलाने की घोषणा की है। घटना सिर्फ एक डंपिंग यार्ड की नहीं, बल्कि पशु संरक्षण, नगर निकायों की जवाबदेही और प्रशासनिक संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि शिकायतों पर समय रहते कार्रवाई होती तो यह मामला राष्ट्रीय शर्म का विषय नहीं बनता।

लालू सिंह सोढा, बजरंग दल नेता ने बताया कि गौवंश के शवों का खुले में पड़ा होना बेहद चिंताजनक है। इससे गंभीर बीमारियां फैल सकती हैं। जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। गिरधरसिंह सोढा ने बताया कि गुनाहगार खुद नगर परिषद जैसलमेर आयुक्त महोदय है कितना बड़ा कमीशन लेता है आप सोच भी नहीं सकते हैं और बलि का बकरा ठेकेदार को बनाया गया क्यों फिर नगर परिषद जैसलमेर के अधिकारी लोगों का कोई रोल नहीं है, फिर कमीशन खाते हैं तो अधिकारी लोगों को भी भुगतना चाहिए।

शहर के वरिष्ठ नागरिक चम्पालाल ने बताया कि आयुक्त लजपालसिंह भूखंड को घरेलू से व्यवसायिक करवाने के दलाल के जरिए 20 लाख रुपए लेकर फाइल स्वीकृत कर रहे हैं। भूखंड के पास स्टेप लेंड स्वीकृत हेतू 7 लाख ले रहे हैं। जनता भ्रष्ट आयुक्त से दुखी है, राज्य सरकार मौन है, उसी का नतीजा है गौधन कांड। भाजपा दिल्ली सरकार को आयुक्त लजपालसिंह के कार्यकाल के फैसलों की जांच केंद्रीय एजेंसी से करवाकर दूध का दूध पानी का पानी करवाना चाहिए अन्यथा भाजपा की साख को नुकसान पहुंचेगा।

नगर परिषद आयुक्त लजपालसिंह सोढा ने बताया कि वीडियो वायरल होने के बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए मृत पशुओं के निस्तारण का ठेका संभाल रहे ठेकेदार गोपाराम मेघवाल को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया था। कारण बताओ नोटिस जारी कर ठेका निरस्त कर दिया और धरोहर राशि भी जब्त की गई। इसके बाद जेसीबी मशीनों से गड्ढे खुदवाकर मृत पशुओं को दफनाने का काम शुरू किया गया। जांच में कई शव एक से डेढ़ महीने पुराने पाए गए।

'भारत-पाक बॉर्डर के 15 किमी. दायरे में अवैध निर्माण जमींदोज होंगे'

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बीकानेर में सुरक्षा बैठक लेकर निर्देश दिए

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ बीकानेर में कलेक्टर्स और पुलिस अधीक्षकों की सुरक्षा बैठक ली।

- **अतिम शाह ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा से घुसपैठ, नारकोटिक्स, अतिक्रमण, आतंकी वित्तपोषण और सीमा-पार अपराधों पर शिकंजा कसने की हिदायत दी**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर/बीकानेर । केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार देर रात मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ बीकानेर में कलेक्टर्स और पुलिस अधीक्षकों की सुरक्षा बैठक ली। उन्होंने निर्देश दिए कि भारत-पाकिस्तान सीमा बॉर्डर पर बॉर्डर सिक्यूरिटी फोर्स को और मजबूत करें। अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे प्रत्येक जिले में 15 कि.मी. के दायरे में सभी अवैध निर्माण जमींदोज किए जाएं।

अमित शाह ने प्रदेश में घुसपैठ, नारकोटिक्स तस्करी, अतिक्रमण, आतंकवादी फंडिंग और अन्य सीमा-पार अपराधों पर शिकंजा कसने के लिए कहा। उन्होंने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी), नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और राज्य सरकार को इसके लिए समन्वित सीमा प्रबंधन रणनीति अपनाने के लिए कहा। बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ, राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी तथा बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर व फलौदी के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट व पुलिस अधीक्षक मौजूद रहे।

बैठक में प्रत्येक सीमावर्ती जिले के लिए 360 डिग्री सुरक्षा फ्रेमवर्क तैयार करने का निर्णय हुआ। अमित शाह ने जिला मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया कि वे सभी बैंकों में पूर्ण कानूनी एवं वित्तीय अनुपालन सुनिश्चित करें, प्रमुख व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का सत्यापन करें, उनके फंडिंग स्रोतों की जांच करें, म्यूल खातों एवं शेल कंपनियों को ट्रैक करें, फर्जी आधार कार्डों की पहचान करें तथा तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करें। सीमावर्ती गांवों में सभी सरकारी योजनाओं का 100 प्रतिशत सैचुरेशन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

हाईकोर्ट ने आसाराम की आजीवन कारावास की सजा बरकरार रखी

आसाराम को तत्काल सरेंडर करने के आदेश दिए

- **राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर पीठ ने सेवादार शरतचंद्र और शिल्पी को पूरी तरह से आरोप मुक्त किया**

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर पीठ ने अपने ही आश्रम की नाबालिग छात्रा से यौन उत्पीडन मामले में आसाराम को राहत देने से इनकार करते हुए उसकी आजीवन कारावास की सजा बरकरार रखी है। बुधवार को जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की डिवीजन बेंच ने यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने आसाराम समेत तीन आरोपियों की अपीलों पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि निचली अदालत द्वारा दी गई सजा में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। हालांकि अदालत ने उन्हें गैंगरेप की धारा से बरी कर दिया, लेकिन अन्य गंभीर आरोपों में दोषसिद्धि कायम रखी गई है। साथ ही कोर्ट ने आसाराम बापू को तत्काल सरेंडर करने के आदेश दिए हैं।

आसाराम की यौन शोषण मामले में प्राकृतिक जीवन तक आजीवन कारावास की सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में दायर अपील पर बुधवार को फैसला आया। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने अपने फैसले में आसाराम को पूरी तरह से आरोप मुक्त नहीं किया है। उनकी सजा खत्म करने की अपील खारिज हुई है, लेकिन पॉक्सो एक्ट की गैर जमानती अपराध, आईपीसी की गैंगरेप और षड्यंत्र कर अपराध करने से जुड़ी धाराओं में दोषी नहीं माना है। खंडपीठ ने भारतीय दंड संहिता की दुष्कर्म, पॉक्सो की यौन शोषण और जेजे एक्ट सहित अन्य धाराओं को लेकर लोअर कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले को सही ठहराया है, यानी सजा बरकरार रहेगी। खंडपीठ ने आसाराम बापू के सेवादार शरतचंद्र और शिल्पी को पूरी तरह से आरोप मुक्त कर दिया है।

इस मामले में पीड़िता के अधिवक्ता पीसी सोलंकी ने बताया कि कोर्ट ने सजा पर रोक नहीं लगाई है। आजीवन कारावास की सजा बरकरार है, राहत जरूर दी है। सोलंकी ने बताया कि बरी किए गए आरोपियों के आदेश के खिलाफ पीड़िता से बात कर हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। इस फैसले के बाद आसाराम को अब जेल में सरेंडर करना होगा।

आसाराम फिलहाल मेडिकल ग्राउंड पर मिली अंतरिम जमानत के तहत जेल से बाहर हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हाईकोर्ट ने उन्हें स्वास्थ्य कारणों से राहत दी थी, जिसकी अवधि कई बार बढ़ाई जा चुकी थी, लेकिन हाईकोर्ट के ताजा फैसले के बाद अब उन्हें दोबारा सरेंडर करना होगा।

लूणकरणसर में दिन का तापमान 45 डिग्री पहुंचा

बाजारों में पसरा सन्नाटा, डॉक्टर्स ने धूप से बचने की सलाह दी

लूणकरणसर, (निसं)। प्रदेश में भीषण गर्मी और हीट वेव ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। बुधवार को लूणकरणसर का न्यूनतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा और अस्पतालों में डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई।

तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मंगलवार को जहां 44 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया था, वहीं बुधवार को इसमें एक डिग्री की और वृद्धि हुई। बुधवार को हवा की रफ्तार करीब 24 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई, लेकिन गर्म हवाओं के थपेड़ों ने लोगों को राहत देने के बजाय और अधिक परेशान किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि दोपहर के समय सड़कों पर मिनी कर्फ्यू जैसा सन्नाटा दिखाई दिया। शहर के प्रमुख बाजारों और व्यस्त इलाकों में भीषण गर्मी का असर साफ तौर पर देखा गया। आम दिनों में लोगों और वाहनों से गुलजार रहने वाला हनुमान मंदिर रोड लगभग खाली नजर आया। रोझा चौराहा, चाटा बाजार, अनाज मंडी रोड, इंदिरा मार्केट और कालू रोड समेत अन्य बाजारों में भी भीड़ बेहद कम रही। तेज धूप और लू से बचने के लिए लोग पूरी तरह सतर्क दिखाई दिए। कई लोग चेहरे पर साफा बांधकर निकले, तो कुछ ने मास्क और सूती कपड़ों का सहारा लिया। दोपहिया वाहनों पर यात्रा करते समय लोग खुद को पूरी तरह कपड़ों से ढककर सफर करते दिखे। डॉक्टर्स ने लोगों को धूप में कम निकलने, अधिक पानी पीने और शरीर को हाइड्रेट रखने की सलाह दी है।

अजमेर में भीषण गर्मी में आग से ट्रांसफार्मर की केबल जली

- **मदार नाड़ी क्षेत्र में सूखी झाड़ियों में अचानक आग लग गई थी**

अजमेर, (निसं)। शहर में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी के बीच बुधवार को वार्ड संख्या 54 स्थित मदार नाड़ी क्षेत्र में सूखी झाड़ियों में अचानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय निवर्तमान पार्षद सुनील धानका मौके पर पहुंचे और संबंधित विभागों को सूचित कर आग पर समय रहते काबू पाया गया। घटना में एक ट्रांसफार्मर की केबल तथा पानी की टंकी की समरसेबल लाइन जलने की जानकारी सामने आई है, हालांकि बड़ा नुकसान होने से बच गया।

सुनील धानका ने बताया कि क्षेत्र निवासी विशाल ने उन्हें फोन कर मदार नाड़ी क्षेत्र की सूखी झाड़ियों में आग लगने की सूचना दी। सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे, जहां क्षेत्रवासी अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास कर रहे थे। आग तेजी से फैल रही थी और पास में विद्युत ट्रांसफार्मर होने के कारण खतरा बढ़ गया था। उन्होंने तुरंत अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की मदार टीम तथा नगर निगम अग्निशमन विभाग को सूचना दी। सूचना के बाद दोनों विभागों की टीम मौके पर पहुंची और संयुक्त प्रयास से आग पर काबू पाया गया। आग की चपेट में आने से ट्रांसफार्मर की एक केबल जल गई, वहीं पास स्थित पानी की टंकी की समरसेबल लाइन को भी नुकसान पहुंचा। धानका ने बताया कि इन दिनों क्षेत्र में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है और सूखी झाड़ियों में अत्यधिक तापमान के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है। उन्होंने कहा कि समय रहते आग पर नियंत्रण पा लेने से बड़ा हादसा टल गया, अन्यथा आसपास के क्षेत्र में अधिक नुकसान हो सकता था।

अलवर के रैणी में अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई

- **6 जेसीबी, 5 पोकलेन और 25 ट्रैक्टर जब्त खनन विभाग और राजस्व विभाग की टीमों को भी मौके पर बुलाया**

अलवर, (निसं)। अलवर जिले में अवैध खनन माफियाओं के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। रैणी थाना इलाके में पुलिस की स्पेशल टीम ने करवाई करते हुए बजरी के अवैध खनन में लगी 6 जेसीबी, 5 पोकलेन मशीनें और 25 ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया।

बुधवार को पुलिस ने रैणी थाना इलाके में माफियाओं के ठिकानों पर अचानक दबिश दी। पुलिस की इस ताबड़तोड़ और अचानक हुई कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया और कई लोग अपनी गाड़ियां छोड़कर मौके से भाग खड़े हुए। एसपी सुधीर चौधरी ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि इस पूरी कार्रवाई को अंजाम देने के लिए एक स्पेशल टीम का गठन किया गया था। इस टीम का नेतृत्व ट्रेनी आईपीएस कार्तिकेय वर्मा कर रहे थे। आईपीएस कार्तिकेय वर्मा के सुपरविजन में रैणी थानाधिकारी और उनकी पुलिस टीम ने पूरी योजना के साथ रैणी थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों और बजरी की अवैध खानों पर एक साथ छापेमारी की। पुलिस टीम को देखकर मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। पुलिस ने इस छापेमारी के दौरान अवैध बजरी खनन और ढोने में इस्तेमाल हो रही भारी मात्रा में मशीनों को अपने कब्जे में ले लिया। मौके से जेसीबी मशीनें, बड़ी पोकलेन मशीनें और कई ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया गया। जब्त की गई इन सभी गाड़ियों और मशीनों को पुलिस थाने लाया गया है, जहां इनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इतनी बड़ी संख्या में एक साथ गाड़ियों की जब्ती अलवर पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक मानी जा रही है। कार्रवाई को पूरी तरह पुख्ता बनाने और मौके की सही पैमाइश के लिए पुलिस ने तुरंत ही खनन विभाग और राजस्व विभाग की टीमों को भी मौके पर बुला लिया। तीनों विभागों की टीमों ने मिलकर अवैध खनन क्षेत्र की जांच शुरू कर दी है।

बीकानेर : मूंगफली की प्रोसेसिंग यूनिटों पर कृषि विभाग की रेड

कई फर्मों में भारी अनियमितताएं मिलीं, टीमों ने मूंगफली बीज के नमूने लेकर विक्रय पर रोक लगाई

- **लंबे समय से शिकायत मिल रही थी कि बीकानेर की मूंगफली प्रोसेसिंग यूनिटें बिना वैध बीज लाइसेंस के ही मूंगफली दाने को बीज बताकर किसानों को बेच रही हैं**

बीकानेर, (निसं)। कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के निर्देश पर विभाग की 10 संयुक्त टीमों ने जिले की 10 मूंगफली फर्मों पर औचक छापेमारी की। लंबे समय से शिकायत मिल रही थी कि बीकानेर की मूंगफली प्रोसेसिंग यूनिटें बिना वैध बीज लाइसेंस के ही मूंगफली दाने को बीज बताकर किसानों को बेच रही हैं। कार्रवाई के दौरान कई फर्मों में भारी अनियमितताएं मिलीं, जिसके बाद टीमों ने मूंगफली बीज के नमूने (सैंपल) आहरित कर उनके विक्रय पर तुरंत रोक लगा दी है।

संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) मदनलाल ने बताया कि नेशनल सीड्स, सुप्रीम, चारभुजा एग्रो इंडस्ट्रीज, जिंदल एग्रो इंडस्ट्रीज, बीकानेर फूड्स, जेडी इंडस्ट्रीज, आदर्श सीड्स, तिरुपति उद्योग, चारभुजा एग्रो शोभासर और वैभव लक्ष्मी फर्मों पर जांच कर 'सीड्स कंट्रोल ऑर्डर' व बीज एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। टीम में उपनिदेशक जयदीप दोगने, सहायक निदेशक सुरेंद्र मारू, मुकेश गहलोत सहित सुभाष बिश्नोई, राजूराम डोगीवाल, रघुवर दयाल, मीनाक्षी शर्मा, रमेश भाम्भू, कविता गुप्ता, गिरिराज चारण, सोमेश तंवर, संगीता मेहता, महेंद्र विश्नोई, मेघराज बंजारा, मामराज मेघवाल, कन्हैयालाल शामिल रहे।

मंदिर जा रही महिला की बेरहमी से पीटकर हत्या

- **युवक ने महिला को रास्ते से अपने घर ले जाकर वारदात को अंजाम दिया**
- **पुलिस ने आरोपी राजेश कुमार व उसकी मां को हिरासत में लिया**

खेतड़ी, (निसं)। पचेरीकलां थाना क्षेत्र के रामसर में बुधवार को एक महिला की बेरहमी से पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक महिला अपने घर से मंदिर जा रही थी कि गांव के एक युवक ने रास्ते से अपने घर ले जाकर वारदात को अंजाम दिया है। घटना की सूचना पर पचेरीकलां पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का मौका मुआयना कर आवश्यक जानकारी जुटाई।

जानकारी के अनुसार रामसर निवासी कमला देवी (60) पत्नी ख्यालीराम बुधवार को करीब दस बजे अपने घर से मंदिर जा रही थी। इस दौरान गांव का ही राजेश पुत्र महासिंह रास्ते से जा रही कमला देवी को जबरन पकड़ कर अपने घर ले गया। इस दौरान उसके साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे महिला ने दम तोड़ दिया। मृतका के परिजनों ने बताया कि कमला देवी के सिर में धारदार हथियार से वार कर उसकी हत्या की गई है। आरोपी राजेश का मकान मंदिर के पास ही है, जबकि कमला देवी का मकान घटनास्थल से करीब डेढ़ सौ मीटर की दूरी पर है।

इस मामले में ग्रामीणों ने बताया कि राजेश कुमार सनकी है जिसने वारदात को अंजाम दिया है। वारदात को अंजाम देने के बाद भी आरोपी अपने घर पर ही रहा जो पुलिस आने के समय मौके पर मौजूद था। जिसके बाद पुलिस ने राजेश कुमार व उसकी मां नीता देवी को हिरासत में ले लिया। मृतक महिला कमला देवी का पति ख्यालीराम गांव में ही टैक्टर चलाकर मजदूरी करता है। इनके एक बेटा जितेंद्र दिव्यांग है तथा दूसरा बेटा सत्येंद्र है। घटना के समय मृतका का छोटा बेटा सत्येंद्र किसी काम से पचेरीकलां गया हुआ था। घटना की सूचना पर बुहाना डीएसपी नोपाराम भाकर, थानाधिकारी बनवारीलाल यादव भी मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का मौका मुआयना कर आवश्यक जानकारी जुटाई। डीएसपी नोपाराम भाकर ने बताया कि पुलिस ने आरोपी राजेश कुमार व उसकी मां नीता देवी को हिरासत में लेकर पुछताछ की जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बुहाना के राजकीय अस्पताल में भिजवाया है, मामले की गहनता से जांच की जा रही है। एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया है।

भरतपुर में 142 मॉडिफाइड साइलेंसरों को बुलडोजर से तोड़ा

- **कार्रवाई के दौरान यातायात पुलिस ने लोगों से मॉडिफाइड साइलेंसर का इस्तेमाल नहीं करने की अपील की**

भरतपुर, (निसं)। शहर में तेज आवाज और पटाखे जैसी ध्वनि निकालने वाले मॉडिफाइड साइलेंसर लगाने वालों के खिलाफ यातायात पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जब्त किए गए 142 साइलेंसरों को बुलडोजर से नष्ट कर दिया। कार्रवाई के दौरान यातायात पुलिस ने लोगों से ऐसे मॉडिफाइड साइलेंसर का इस्तेमाल नहीं करने की अपील भी की।

यातायात पुलिस ने जब्त किए साइलेंसरों को बुलडोजर से नष्ट कराया।

ट्रैफिक इंचार्ज अजयसिंह ने बताया कि बुलेट बाइक में पटाखे जैसी आवाज करने वाले मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया था। अभियान के दौरान ऐसे असामाजिक तत्वों पर लगातार कार्रवाई की गई, जो अपनी मोटरसाइकिलों में अवैध और मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर आमजन को परेशानी पहुंचा रहे थे। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत जब्त किए गए सभी साइलेंसरों को बुधवार को बुलडोजर के जरिए नष्ट किया गया। इस कार्रवाई में कुल 142 साइलेंसरों का नष्टीकरण किया गया। अजय सिंह ने कहा कि यातायात पुलिस द्वारा इस तरह की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। साथ ही आमजन से अपील की गई है कि वे वाहनों में पटाखा साइलेंसर या अन्य अवैध मॉडिफिकेशन न कराएं, ताकि लोगों को असुविधा और ध्वनि प्रदूषण से बचाया जा सके।

वांछित आरोपी गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी थाना पुलिस ने राजकार्य में बाधा डालने तथा सरकारी वाहन को टक्कर मारने के मामले में फरार चल रहे वांछित आरोपी ईन्द्राज पुत्र श्रीराम को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार 9 सितंबर 2024 को सूचना मिली थी कि थाना उदयपुरवाटी क्षेत्र के ककराणा इलाके से एक युवक का अपहरण कर काले रंग की स्कॉर्पियो में कुछ लोग खेतड़ी की ओर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने अजीत अस्पताल के सामने नाकाबंदी शुरू की। इसी दौरान काले रंग की स्कॉर्पियो तेज गति से मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने वाहन को रुकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने वाहन नहीं रोका। नाकाबंदी तोड़ने के प्रयास में स्कॉर्पियो चालक ने डायल-112 वाहन को सामने से टक्कर मार दी।

आग से पांच ट्रॉली चारा जला

टोंक, (निसं)। सोप कस्बे की बैरवा ढाणी वार्ड नंबर 11 में बुधवार सुबह एक बाड़े में अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आने से पशुओं के लिए रखा करीब पांच ट्रॉली सूखा चारा जलकर राख हो गया। साथ ही पास के बाड़े में रखी लकड़ियां और कंडे भी जल गए, इसके अलावा करीब आधा दर्जन पेड़-पौधे आग में जल गए। इससे पीड़ित मांगीलाल करसोलया पुत्र प्रभु करसोलया को करीब 40-45 हजार रुपए का नुकसान हुआ है। पीड़ित मांगी लाल ने बताया कि शहीद बाबा के मकान के पीछे बने उसके बाड़े में बुधवार को अज्ञात कारणों से अचानक आग लग गई।

सिद्धमुख थाने के पुलिसकर्मियों पर महिला से बदतमीजी का आरोप

तारानगर, (निसं)।चूरू जिले के सिद्धमुख थाना अंतर्गत गांव दयावठ में पुलिसकर्मियों द्वारा घर में घुसकर महिला से बदतमीजी और अनुचित व्यवहार का मामला सामने आया है। तारानगर विधायक नरेंद्र बुड़ानिया ने इस घटना को लेकर राजस्थान पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

विधायक बुड़ानिया द्वारा डीजीपी को दिए पत्र के अनुसार सिद्धमुख थाने के कुछ पुलिसकर्मी प्राइवेट बैंक के कार्मिकों के साथ गांव दयावठ निवासी किसान बलवान के घर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने घर की मुखिया महिला के साथ बदतमीजी व अनुचित व्यवहार किया एवं पुरुष पुलिसकर्मियों ने महिला को जबरन घसीटकर पुलिस वाहन में डालने का अमानवीय कृत्य किया, जो विधि के पूर्णतः विरुद्ध है। प्राइवेट बैंक के कार्मिकों ने पुलिस की आड़ लेकर किसान के पशुओं एवं छोटे-छोटे बच्छड़ों को 47 डिग्री सेल्सियस तापमान में घर से बाहर निकाल दिया, जिससे पशुओं के जीवन पर संकट उत्पन्न हो गया। विधायक नरेंद्र बुड़ानिया ने पत्र में लिखा है कि इस अत्यंत निंदनीय घटना से पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश एवं असंतोष व्याप्त है। आमजन में पुलिस की कार्यप्रणाली के प्रति अविश्वास की भावना उत्पन्न हो रही है। विधायक बुड़ानिया ने दोषी पुलिसकर्मियों तथा इसमें शामिल प्राइवेट बैंक के कार्मिकों के विरुद्ध तत्काल सख्त कानूनी कार्रवाई करने, पीड़ित परिवार को न्याय एवं सुरक्षा प्रदान की करने की मांग की है जिससे आमजन में पुलिस के प्रति सद्भाव एवं विश्वास बना रहे। विधायक ने डीजीपी से त्वरित एवं निष्पक्ष कार्यवाही कर न्याय दिलाने की अपील की है।

बजरी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

निवाई। पुलिस ने अवैध बजरी परिवहन के खिलाफ की कार्यवाही करते हुए अवैध बजरी से भरे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली व एक ट्रॉली को किया जब्त किया है। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि अवैध खनन रोकथाम अभियान के तहत अवैध बजरी से भरा हुआ एक ट्रैक्टर ट्रॉली एवं जब्त किया है।

प्रपत्र-7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर राजस्थान
सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 627/2026

चूंकि श्री दिनेश कुमार शर्मा निवासी वैश्यों का मौहल्ला आजाद चौक, नरेना जयपुर राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत श्री मुरली मनोहर मंदिर ट्रस्ट, वैधों का मौहल्ला, आजाद चौक नरेना जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारां प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 21/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारीख पेशी 27/07/2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

निवाई के गांवों में नहर की मांग को लेकर जल यात्रा निकाली

टोंक/निवाई। निवाई उपखण्ड के ग्राम पहाड़ी व अन्य गांवों में किसान महापंचायत व ग्रामीणों ने नहर की मांग को लेकर जल यात्रा के माध्यम से आन्दोलन का आगाज करते हुए कलश यात्रा निकाली गई। इस कलश यात्रा ने वर्तमान में चल रहे नौतपा की भीषण

- **नौतपा की भीषण गर्मी को मात देते हुए किसानों ने 2 घंटे गांव के परिक्रमा लगाई**

गर्मी को मात देते हुए किसानों ने 2 घंटे गांव के परिक्रमा लगाई। यह कलश यात्रा ग्राम पहाड़ी में स्थित तेजा मंदिर से आरंभ होकर पहाड़ी पर स्थित माता जी के मंदिर तक पहुंच कर सभा में परिवर्तन परिवर्तित हुई।

सिर पर कलश लेकर चलने वाली महिलाएं नाचते के गाते चल रही थी। यात्रा जिस भी मार्ग से निकली, वही घर-घर से ठंडा पानी लेकर घरों से बाहर पुरुष महिलाएं खड़ी थी। पानी के कारण लूं प्रभावहीन रही। इस दौरान किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने खेत को पानी-फसल को दाम- युवाओं को काम को देश की समृद्धि का मूल मंत्र बताया।

किसान की समृद्धि से ही देश की समृद्धि संभव है। इसलिए देश की समृद्धि का रास्ता खेत और खलिहान की पगडंडी पर होकर जाने की युक्ति प्रचलन में आई। उन्होंने बताया कि निवाई तहसील से ही बीसलपुर का पानी ब्यावर जिले तक पहुंचा है तथा ईसरदा का पानी भी जयपुर तक पहुंचेगा तथा इस तहसील के गांव पानी को तरसते रहेंगे, जो सरकारों द्वारा तैयार की गई जल नीतियों का दुष्परिणाम है। जिसमें पानी के किनारे एवं पड़ोसी क्षेत्र पानी से वंचित है।

पानी तो भरपूर है- क्यों खेतों से दूर है, जल बीच मीन प्यासी है। यात्रा के अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रोतास बोहरा, किसान महापंचायत के राष्ट्रीय महासचिव, अध्यक्ष रेल लाओ संघर्ष समिति अकबर खान, प्रदेश मंत्री बत्ती लाल बैरवा, खैरथल तिजारा वीरेंद्र, शेर सिंह दहिया, सरजीत सिंह एवं अन्य किसान प्रतिनिधि कार्यकर्ता व हजारो ग्रामीण मौजूद रहे।

निवाई उपखण्ड के ग्राम पहाड़ी व अन्य गांवों में ग्रामीणों ने नहर की मांग को लेकर जल यात्रा के माध्यम से आन्दोलन का आगाज किया।

आंदोलन में शामिल होने के लिए निवाई से भक्तजन रवाना

निवाई। भैराणा धाम दादू पालका में साधु संतों द्वारा भैराणा धाम को बचाने एवं सरकार द्वारा प्रस्तावित रीको को हटाने के लिए आंदोलनरत साधु संतों के आव्हान पर श्रीदादू दयाल आश्रम निवाई से थामायत राजेश दास के नेतृत्व में सैंकड़ों गाड़ियों के काफिले के साथ सैकड़ों भक्तजन भगवान दादू दयाल के लिए जयकारे लगाते हुए रवाना हुए।

इस अवसर पर महंत बुद्ध गिरी महाराज द्वारा हरी झंडी दिखाकर गाड़ियों को रवाना किया। जालंधर नाथ सेवा समिति के महंत आस पांव बुद्धि, डॉ. रामफूल कसाना, वनस्थली सरपंच भवानी सिंह, सीन्दरा सरपंच देवा गुर्जर, रजवास सरपंच कानाराम जाट, जयनारायण कसाना, युवा नेता हरपाल कसाना, समाजसेवी सुरेश डोई, जितेंद्र राठौड़, पीपलू युवा कांठोस के नेता नेहनूलाल जाट, यादव महासभा के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अजय यादव, भैंरूलाल स्वामी व विनोद शर्मा जुझारपुरा सहित सैकड़ों श्रद्धालु दादूराम सतराम के जयकारे के साथ रवाना हुए।

भक्तों ने बताया कि पिछले एक माह से भैराणा धाम को बचाने के लिए संत आंदोलन कर रहे हैं। आंदोलन में शामिल होने के लिए भक्तों का यह रैला रवाना हुआ है।

श्वान काटने के मामले बढ़े

मनोहरपुर। मनोहरपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में बंदरों और आवारा श्वानों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। आए दिन लोगों को काटकर घायल करने की घटनाएं सामने आ रही हैं।

सीएचसी में प्रतिदिन 5 से 7 मरीज उपचार के लिए आते है। पहुंच रहे हैं। सीएचसी की नर्सिंग ऑफिसर चंद्रकला जाट एवं पार्वती कोली ने बताया कि 22 से 25 मई तक बंदर व श्वान के काटने के कई मामले सामने आए हैं। 22 मई को महेंद्र कुमार (30) मनोहरपुर, बजरंग (25), हसन खान (8) मनोहरपुर तथा बलराम (45) नवलपुरा घायल हुए। 23 मई को पुष्पा (25) मनोहरपुर, विजेंद्र (25) खोरा, मोहम्मद (11) मनोहरपुर, दिव्यांशु (4) मामटोरी कला और पुलकित चौहान (12) खोरा को बंदर एवं श्वानों ने काट लिया।

आम-सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मै. एमसन पॉवर सिस्टम्स प्लॉट नंबर एच-1/496 (A) रीको औद्योगिक क्षेत्र, भिवाडी तहसील टपूकडा जिला खैरथल-तिजारा, राजस्थान एक पार्टनरशिप फर्म है। जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर 02/145/2008 दिनांक 17.11.2008 है। उक्त फर्म में श्री राजेन्द्र प्रसाद पुत्र उदय सिंह एवं श्री स्वर्ण सिंह पुत्र मोहन सिंह पार्टनर है। श्री स्वर्ण सिंह दिनांक 25 मई 2026 से स्वेच्छा से फर्म से अपनी भागीदार छोड रहे है एवं श्रीमति परमिन्दर कौर पत्नी मोहिन्दर सेखों नई पार्टनर बन गई है। उक्त भागीदरी परिवर्तन पर किसी को कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में रजिस्ट्रार ऑफ फमर्स, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, भिवाडी में अपनी आपत्ति दर्ज करावं।
-पार्टनर, मै एमएसन पॉवर सिस्टम्स

आम - सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रस्तावित "ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट जो कि सिटी वंडर कॉलोनाइजर्स LLP द्वारा खसरा नंबर 130/11 एवं 11/130, ग्राम गिरधारीपुरा, जयपुर (राजस्थान)। में प्रस्तावित है इस पर भवन निर्माण की पर्यावरण स्वीकृति राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (S E I A A), राजस्थान द्वारा पत्र संख्या RJ/25/SEAC2(06)/INFRA2/EC/1031 और प्रस्ताव संख्या 560336 दिनांक 22.05.2026 को प्रदान कर दी गई है। पर्यावरण स्वीकृति पत्र की प्रति https://parivesh.nic.in/ की वेबसाइट पर उपलब्ध है।
वास्ते
मैसर्स सिटी वंडर कॉलोनाइजर्स LLP

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक :- 1153 जाहिर आम-सूचना दिनांक :- 27/05/2026
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 50/441 (MIG-A), (एरिया 90.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री कैलाश नारायण मीणा पुत्र श्री राम गोपाल मीणा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1720 दिनांक 31.07.1996 को जारी किया गया। श्री कैलाश नारायण मीणा के पक्ष में उक्त, आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 16.05.1997 को उप पंजीयक-सांगानेर जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री कैलाश नारायण मीणा की मृत्यु दिनांक 22.09.2008 को हो जाने के कारण पंजीकृत हकत्याग पत्र के आधार पर इनके पुत्र श्री महेन्द्र कुमार मीणा पुत्र स्व. श्री कैलाश नारायण मीणा द्वारा उक्त आवास को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अत: उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री महेन्द्र कुमार मीणा पुत्र स्व. श्री कैलाश नारायण मीणा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम,
राज. आवा. मण्डल, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर राजस्थान
सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 537/2026

चूंकि महन्त सुदामा दास चैला स्व. महन्त राधारमण दास निवासी मंदिर श्री रामेश्वरधाम, अजीतगढ रोड़ शाहपुरा, तहसील शाहपुरा, जिला जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत मन्दिर श्री रामेश्वरधाम कार्यालय पता- अजीतगढ रोड़, शाहपुरा, तहसील शाहपुरा जिला जयपुर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारां प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 15/4/26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारीख पेशी 19/06/2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

भू-जल संचयन से संबंधित कार्यों का निरीक्षण

कोटपूतली। जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने बुधवार को नीमराणा उपखण्ड का विस्तृत दौरा कर चिकित्सा सेवाओं, पेयजल एवं विद्युत व्यवस्था, राजस्व कार्यों तथा जल संरक्षण एवं भू-जल संचयन से संबंधित कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीएचसी नीमराणा एवं शाहजहांपुर, उपखण्ड एवं तहसील कार्यालय सहित मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान एवं वाटरशेड विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कार्यों का मौके पर पहुंचकर अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। जिला कलक्टर ने ग्रीष्मकालीन परिस्थितियों को देखते हुए पीएचईडी अधिकारियों को निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने, खराब हैंडपंपों को प्राथमिकता से ठीक करने तथा जल जीवन मिशन एवं समर कंटिंजेंसी कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। आवश्यकता वाले स्थानों पर टैंकर से पेयजल आपूर्ति करने को कहा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आमजन को पेयजल संकट का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें।

संपर्क पोर्टल के परिवादों को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत निगम अधिकारियों को निर्देशित किया कि बिजली आपूर्ति संबंधी शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए तथा पीएम कुसुम योजना के तहत सोलर सिस्टम स्थापना हेतु अधिकाधिक किसानों एवं आमजन को जागरूक किया जाए। साथ ही बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण करने पर जोर दिया। दौरे के दौरान जिला कलक्टर ने सीएचसी नीमराणा एवं शाहजहांपुर का निरीक्षण कर चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने गर्मी एवं लू-तापघात से बचाव हेतु अस्पतालों में आवश्यक तैयारियां सुदृढ़ रखने की बात कही।

अखंड हरिनाम संकीर्तन की धूम

निवाई। नगर पालिका के पीछे स्थित जमात में धार्मिक माहौल पूरी तरह परवान पर है। संत शिरोमणि कृष्णानंद महाराज की असीम कृपा और आशीर्वाद से क्षेत्र में अखंड हरिनाम संकीर्तन का भव्य व दिव्य आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक अनुष्ठान को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह और गहरी श्रद्धा देखी जा रही है। भगवान के भजनों व अखंड हरिनाम के जयकारों से आस-पास को क्षेत्र गुंजायमान हो उठा है, जिससे संपूर्ण वातावरण अत्यंत पवित्र और भक्तिमय बन गया है। श्रद्धालु मोंटी शर्मा ने बताया कि वर्तमान में चल रहे पवित्र पुरुषोत्तम मास के पावन उपलक्ष्य में अखंड हरिनाम संकीर्तन का बीड़ा उठाया गया है। उन्होंने बताया

- **संत शिरोमणि कृष्णानंद महाराज की असीम कृपा और आशीर्वाद से अखंड हरिनाम संकीर्तन का भव्य आयोजन किया**

कि यह आध्यात्मिक आयोजन आगामी 15 जून तक लगातार इसी प्रकार बड़े ही हर्षोल्लास, गरिमा व धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। प्रभु भक्ति का यह सिलसिला दिन-रात अनवरत रूप से चल रहा है। जिसको लेकर दिन भर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पांडल में एकत्र होते हैं और पूरी तल्लीनता के साथ सामूहिक रूप से हरिनाम संकीर्तन करते हुए ईश्वर की आराधना में लीन रहते हैं। भक्ति की यह बयार सुबह से लेकर देर शाम तक अनवरत बहती रहती है। मोंटी शर्मा ने बताया कि प्रतिदिन शाम को 8 बजे भगवान की विशेष महाआरती का आयोजन किया जाता है, जो सभी के आकर्षण व श्रद्धा का मुख्य केंद्र होती है। महाआरती के समय झांझ, मंजीरे व ढोलक की थाप पर सभी श्रद्धालु बड़े ही धूमधाम से नाचते-गाते रहते हैं और झूमते हुए प्रभु की भक्ति का आनंद लेते हैं। 15 जून तक आयोजित अखंड हरिनाम संकीर्तन में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। संकीर्तन के दौरान नाथूलाल शर्मा, हनुमान प्रसाद शर्मा, कैलाशचंद शर्मा व लक्ष्य शर्मा सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

राजकीय भूमि से अतिक्रमण हटाया

कोटपूतली। जिला कलक्टर के निर्देशानुसार नगर परिषद कोटपूतली द्वारा बुधवार को राजस्व ग्राम चतुर्भुज में राजकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण एवं कब्जों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए लगभग 19 बीघा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। कार्रवाई के दौरान भू-माफियाओं द्वारा किए गए अवैध कब्जों को हटाकर राजकीय भूमि को मुक्त करवाया गया तथा भूमि की सुरक्षा एवं पुनः अतिक्रमण रोकने के उद्देश्य से तारबंदी के लिए गड्ढे भी खुदवाए गए। इस दौरान राजस्व अधिकारी कृष्ण कुमार यादव, कनिष्ठ अभियंता कृष्ण गुर्जर, कनिष्ठ अभियंता भादर सिंह यादव, सफाई निरीक्षक सहित नगर परिषद के अन्य कार्मिक मौके पर उपस्थित रहे।

राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त- प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक: 916 जाहिर आम सूचना दिनांक 15.05.2026
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 262/178 (EWS), (एरिया 48.895 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री अब्दुल सत्तार मन्सूरी पुत्र श्री गुलाब खाँ को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 6321 दिनांक 22.10.2003 को जारी किया गया। श्री राकेश बिन्दल पुत्र श्री राजमल बिन्दल के पक्ष में उक्त आवास का यमितिकरण पत्र क्रमांक 3188/5910 दिनांक 21.02.2014 के द्वारा किया गया। श्री राकेश बिन्दल के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 28.02.2014 को उप पंजीयक जयपुर प्रथम, के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री राकेश बिन्दल द्वारा श्री अमित कुमार गुप्ता पुत्र श्री ललित प्रसाद गुप्ता को दिनांक 24.06.2014 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री अमित कुमार गुप्ता द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 23.07.2014 के द्वारा श्रीमती सुधा देवी पत्नी श्री प्रभुदयाल शर्मा एवं श्री प्रभुदयाल शर्मा पुत्र श्री मूलचन्द शर्मा को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती सुधा देवी का स्वर्गवास दिनांक 10.05.2021 को होने पर इनके वारिसों द्वारा उक्त के 1/2 भाग का पंजीकृत हकत्याग पत्र श्री प्रभुदयाल शर्मा पुत्र श्री मूलचन्द शर्मा के पक्ष में किया गया। श्री प्रभुदयाल शर्मा द्वारा उक्त आवास को दिनांक 22.11.2022 के द्वारा श्रीमती मीना कुमारी शर्मा पत्नी श्री लोकेन्द्र कुमार शर्मा को उपहार कर उप पंजीयक सांगानेर-द्वितीय, जयपुर के यहां उपहार पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/केती श्रीमती मीना कुमारी शर्मा पत्नी श्री लोकेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास में अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बावत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती मीना कुमारी शर्मा पत्नी श्री लोकेन्द्र कुमार शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
संपदा प्रबंधक, वृत प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

खोया पाया
मैं सौभाग मल श्रीमाल निवासी 1072 धोसीयों का रास्ता रामगंज बाजार जयपुर मोरे बैंक खाता संख्या 42000100002482 जिसके चैक नम्बर 000102 से 000105 तक खाली चैक खातीपुरा से वैशाली नगर के बीच कहीं गिर गये है मिलने पर सूचित करें। 9314044607

मेरे आवास 50/381, रजत पथ, मानसरोवर, जयपुर के मूल आवंटन पत्र एवं कब्जा पत्र कहीं खो गया है जो कि प्रदीप कुमार के नाम से जारी है कृपया मिलने पर सूचित करें चमन विजय 9252505699

NAME CHANGE
We, Nitin Dwivedi and Praveena Vyas, hereby declare that we have changed the name of our daughter from Utkarsha Nitin Dwivedi to Utkarsha Dwivedi for all future and legal purposes. Address: Shriram Heights, YA-60, 6D, Engineers Colony. Manyawas, Jaipur Mobile: 8435277653

I have changed my name from suraj Prakash Soni to Suraj soni r/o II-E-274 JNV colony bikaner.

मैं आँची देवी (AANCHI DEVI) पुत्र आर्मी नम्बर 3205232P हवलदार राजेश कुमार गेनन निवासी हरिपुरा जिला सीकर (राज.) ने अपने पुत्र के सर्विस रिकार्ड में अपना नाम आँची देवी (ANCHI DEVI) से बदलकर आँची देवी (AANCHI DEVI) कर लिया है।

प्रपत्र-7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर राजस्थान
सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 632/2026

चूंकि श्री हिम्मत सिंह राठौड निवासी 35, शिवाजी निकेतन कॉलोनी, गौतम मार्ग, वैशाली नगर जयपुर राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1). के अन्तर्गत कैन्डलवीक एज्यूकेशनल सोसायटी सेक्टर 2, विद्याधर नगर जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारां प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 21/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारीख पेशी 28/07/2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

प्रपत्र-7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर राजस्थान
सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 634/2026

चूंकि श्रीमती मोनिका गुप्ता पत्नी श्री अतुल गुप्ता निवासी 196 गोरधन नगर, बम्बाला पुलिया के पास वीटीसी, सांगानेर जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास "हैनिमैन चेरिटेबल मिशन सोसायटी" जे-890, सीतापुरा इन्डस्ट्रीयल एरिया, टोंक रोड जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 25/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 30/07/2026.
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

रैन बसेरे में ही 'अंधेरा' पसरा मिला, महिला कक्ष में पुरुष सोते मिले

किशनगढ़ बास। बेघर और जरूरतमंदों को रात का आसरा देने वाले रैन बसेरे में ही 'अंधेरा' पसरा मिला। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल-तिजारा के सचिव अजीत कुडी ने बुधवार को स्थानीय रैन बसेरे का औचक निरीक्षण किया तो हालात देखकर दंग रह गए। महिला विश्राम गृह में दो पुरुष बेखौफ सो रहे थे, पीने का पानी नदारद था और रसोई में जूठे बर्तनों का ढेर लगा था। शौचालय-स्नानागार में पानी की एक बूंद नहीं। सचिव ने सख्त चेतावनी देकर कहा व्यवस्था नहीं सुधरी तो कार्रवाई होगी। इसके अलावा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायालय में सचिव ने पुलिस प्रशासन व नगर पालिका अधिकारियों के साथ बैठक की। न्यायपालिका व उपखंड परिसर में व्याप्त अवस्थाओं पर चर्चा की, पूरे परिसर का अधिकारियों के साथ

- **पीने से लेकर शौचालय तक पानी गायब, रसोई में जूठे बर्तन और गंदगी का मिला अंबार**

अवलोकन किया ओर सुधार के निर्देश दिए। बैठक में उपखंड मजिस्ट्रेट (एसडीएम) सतबीर सिंह, थानाधिकारी बनवारी लाल, बार संघ अध्यक्ष राकेश तिवाड़ी, सचिव रविंद्र तक्षक, नगर पालिका के प्रतिनिधि बाबू, सुरेश शर्मा सहित न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्तागण, न्यायिक कर्मचारी और संबंधित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। बुधवार को राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देश पर आमजन को सुलभ न्याय और मूलभूत सुविधाएं देने के अभियान के तहत यह निरीक्षण और बैठक की गई। सचिव अजीत कुडी सीधे रैन बसेरे पहुंचे और वहां पहुंचकर असहाय लोगों को मिल रही सुविधाओं की हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान सबसे बड़ी लापरवाही महिला विश्राम गृह में दिखी जहां पुरुष सोते हुए मिले। नियमों के मुताबिक महिला और पुरुषों के लिए अलग-अलग खंड हैं, पर यहां दो पुरुष महिला वार्ड में सो रहे थे। इस सुरक्षा चूक पर सचिव ने कड़ी आपत्ति जताई। महिला वार्ड के सामने एक कमरा बंद मिला। अटेंडेंट नरेंद्र से पूछा तो न चाबी मिली, न संतोषजनक जवाब। रैन बसेरे में कुल 15 बेड की व्यवस्था बताई गई, लेकिन जमीन पर नियमों का पालन नहीं होता मिला। रैन बसेरे की सबसे चिंताजनक हालत पानी और सफाई की थी। पूरे परिसर में पीने का पानी का कोई स्त्रोत चालू नहीं मिला यहां तक कि शौचालय और स्नानागार में भी पानी नहीं था। अन्नपूर्णा रसोई घर में गंदगी का अंबार था। भोजन बनाने और परोसने के बर्तन जूठे हालत में इधर-उधर बिखरे पड़े थे। जांच में सामने आया कि रसोई में भोजन बनाने वाली महिला और उसका पति ही सहकर्मी के तौर पर काम कर रहे हैं। यह सब देखकर सचिव अजीत कुड़ी ने अटेंडेंट नरेंद्र और स्टाफ को मौके पर ही फटकार लगाई। उन्होंने साफ कहा कि रैन बसेरे में ठहरने वाले हर व्यक्ति के अधिकारों का हनन बर्दाश्त नहीं होगा। पीने का पानी और शौचालयों में तुरंत जलापूर्ति के निर्देश दिए। प्रबंधन को चेतावनी दी कि सारी व्यवस्था अविलंब दुरुस्त करें और सफाई का विशेष ध्यान रखें। सचिव ने कहा कि अगर हालात नहीं सुधरे तो जिम्मेदार लोगों पर नियमानुसार कार्रवाई होगी।

जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड
कमरा नं. 405, चतुर्थ तल, प्रशासनिक भवन, मेट्रो डिपो, भृगु पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020
दूरभाष नं. 9311047886 GM (Civil), 7728895364 Manager (Civil);
ई-मेल: gmcivil@jaipurmetrorail.in, mgrcivil@jaipurmetrorail.in & jmrcciviloffice215@gmail.com
नं. :- 130/JMRC/O&S/Civil/Works/2025-26
निविदा सूचना
JMRC द्वारा फेज 1A और 1B के मेट्रो स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म के किनारे और ट्रेन कोच के दरवाजे की सिल के बीच अत्यधिक अंतर को कम करने के लिए प्लेटफॉर्म कोपिंग पर नियोप्रिन की फिक्सिंग करने हेतु इच्छुक बोलीदाताओं से ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जा रही है।' अनुमानित लागत ₹ 12,78,252 रूपये है। निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि 15.06.2026 को 15:00 बजे तक है। निविदा के विवरण एवं आगामी स्पष्टीकरण/शुद्धिपत्र हेतु **https://transport.rajasthan.gov.in/jmrc, https://sppp.rajasthan.gov.in** या **https://eproc.rajasthan.gov.in** का अवलोकन करें। **(UBN: JMR2627WSOB00015)**
राज.संवाद/सी/26/3659 महाप्रबंधक (सिविल)
प्रदूषण रहित, सस्ता, सुरक्षित एवं आरामदायक सफर - जयपुर मेट्रो

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर
क्रमांक: न.नि.भ./ स्कीम /2026-27/4091 **सार्वजनिक सूचना** दिनांक: 21.05.2026
अर्जुन नगर योजना भरतपुर के भूखण्ड संख्या 81 क्षेत्रफल 161.48 वर्गगज का आवासीय रूपान्तरण पट्टा विलेख क्रमांक 529 दिनांक 17.02.2014 नगर विकास न्यास, भरतपुर द्वारा श्री छोटे सिंह पुत्र श्री बारेलाल जाति यादव निवासी अर्जुन नगर मथुरा रोड, भरतपुर के नाम जारी किया गया। श्री छोटे सिंह पुत्र श्री बारेलाल ने उक्त भूखण्ड जरिये रजिस्टर्ड वयनामा दिनांक 29.05.2020 को श्री शिव सिंह पुत्र श्री विजेन्द्र सिंह उर्फ विजय सिंह को विक्रय कर दिया। विक्रय होने के पश्चात् उक्त भूखण्ड का नाम परिवर्तन नगर निगम, भरतपुर के पत्रांक 15602-604 दिनांक 14. 03.2023 के द्वारा श्री शिव सिंह पुत्र श्री विजेन्द्र सिंह उर्फ विजय सिंह के नाम पूर्व में हो चुका है। श्री शिव सिंह ने उक्त भूखण्ड में से 718.06 वर्गफुट जरिये रजिस्टर्ड वयनामा दिनांक 03.04.2025 के द्वारा श्रीमती तारावती शर्मा पत्नी श्री मनोज कुमार स्वामी को विक्रय कर दिया। उक्त भूखण्ड का उपविभाजन नगर निगम, भरतपुर के पत्रांक 2392-394 दिनांक 08.05.2025 के द्वारा श्रीमती तारावती शर्मा पत्नी श्री मनोज कुमार स्वामी व श्री शिव सिंह पुत्र श्री विजेन्द्र सिंह उर्फ विजय सिंह के नाम पूर्व में हो चुका है। भूखण्ड संख्या 81-ए जिसका क्षेत्रफल 79.78 वर्गगज श्रीमती तारावती शर्मा पत्नी श्री मनोज कुमार शर्मा का रहा एवं भूखण्ड संख्या 81 जिसका क्षेत्रफल 81.70 वर्गगज श्री शिव सिंह पुत्र श्री विजेन्द्र सिंह उर्फ विजय सिंह का रहा। श्री शिव सिंह पुत्र श्री विजेन्द्र सिंह उर्फ विजय सिंह ने उक्त भूखण्ड जरिये रजिस्टर्ड वयनामा दिनांक 29.08.2025 के द्वारा श्रीमती कुसुम पत्नी श्री अमित कुमार को विक्रय कर दिया। आवेदिका श्रीमती कुसुम पत्नी श्री अमित कुमार जाति प्रजापत निवासी अर्जुन नगर, भरतपुर उक्त भूखण्ड का नाम परिवर्तन कराना चाहते हैं। भूखण्ड संख्या 81, अर्जुन नगर, भरतपुर का नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही इस कार्यालय द्वारा की जानी है। इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि सात दिवस में कार्यालय नगर निगम, भरतपुर में अपनी आपत्ति दर्ज करावें अन्यथा गुजरने म्याद भूखण्ड संख्या 81, अर्जुन नगर, भरतपुर का नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही कर दी जावेगी एवं कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।
प्रभारी अधिकारी, स्कीम शाखा
नगर निगम, भरतपुर

प्रपत्र-7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर राजस्थान
सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 633/2026

चूंकि बरखा शर्मा निवासी 2442 गोविन्द राय जी का रास्ता, चांदपोल बाजार जयपुर राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत सत्कार वूमेंस वेलफेयर सोसायटी 2442 गोविन्द राय जी का रास्ता, चांदपोल बाजार जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारां प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 21/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारीख पेशी 28/07/2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

पीढ़ियों के लिए पानी बचाना बहुत जरूरी : रामहेत

किशनगढ़ बास। पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव बुधवार को कोटकासिम उपखंड के गांव कतोपुर स्थित बाबा दुर्लभ नाथ आश्रम पहुंचे। उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना की, हवन यज्ञ में आहुति दी और नवनाथों का पूजन किया। कार्यक्रम में पहुंचने पर ग्रामवासियों ने माला और साफा पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर रामहेत यादव ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार करने के लिए है। इसी के तहत राज्य सरकार और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने जलाशय को सुंदर बनाने के लिए 2 करोड़ 66 लाख रुपए मंजूर किए हैं। कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक ने मुख्य सड़क से मंदिर तक बने सीसी रोड का उद्घाटन भी किया। राजस्थान सरकार की 'नमामि गंगे जल अभियान' के तहत आश्रम पर पवित्र सरोवर और पीपल का पूजन किया। वहां मौजूद ग्रामीणों को जल संरक्षण का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी बचाना बहुत जरूरी है। रामहेत यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा चलाई जा रही जल संरक्षण योजना को जन-जन तक पहुंचाने का आग्रह किया।

पावटा के ठीकरिया स्टैंड पर वाटर कूलर का लोकार्पण

ठीकरिया स्टैंड पर आमजन की सुविधा के लिए वाटर कूलर स्थापित किया गया।

पावटा। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच ग्राम पंचायत ठीकरिया स्टैंड पर आमजन की सुविधा के लिए वाटर कूलर स्थापित किया गया। बुधवार को ग्रामीणों की मौजूदगी में सामाजिक सरोकार की इस पहल का लोकार्पण किया गया।

- **भीषण गर्मी में राहगीरों को मिलेगी शीतल जल की राहत**
- **कार्यक्रम में ग्रामीणों ने इस जनहित कार्य की सराहना करते हुए इसे गर्मी के मौसम में राहगीरों और आमजन के लिए बड़ी राहत बताया**

भामाशाह धर्मेंद्र कुमार खातोदिया, विक्रम कुमार खातोदिया एवं नाथूराम गिल्या द्वारा स्वर्गीय रामवतार खातोदिया और स्वर्गीय शिंभू दयाल गिल्या की स्मृति में यह वाटर कूलर भेंट किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने इस जनहित कार्य की सराहना करते हुए इसे गर्मी के मौसम में राहगीरों और आमजन के लिए बडी राहत बताया। ग्रामीणों ने कहा कि ठीकरिया स्टैंड पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं। ऐसे में शीतल पेयजल की व्यवस्था होने से यात्रियों, मजदूरों और राहगीरों को गर्मी से काफी राहत मिलेगी।

लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान महेश यादव, रोहिताश भंगार, गिरवर सिंह, कमल यादव सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे। सामाजिक सहयोग और जनसेवा की भावना से किए गए इस कार्य की क्षेत्रभर में सराहना हो रही है।

कार्यालय नगरपालिका देवली (टोंक) राज.
Tel.- (01434) 232013 E-mail : npdeoli@gmail.com
क्रमांक :: न.पा.दे./आपत्ति आमन्त्रण सूचना/2026-27/22504206 दिनांक : 27.05.2026
आपत्ति आमन्त्रण सूचना
एतद्द्वारा हितबद्ध, व्यक्ति विशेष, आम खास को सूचित किया जाता है कि पालिका क्षेत्र में अधोलिखित व्यक्तियों द्वारा अपनी सम्पति के 69-ए हेतु आवेदन किया गया है। किसी भी व्यक्ति को निम्नांकित इजाजत बाबत् आपत्ति हो तो आपत्ति आमंत्रण सूचना जारी होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर म्याद विधिमान्य दस्तावेजों सहित लिखित में आपत्ति कार्य दिवस के दौरान कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करावें। बाद म्याद गुजरने आपत्ति मान्य नहीं होगीं।

क्र. स.	नाम प्रार्थी	मौहल्ला	भूखण्ड संख्या/नाप	प्रयोजन
1.	श्रीमती मीरा देवी पत्नी स्व. श्री बाबू लाल बलाई	वार्ड संख्या 10 घोरी मोहल्ला देवली	भूखण्ड नाप 58.88 वर्गगज	69-क
2.	श्री नीरज शर्मा पुत्र श्री चेतन प्रकाश शास्त्री	वार्ड संख्या 26 गांवडी हाऊस के प्लाटो में देवली	भूखण्ड नाप 138.88 वर्गगज	69-क

राज.संवाद/सी/26/3670 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगरपालिका किशनगढ़बास (खैरथल-तिजारा) राज.
Mail Id-npkishangarhbas@gmail.com, PH.-01460-242233
क्रमांक: न.पा.कि.बास/2026/894 **आपत्ति सूचना** दिनांक 27/05/2026
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार के अन्तर्गत 69-क व 90-अ के एक्ट के तहत ऑनलाईन पट्टा बनवाने हेतु निम्न प्रकार ऑनलाईन पत्रावली इस कार्यालय में प्राप्त हुई है। अतः इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति संस्था या किसी को भी कोई भी आपत्ति हो तो 07 दिवस में इस कार्यालय में अपनी आपत्ति मय सबूत इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। मयाद निकलने के बाद कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र.सं.	आवेदक का नाम	पिता/पति/पत्नी का नाम	पता	खसरा नं.
		90 - क		
1	श्रीमती कमलेश	हरीराम	वार्ड नं. 14 लख्याणी मार्केट कि. बास	341
2	विजय सिंह	मतादीन जाटव	वार्ड नं. 19 अलवर रोड कि.बास	361
3	शैलेन्द्र कुमार, जीतेन्द्र कुमार	हरीश चंद	यदुवंशी कॉलोनी कि.बास	567
4	सिमरन बतरा	रमेश चंद	वार्ड नं. 13 बासड़ा रोड कि.बास	419
5	कन्हैया लाल, प्रहलाद सैनी	हीरा लाल सैनी	वार्ड नं. 20 बासड़ा कि.बास	703
		69- क		
क्र.सं.	आवेदक का नाम	पिता/पति/पत्नी का नाम	पता	खसरा नं.
		90 - क		
1	जतिन सोनी	योगेश सोनी	रैणी मौहल्ला कि. बास	535

उपरोक्त व्यक्ति को 69-क व 90-अ एक्ट पट्टा के लिए कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन से 07 दिवस में इस कार्यालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उपयुक्त व्यक्ति का पट्टा जारी कर दिया जावेगा।
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका किशनगढ़बास, खैरथल-तिजारा, (राज.)

राशि दोगुनी करने के नाम पर साढ़े 5 लाख की चांदी हड़पी

दोगुना करने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह से पुलिस ने दो किलो चांदी बरामद की।

■ आरोपियों ने पीड़ितों को कम समय में अधिक मुनाफा दिलाने और विशेष किस्म के कछुए की खरीद-फरोख्त में भारी लाभ होने का लालच देकर अपने जाल में फंसाया था और उनसे साढ़े पांच लाख रुपए की चांदी हड़पी थी। जिसके बाद परिवादी की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर करीब 2 किलोग्राम चांदी की दो कमरबंद बरामद की हैं

टोंक। कछुए के कारोबार में रुपए दोगुना करने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह से जुड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पीड़ितों को कम समय में अधिक मुनाफा दिलाने और विशेष किस्म के कछुए की खरीद-फरोख्त में भारी लाभ होने का लालच देकर अपने जाल में फंसाया था और उनसे साढ़े पांच लाख रुपए की चांदी हड़पी थी। जिसके बाद परिवादी की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर करीब 2 किलोग्राम चांदी की दो कमरबंद बरामद की हैं, जिनकी कीमत लगभग 5 लाख 50 हजार रुपए बताई जा रही है।

वृताधिकारी मालपुरा आशीष प्रजापत ने बताया कि गत 19 मई 2026 को परिवादी जगदीश पुत्र रामधन गुर्जर निवासी कांटोली और धर्मराज पुत्र भंवरलाल गुर्जर निवासी हाथगी थाना थाना डिग्गी में रिपोर्ट दर्ज कराकर बताया गया कि कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने उन्हें एक दुर्लभ कछुए के नाम पर भारी मुनाफा कमाने का लालच दिया। आरोपियों ने दावा किया कि यदि वे उनके साथ व्यापार में पैसा लगाते हैं तो बहुत कम समय में रकम दोगुनी हो जाएगी। इसी झांसे में आकर पीड़ितों ने आरोपियों को एक लाख रुपए नकद और करीब 2 किलो 100 ग्राम चांदी की दो कमरबंद सौंप दीं। सामान और नकदी लेने के बाद आरोपी फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए डिग्गी थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने आधुनिक अनुसंधान तकनीकों का सहारा लेते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की। डिग्गी कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास संदिग्ध गतिविधियों का विश्लेषण किया और कई तकनीकी साक्ष्य जुटाए। जांच के बाद पुलिस ने बूंदी जिले के नैनवा क्षेत्र में दबिश देकर दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया। दोनों के वारदात करना स्वीकार करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने पीड़ितों से हड़पी गई दोनों चांदी के कमर बंद(करधनी) बरामद कर लीं। पुलिस गिरोह के अन्य साथियों तथा पूरे नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है।

9 विद्यार्थियों का एनएमएमएस में चयन

निवाई। पीईईओ क्षेत्र भरथला के 7 विद्यार्थियों का एनएमएमएस राष्ट्रीय आय सह मेधा स्कालरशिप में चयन हुआ है। पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि नेशनल मीन्स कम मेरिट परीक्षा 2026 के जारी परिणाम में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भरथला से 3, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जीवली से 1, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय धतूरी से 1 व राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बीड भरथला से 2 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। चयन होने पर शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने खुशी जाहिर की है।

छात्रों को अध्ययन करने के लिए एवं कक्षा 9 से 12 तक राजकीय विद्यालय में ठहराव सुनिश्चित करने के लिए लगातार 4 वर्षों तक प्रतिवर्ष 12 हजार रूपए कुल 48 हजार रूपए निर्धारित मानदंड पूरा करने पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार की ओर से इसी वर्ष से प्रदान किए जाएंगे।

नौतपा ने दिखाए तेवर, आमजन का जनजीवन बेहाल

पावटा। नौतपा की शुरुआत के साथ ही गर्मी ने अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। सोमवार को उपखंड पावटा क्षेत्र में तापमान अधिक होने से आमजन का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित नजर आया। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया, वहीं दोपहर होते-होते सड़कें और बाजार सूने दिखाई देने लगे। कस्बे के मुख्य बाजार सुभाष चौक, घंटाघर चौक, चमत्कारी चौराहा सहित प्रमुख चौराहों पर दोपहर 12 बजे के बाद सन्नाटा पसरा रहा। भीषण गर्मी और लू के चलते लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले। बाहर निकलने वाले अधिकांश लोग चेहरे पर कपड़ा बांधकर और सिर ढककर नजर आए। व्यापारियों ने बताया कि दोपहर के समय ग्राहकों की आवाजाही लगभग थम गई, जिससे कारोबार पर भी असर पड़ा। कई दुकानदारों ने दुकानों के बाहर तिरपाल और हरी नेट लगाकर धूप से बचाव के इंतजाम किए। गर्म हवाओं के कारण बाजारों में सामान्य दिनों जैसी चहल-पहल देखने को नहीं मिली। गर्मी से राहत पाने के लिए लोग ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेते दिखाई दिए। गन्ने के रस, शिकंजी, छाछ, लस्सी और मौसमी फलों की दुकानों पर लोगों की भीड़ लगी रही। वहीं मिट्टी के मटकों की मांग भी अचानक बढ़ गई है। दुकानदारों के अनुसार पिछले कुछ दिनों की तुलना में मटकों की बिक्री दोगुनी हो गई है। नौतपा का असर ग्रामीण इलाकों में भी साफ दिखाई दिया। खेतों में काम करने वाले किसानों ने दोपहर के समय खेतों से दूरी बनाई और सुबह जल्दी या शाम ढलने के बाद ही कृषि कार्य करना उचित समझा।

नि:शुल्क योग शिविर आज से

शाहपुरा। शहर में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पतंजलि योग समिति एवं भारत स्वाभिमान ट्रस्ट हरिद्वार तथा वीर तेजाजी मिलन शाहपुरा के संयुक्त तत्वावधान में पहली बार नि:शुल्क इंटीग्रेटेड योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 28 मई 2026 से 3 जून 2026 तक प्रतिदिन प्रात: 5 बजे से 7 बजे तक बी.आर. कॉलेज, त्रिवेणी रोड शाहपुरा में आयोजित होगा। शिविर में योगाचार्य स्वामी अर्जुनदेव जी के सानिध्य में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से विभिन्न रोगों का उपचार एवं मार्गदर्शन दिया जाएगा। आयोजकों के अनुसार इस योग शिविर में मोटापा, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, सर्वाइकल पेन, कमर दर्द, पेट संबंधी रोग, हृदय रोग, स्किन रोग, एलर्जी, बवासीर सहित कई गंभीर व सामान्य बीमारियों के लिए योग व प्राकृतिक चिकित्सा पद्धित से लाभ प्रदान किया जाएगा।

किसानों को कम पानी में सिंचाई पद्धति के गुर बताए

■ पत्रकारों को बनास नदी के समीप स्थित बोयडा गणेश जी, पनवाड सागर तालाब पर चल रहे दीवार के मरम्मत कार्य एवं नहरों के निर्माण, चंदलाई बांध जल संरक्षण संरचनाओं का भ्रमाण करवाया

टोंक। वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत बुधवार को जिले के प्रिंट व इलेक्ट्रोनिक मीडिया के पत्रकारों को जल संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण स्त्रोतों का अवलोकन करवाने के लिए फील्ड विजिट आयोजित की गई। इस विजिट का मुख्य उद्देश्य मीडिया के माध्यम से जनसाधारण में जल संरक्षण के प्रति जागरुकता बढाना एवं जल की महत्ता को बताना था।

पत्रकारों को बनास नदी के समीप स्थित बोयडा गणेश जी, पनवाड सागर तालाब पर चल रहे दीवार के मरम्मत कार्य एवं नहरों के निर्माण, देवडावास के अमरुद उत्कृष्टता केन्द्र पर बूंद-बूंद सिंचाई, जूनिया गांव में ग्रामीणों के बीच तालाब की मान्यता, चंदलाई बांध जल संरक्षण संरचनाओं का भ्रमाण करवाया गया। इन संरचनाओं के माध्यम से जल संचय, भूजल स्तर में वृद्धि, कृषि उत्पादकता बढाने के प्रयासों, किसानों को कम पानी में सिंचाई की पद्धति के बारे में जागरुक किया जाता है।

यह फिल्ड विजिट जल संरक्षण और जल संचय के सकारात्मक प्रभावों को उजागर करने में महत्वपूर्ण साबित हुई। इसी तरह मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान में गांवों में जल स्त्रोतों का जीणोद्धार एवं संरक्षण का कार्य भी हाथ में लिया गया है। जिनमें परंपरागत कुओं व तालाबों का रखरखाव, तलाई एवं पिट निर्माण, फार्म पोण्ड निर्माण, रिचार्ज सोफ्ट का निर्माण, एनिकट, तालाबों के पिचिगं कार्य से जल संरक्षण की क्षमता बढ़ाई जा रही है। इससे वर्ष भर बरसात का पानी जमा रहने से आस पास की वनस्पति भी विकसित हो रही है। साथ ही भूमि का भूजल स्तर बढ़ने से जल स्त्रोतों के आस पास होने वाली खेती से किसानों को वर्ष भर पानी की जरुरत होती है।

सार-समाचार

पानी, बिजली को लेकर नगर परिषद कार्यालय का घेराव

कोटपूतली। कस्बे के ग्राम खेड़की बीरभान में पानी, बिजली और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव ने अब स्थानीय लोगों ने सब्र का बांध तोड़ दिया है। वर्षों से प्रशासनिक अनदेखी का शिकार हो रहे क्षेत्रवासियों का गुस्सा आखिरकार फूट पड़ा। आक्रोशित नागरिकों ने पार्षद उमेश आर्य के नेतृत्व में नगर परिषद कार्यालय का घेराव किया और प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। मामले की जानकारी देते हुए स्थानीय निवासी संजय चारण ने बताया कि क्षेत्र में सिंगल फेज की बोरिंग लंबे समय से खराब पड़ी है। इसके कारण कड़कड़ाती धूप और गर्मी में लोगों को पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। पानी की किल्लत के साथ-साथ क्षेत्र की स्ट्रीट लाईट व्यवस्था भी पूरी तरह ठप हो चुकी है। रात होते ही पूरा ईलाका अंधेरे के आगोश में समा जाता है, जिससे आए दिन हादसों और असामाजिक गतिविधियों का खतरा बना रहता है। प्रदर्शनकारियों ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पूरी तरह बदहाल है। जगह-जगह गंदगी और कचरे के अंबार लगे हुए हैं। नियमित सफाई ना होने के कारण नालियां चोक हैं और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे स्थानीय स्तर पर गंभीर बीमारियां फैलने का अंदेशा लगातार गहराता जा रहा है। यदि नगर परिषद ने जल्द ही जनसमस्याओं का स्थायी समाधान नहीं किया, तो क्षेत्र की जनता सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करने को मजबूर होगी। इस दौरान संजय चारण, सुनील गुरूजी, बिरजू आर्य, दुलीचंद सैनी, महेश सैन, पवन आर्य, रमेश सैनी, लक्ष्मण आर्य व शेरसिंह आर्य सहित सैकडों की संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

देवयानी सरोवर पर दीप प्रज्ज्वलित कर एकादशी मनाई

सांभरझील। एकादशी पर महिलाओं ने देवयानी तीर्थ स्थल पर दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना की तथा पद्मिनी एकादशी की कथा का वाचन किया। इससे पहले आसपास के क्षेत्रों से आई सैकडों महिलाओं ने आस्था की डुबकी लगाई। देवयानी मैया सहित घाट पर स्थित अनेक देवी देवताओं के मंदिर में भी पूजा अर्चना कर परिवार की खुशहाली के लिए मन्नतें मांगी। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी सुनील कुमार शर्मा व खाटू श्याम से आए श्रद्धालु प्रशांत मिश्रा ने आटे की गोलियां बनाकर सरोवर में मछलियों को खिलाई। श्री गोपाल गौशाला के पूर्व अध्यक्ष मुन्नालाल शर्मा बताते हैं कि सभी तीर्थ की नानी होने के कारण प्रदेश भर से यहां श्रद्धालु आकर पुण्य अर्जित करते हैं। इसके संरक्षण और तीर्थ स्थल के और अधिक विकास के लिए सरकार को प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है।

साफ सफाई कर स्वच्छता का संदेश

टोंक। पशुपालन विभाग की ओर से गांधी गौशाला समिति, टोंक में बुधवार को "वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान 2026" के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन रखा गया। जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व नगर परिषद् सभापति लक्ष्मी जैन व विशिष्ठ अतिथि गौशाला के संस्थापक एवं संरक्षक अभयमल बंब, अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामरतन सौंकरिया ओर दुर्गेश गुप्ता रहे। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. राजेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि सभी अतिथियों ने गौशाला में सफाई कर श्रमदान किया गया। पानी की खेलियों में सफाई करवाकर चुने की पुताई करवाई गई एवं सभी चारे के ठान की सफाई करवाई गई। गौशाला में व्यवस्था देख रहे सभी कर्मचारियों को पानी के खेलियों एवं चारे की ठाणों की नियमित सफाई के निर्देश दिए। गौ पूजन कर अभियान का शुभारंभ किया गया। गौशाला में पीपल का पौधा लगाकर सभी को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। सभी अतिथियों ने गौशाला का भ्रमण कर गौशाला की व्यवस्था का जायजा लिया। गौशाला के व्यवस्थापक एवं कोषाध्यक्ष बाल किशन ने गौशाला में किये जा रहे नवाचार के बारे में विस्तार से बताया। गौशाला में पंचगव्य उत्पादन की विस्तार से जानकारी दी। वही गांधी गौशाला के संरक्षक एवं संस्थापक अभय मल बंब ने सभी से गौ सेवा से जुड़ने का अह्वान किया। उन्होने भारतीय संस्कृति में गाय का धार्मिक, अध्यात्मिक व आर्थिक महत्व के बारे में अवगत करवाया। जन प्रतिनिधि दुर्गेश गुप्ता ने पर्यावरण सुरक्षा के लिए ज्यादा से ज्यादा वृक्ष वाले पौधे लगाने पर बल दिया उन्होने बताया कि टोंक शहर में स्वयं ने कई वृक्ष पौधे लगाये गये है जो अब वृक्ष बन गये है।

भीषण जल संकट पर फूटा वार्डवासियों का गुस्सा

कोटपूतली। कस्बे के मौहल्ला बड़ाबास की ढाणी भूतेश्वर में व्याप्त भीषण जल संकट को लेकर आखिरकार क्षेत्रवासियों का आक्रोश खुलकर सामने आ गया। लंबे समय से बूंद-बूंद पानी को तरस रहे लोगों ने बुधवार को पार्षद उमेश आर्य के नेतृत्व में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इसके बाद उन्होंने एईएन हंसराज गुर्जर को ज्ञापन सौंपकर पेयजल समस्या के तत्काल स्थाई समाधान की मांग की। पार्षद उमेश आर्य ने बताया कि ढाणी भूतेश्वर में पिछले कई दिनों से जलापूर्ति पूरी तरह ठप पड़ी है। भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान के बीच हालात बेहद चिंताजनक हो चुके हैं। स्थानीय निवासियों को पीने के पानी के लिए भी दर-दर भटकना पड़ रहा है। विभाग को बार-बार अवगत कराने के बाद भी अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई, जिससे लोगों में भारी आक्रोश है।

वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार श्रीवास्तव ने पदभार ग्रहण किया

■ उत्कृष्ट सेवाओं एवं उल्लेखनीय कार्यों के लिए श्रीवास्तव को 6 बार महानिदेशक इंसिग्निया एवं 2 बार महानिदेशक प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए हैं

कोटा, (निसं)। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में भारतीय रेलवे सुरक्षा बल सेवा के वर्ष 2016 बैच के अधिकारी पवन कुमार श्रीवास्तव ने वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त के पद का विधिवत् कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उनके आगमन से मंडल की सुरक्षा व्यवस्था को तकनीकी दक्षता एवं आधुनिक कार्यप्रणाली का लाभ मिलने की अपेक्षा है।

रेलवे सुरक्षा बल में अपने सेवाकाल के दौरान उन्होंने सहायक सुरक्षा आयुक्त के रूप में मध्य रेलवे के मुंबई मंडल से कार्य प्रारंभ किया। इसके पश्चात उन्होंने पश्चिम रेलवे के मुंबई एवं राजकोट मंडलों सहित पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल में विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। अपने कार्यकाल में उन्होंने सुरक्षा प्रबंधन, अपराध नियंत्रण तथा यात्री सुरक्षा से जुड़े अनेक नवाचारों को प्रभावी रूप से लागू किया।

उत्कृष्ट सेवाओं एवं उल्लेखनीय कार्यों के लिए श्रीवास्तव को 6 बार महानिदेशक इंसिग्निया एवं 2 बार महानिदेशक प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें 2 बार राष्ट्रीय स्तर पर फिक्की स्मार्ट पोलिसिंग पुरस्कार तथा विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। पदभार ग्रहण करने के पश्चात श्रीवास्तव ने कहा कि कोटा मंडल में यात्रियों की सुरक्षा एवं संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

उन्होंने अलार्म चेन पुलिंग की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण, अपराधों की रोकथाम हेतु सक्रिय एवं परिणाममुखी कार्यप्रणाली, आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पारदर्शी एवं निष्पक्ष मूल्यांकन को अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल बताया।

आत्मा शुद्ध होने से भगवान के दिव्य दर्शन संभव : महंत भारती

राजगढ़। कथावाचक एवं महंत अमन भारती महाराज ने कहा कि मन एवं आत्मा शुद्ध होने से भगवान के दिव्य दर्शन संभव है। छल कपट रहित भक्ति से ठाकुर जी हमेशा प्रसन्न रहते हैं। भारती महाराज राजगढ़ के अवधूत दत्ता आश्रम में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा मैं श्री कृष्ण गोपी संवाद, विरह एवं रुक्मणी विवाह की लीला में उपस्थित महिला पुरुषों को प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने गोपिकाओं का कृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम एवं मथुरा जाने के बाद विरह वेदना का भावपूर्ण प्रस्तुतिकरण कर उपस्थित महिला पुरुषों को प्रेम एवं एकता का संदेश दिया। इससे पूर्व "थाली भरकर लाई रे खिचड़ो, ऊपर घी की बाटकी, की भावपूर्ण प्रस्तुति से उपस्थित पंडाल मैं हलचल पैदा करदी। इस अवसर पर कथा वाचक अमन भारती महाराज का प्रमुख महिला पुरुषों की ओर से भव्य अभिनंदन किया गया। उन्होंने श्रोताओं से कहा कि भक्ति एवं प्रेम के मध्य मोह माया का जो जाल है उससे मुक्ति पानी होगी । भारती महाराज ने कहा कि भगवान का भजन नहीं करने का मन हो तब भी भजन करना चाहिए। इस अवसर पर भारी संख्या में श्रद्धालु महिला पुरुष मौजूद रहे।

गौशाला परिसर में बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे बांधे

■ गौ शाला के नाम पट्टा बनवाने के लिए एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

पावटा। राज्य सरकार के वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत बुधवार को बड़नगर स्थित श्री कृष्ण गौशाला परिसर में स्वच्छता, गौसेवा एवं जल संरक्षण को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गौशाला परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया तथा गौवंश को आहार वितरण किया गया। साथ ही जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम उपखंड अधिकारी पावटा डॉ. साधना शर्मा के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। इस दौरान सामाजिक संगठनों, गौसेवकों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अभियान को सफल बनाने में सहयोग दिया। कार्यक्रम के दौरान गौसेवा और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जनजागरूकता का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर एसडीएम डॉ. साधना शर्मा ने कहा कि, जल ही जीवन का आधार है और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी का अभियान है। गौसेवा, स्वच्छता और जल संरक्षण जैसे कार्य समाज को सकारात्मक दिशा देने का माध्यम हैं। हम सभी को अपने स्तर पर पानी बचाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए। संवर्धन पर विशेष जोर देते हुए गौशाला परिसर में श्रमदान किया। उन्होंने गौशाला में चारे-दाने एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। साथ ही गौशाला परिसर में बेजुबान पक्षियो के लिए परिंडे बांधकर जीव सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान पशु चिकित्सक डॉ. नवल किशोर ने गौमाता एवं उनसे प्राप्त पंचतत्व-दूध, दही, घी, गोमूत्र और गोबर-के धार्मिक, आयुर्वेदिक एवं कृषि उपयोगों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गाय से प्राप्त पंचगव्य मानव जीवन, स्वास्थ्य एवं जैविक खेती के लिए अत्यंत उपयोगी माने जाते हैं। साथ ही गोबर एवं गोमूत्र से जैविक खाद, ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम के दौरान श्री कृष्ण गौशाला समिति बड़नगर द्वारा उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा को गौशाला विकास एवं आवश्यक सुविधाओं को लेकर ज्ञापन भी सौंपा गया। ज्ञापन में गौशाला के नाम से पट्टा जारी करवाने, गौशाला के लिए अलग से विद्युत डीपी लगवाने, हाई मास्क लाइट स्थापित करवाने, गौ काष्ठ निर्माण मशीन उपलब्ध करवाने, गोबर गैस प्लांट स्थापित करने तथा सोलर लाइट लगवाने जैसी महत्वपूर्ण मांगें रखी गईं। समिति सदस्यों ने बताया कि इन व्यवस्थाओं के होने से गौशाला में गौवंश की बेहतर देखभाल के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं आत्मनिर्भरता को भी बढावा मिलेगा। साथ ही गोबर गैस प्लांट और गौ काष्ठ निर्माण जैसी योजनाओं से जैविक एवं पर्यावरण हितैषी कार्यों को गति मिलेगी। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया।

पत्रकारों को कराया जल संरक्षण कार्यों का फील्ड भ्रमण

कोटपुतली में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत विविध गतिविधियों का आयोजन किया।

■ अभियान के माध्यम से आमजन को जल संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया

कोटपूतली-बहरोड, । राज्य सरकार के निर्देशानुसार संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 के अंतर्गत बुधवार को जिलेभर में विभिन्न विभागों द्वारा जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं जनजागरूकता से संबंधित विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के माध्यम से आमजन को जल संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

इसी क्रम में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा जिले के पत्रकारों को वंदे गंगा अभियान के तहत किए जा रहे जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यों का फील्ड भ्रमण करवाया गया। भ्रमण के दौरान पत्रकारों ने पावटा क्षेत्र स्थित बुचारा बांध क्षेत्र में निर्मित एनिकट का अवलोकन किया तथा जल संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की। इसके अतिरिक्त आंतेला क्षेत्र में वाटरशेड विभाग द्वारा विकसित किए जा रहे वन क्षेत्र का निरीक्षण कराया गया, जहां मृदा एवं जल संरक्षण एवं पर्यावरण संतुलन की दिशा में किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया गया। वहीं विराटनगर क्षेत्र में पौधशाला एवं वन विभाग द्वारा विकसित किए जा रहे वन क्षेत्र का भी भ्रमण करवाया।

कांग्रेस का हल्ला बोल 29 को

कोटपूतली। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार आगामी 29 मई शुक्रवार को कोटपूतली में भाजपा सरकार के खिलाफ विशाल विरोध प्रदर्शन किया जायेगा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोटपूतली एवं नारेहड़ा द्वारा विधानसभा स्तर पर होने वाले इस प्रदर्शन के तहत उपखण्ड अधिकारी (एसडीएम) कार्यालय के समक्ष धरना दिया जायेगा और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जायेगा। कांग्रेस पदाधिकारियों ने बताया कि केंद्र व राज्य की डबल इंजन भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण आज आम आदमी का जीना दुष्वार हो चुका है। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी की गई है। घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पूरी तरह बाधित है, वहीं सामाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों के लिए कमर्शियल सिलेंडर उपलब्ध कराने में भी प्रशासन पूरी तरह विफल रहा है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि कोटपूतली क्षेत्र में बिजली और पानी की भारी किल्लत चल रही है। भीषण गर्मी के बीच लगातार हो रही कटौती से जनता त्रस्त है। साथ ही शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है, जिससे जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हैं और आमजन को अपने दैनिक जीवनयापन में भारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है।

भागवत कथा में बाणासुर प्रसंग का वर्णन

■ आज हवन, पूर्णाहुति के बाद भंडारे का आयोजन

पावटा। कस्बा पावटा स्थित प्राचीन राठी वाला मंदिर में पूज्य श्री निम्बार्काचार्य श्री श्रीजी महाराज की असीम कृपा एवं मंदिर महंत श्री राधा मोहन दास महाराज के सान्निध्य में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के अंतिम दिन पूरा कथा पंडाल भक्तिरस में सराबोर नजर आया। कथा के समापन अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और वातावरण जय श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। कथावाचक अभिषेक पाठक महाराज ने अंतिम दिन भगवान श्रीकृष्ण के विविध लीलामय प्रसंगों का अत्यंत भावपूर्ण एवं भक्तिमय वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और मानव जीवन के आदर्शों का संदेश दिया। उन्होंने कृष्ण-रुक्मणी विवाह प्रसंग सुनाते हुए कहा कि जो भक्त सच्चे मन और अनन्य भाव से प्रभु को पुकारता है, भगवान उसकी रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। रुक्मणी हरण और विवाह प्रसंग का सुंदर वर्णन सुन श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो उठे। इसके बाद कथावाचक ने शिशुपाल वध प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि जब पाप और अहंकार अपनी सीमा पार कर जाते हैं, तब भगवान स्वयं धर्म की स्थापना के लिए अवतार लेते हैं। उन्होंने भगवान शिव और भस्मासुर की कथा सुनाते हुए मोहिनी अवतार का प्रसंग भी बड़े ही रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि अहंकार और अधर्म का अंत निश्चित है तथा ईश्वर की शरण में आने वाला व्यक्ति सदैव सुरक्षित रहता है। कथा के दौरान सुदामा चरित्र का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया गया। कथावाचक अभिषेक पाठक महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण और उनके निर्धन बाल सखा सुदामा की निष्कपट मित्रता का ऐसा भावपूर्ण चित्रण किया कि पंडाल में मौजूद अनेक श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। उन्होंने कहा कि द्वारकाधीश श्रीकृष्ण द्वारा सुदामा को दिया गया सम्मान सच्ची मित्रता, प्रेम और अपनत्व का सर्वोच्च उदाहरण है। मनुष्य को जीवन में मित्रता का सम्मान करते हुए हर परिस्थिति में अपने मित्र का साथ निभाना चाहिए। वहीं कथा के अंतिम चरण में जरासंध वध और बाणासुर प्रसंग का मनमोहक वर्णन किया गया। कथावाचक ने बताया कि बाणासुर भगवान शिव का परम भक्त था, लेकिन अपनी हजार भुजाओं के अभिमान में वह अहंकारी बन गया था। उसकी पुत्री उषा और श्रीकृष्ण के पौत्र अनिरुद्ध के प्रेम प्रसंग तथा अनिरुद्ध को बंदी बनाने के बाद श्रीकृष्ण द्वारा शोणितपुर पर किए गए आक्रमण का प्रसंग श्रद्धालुओं ने बड़े भाव से सुना। उन्होंने बताया कि भगवान शिव और श्रीकृष्ण के बीच हुए भयंकर युद्ध के बाद अंततः भगवान श्रीकृष्ण ने बाणासुर का अहंकार तोडते हुए उसकी अधिकांश भुजाएं काट दीं। जब बाणासुर को अपनी भूल का एहसास हुआ और उसने भगवान की स्तुति की, तब श्रीकृष्ण ने उसे जीवनदान देकर क्षमा कर दिया। कथावाचक ने कहा कि अहंकार चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, उसका अंत निश्चित है और जो व्यक्ति भगवान की शरण में आता है, प्रभु उसके सभी संकट दूर कर देते हैं। महाभारत युद्ध के बाद पांडवों के वैराग्य और राजा परीक्षित को कथा श्रवण कराने के प्रसंग के माध्यम से धर्म, सत्य और प्रभु के प्रति अटूट आस्था का संदेश भी दिया गया। कथा के दौरान प्रस्तुत मधुर भजनों और संगीतमय प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। वही आज श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के समापन अवसर पर प्रात: हवन एवं पूर्णाहुति कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके पश्चात श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तजन प्रसादी ग्रहण करेंगे। इस दौरान शिवपाल राठी, उमाकांत बंसल, दिनेश शर्मा, कुलदीप पटेल, पंकज जोशी, विष्णु शर्मा, काशी लांबोरा, श्रीराम यादव, कैलाश बंसल, सुरेंद्र शर्मा, योगेश शर्मा, मनीष जांगिड़, सक्षम शर्मा, कमल पटेल, विकास पंचोली सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं।

छात्रवृत्ति को लेकर विद्यार्थियों का फूटा गुस्सा

कोटपूतली। राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय में छात्रवृत्ति की मांग को लेकर छात्र-छात्राओं का गुस्सा फूट पड़ा। छात्र नेता मोहित गुर्जर के नेतृत्व में दर्जनों विद्यार्थियों ने प्राचार्य प्रो. आर के सिंह को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत करवाया। वहीं अपनी मांगों को लेकर कॉलेज परिसर में जमकर नारेबाजी की। विधार्थियों ने ज्ञापन में बताया कि पिछले दो वर्षों से अधिक समय से उनकी छात्रवृत्ति नहीं आई है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि छात्रवृत्ति पोर्टल पर कॉलेज का नाम ही प्रदर्शित नहीं हो रहा है। इस तकनीकी खामी की वजह से सैकड़ों छात्र चालू सत्र का फॉर्म भी नहीं भर पा रहे हैं। छात्र लगातार संबंधित कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ है। छात्रों ने कहा कि सेमेस्टर सिस्टम लागू होने के बाद से फीस का बोझ सालाना पद्धित से काफी ज्यादा बढ़ गया है। ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे मुश्किल से फीस की व्यवस्था कर रहे हैं। समय पर स्कॉलरशिप ना मिलने से अब कई विद्यार्थियों के सामने पढाई छोडने का संकट खडा हो गया है। विद्यार्थियों ने अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपते हुये कॉलेज प्रशासन को सात दिन का अल्टीमेटम दिया है।

हम 12वें-13वें ओवर तक मुकाबले में थे, लेकिन हमारी फील्डिंग उस स्तर की नहीं थी। हमने कुछ कैच छोड़े और ग्राउंड फील्डिंग भी खराब रही। उन्होंने माना कि टीम दबाव के क्षणों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी।
- शुभमन गिल

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, अपनी टीम को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — विराट कोहली

विराट कोहली ने कुछ ऐसा कर दिखाया है, जो इससे पहले कोई नहीं कर पाया। गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले क्वालीफायर मैच में इतिहास रच दिया है। 43 रन बनाते ही विराट ऐसे पहले बल्लेबाज बन गए, जिन्होंने लगातार चार सीजन में 600 रन बनाए हों। विराट इससे पहले 2023, 2024 और 2025 में भी 600 से अधिक रन बना चुके हैं। विराट ने अब आईपीएल 2026 सीजन में 15 मैच खेलकर 600 रन बना लिए हैं। गुजरात के खिलाफ क्वालीफायर 1 में उन्होंने 25 गेंद में 43 रनों की पारी खेली।

क्या आप जानते हैं ?... वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा ने 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 400 रन बनाए थे, जो आज भी अटूट है।

हैदराबाद आईपीएल से बाहर, राजस्थान ने 47 रन से हराया

सूर्यवंशी ने 29 बॉल पर 97 रन बनाये, आर्चर को 3 विकेट

चंडीगढ़, 27 मई। सनराइजर्स हैदराबाद 2026 से बाहर हो गई है। टीम को एलिमिनेटर में राजस्थान रॉयल्स ने 47 रन से हरा दिया। क्वालीफायर-2 में 29 मई को राजस्थान का मुकाबला न्यू चंडीगढ़ में गुजरात टाइटंस से होगा। इस मैच को जीतने वाली टीम 31 मई को अहमदाबाद में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ फाइनल खेलेगी। बुधवार को मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह स्टेडियम में राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 243 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद 19.2 ओवर में 196 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

राजस्थान को वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 7.6 ओवर में 125 रन जोड़ दिए। सूर्यवंशी ने 29 गेंदों में 97 रन की पारी खेली, जिसमें 5 चौके और 12 छक्के शामिल रहे। वहीं जायसवाल ने 29 रन बनाए। इसके बाद ध्रुव जुरेल ने 21 गेंदों में 50 रन ठोके, जबकि कप्तान रियान पराग ने 12 गेंदों में 26 रन की पारी खेली। अंत में रवींद्र जडेजा 12 रन बनाकर नाबाद लौटे। हैदराबाद की ओर से प्रफुल हिंगे सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 54 रन देकर 3 विकेट लिए। ईशान मलिंगा, शिवांग कुमार और नीतीश रेड्डी को 1-1 विकेट मिला। हालांकि कप्तान पैट कमिंस काफी महंगे साबित हुए और 4 ओवर में 64 रन खर्च कर बैठे।

वैभव बने आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज, क्रिस गेल का रिकार्ड किया ध्वस्त

नई दिल्ली, 27 मई। वैभव सूर्यवंशी का रिकॉर्ड तोड़ने का सिलसिला बुधवार शाम को भी जारी रहा। न्यू चंडीगढ़ में 2026के एलिमिनेटर मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के 15 साल के युवा बल्लेबाज ने गदर काट दयिा। पारी के पहले चार ओवरों में ही सात छक्के जड़कर उन्होंने एक ही सीजन में सबसे ज़्यादा छक्के लगाने का क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल ने 2012 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की तरफ से खेलते हुए 59 छक्के लगाए थे। सूर्यवंशी ने 2026 में हैदराबाद के गेंदबाज साकिब हुसैन के चौथे ओवर की 5वीं गेंद पर उन्होंने अपना 60वां छक्का लगाकर उस आंकड़े को पार कर लिया।

वैभव सूर्यवंशी आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दयिा है। गेल ने आईपीएल 2012 में 59 छक्के लगाए थे। राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खलिाफ बुधवार को आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर में गेल का रिकॉर्ड तोड़ा।

सूर्यवंशी के नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड

सूर्यवंशी के नाम अब दुनिया भर में खेले जाने वाले किसी भी 20 टूर्नामेंट के एक ही सीजन में सबसे ज़्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया है। साकिब हुसैन के ओवर में छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ने के तुरंत बाद सूर्यवंशी ने डीप मिड-विकेट के ऊपर से एक और शॉट लगाया और 16 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

कॉल्विन शील्ड टूर्नामेंट के पहले रोमांचक मुकाबले में दौसा ने बारां को हराया

दौसा, 27 मई। जिला क्रिकेट संघ दौसा के सचिव श्री बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि आज दिनांक 27 मई 2026 को आरसीए द्वारा आयोजित कॉल्विन शील्ड टूर्नामेंट में दौसा का पहला मुक़ाबला बारां से हुआ उसमें दौसा ने 18 रन से जीत दर्ज की है बारां ने टॉस जीतकर फील्डिंग को चुना ।दौसा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम ने निर्धारित 49.3 ओवर में 242/10 रन बनाए जवाब में बारां की टीम 224 रन 10 विकेट पर सिमट गई ।दोसा की ओर से सचिन शर्मा कप्तान ने ताबड़तोड़ 19 बॉल पर 57 रन बनाए और दो विकेट भी लिए कप्तान ने ऑलराउंड प्रदर्शन

किया उसके अलावा दौसा की टीम में प्रोफेशनल खिलाड़ी दिव्यांश शर्मा ने घातक गेंदबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 25 रन देकर चार महत्वपूर्ण विकेट और 16 रन बनाए ।इसके अलावा करण मीणा ने दो और अनुज मीणा ने एक विकेट लिए साथ ही दिव्यांशु घोषिंगा ने 40 रन,देवकृत शर्मा ने 34 रन ,एवं लीलाधर मीणा ने 33 रन बनाए । जिला क्रिकेट संघ के सचिव श्री बृजकिशोर उपाध्याय ने ग्राउंड और होटल में मिलकर खिलाड़ियों। का हौसला अफजाई किया साथ ही उन्होंने कहा कि अभी दौसा की टीम में और सुधार करने की आवश्यकता है जो समय रहते किया जाएगा ।डीसीए के पदाधिकारियों ने टीम के सभी खिलाड़ियों को और कोच और मैनेजर प्रेम सिंहऔर सुखराम गुर्जर को शुभकामनाएं दी और आगे के मैच में खिलाड़ियों को जीत के लिए मोटिवेट किया ।दौसा का दूसरा मुकाबला सवाई माधोपुर से 28.05.26 को होगा।इसके लिए टीम में कुछ बदलाव करना पड़ेगा जो खिलाड़ी फ्लॉप साबित हुए है उनको बाहर कर दूसरे खिलाड़ियों को मौका देंगे।

हार्दिक का इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट

नई दिल्ली, 27 मई। भारत के ऑलराउंडर और मुंबई इंडियंस के कप्तानहार्दिक पंड्याने बुधवार को अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया। इस प्लेटफॉर्म पर उनका अकाउंट सर्च करने पर (यूज़र नहीं मिला) लिखा हुआ आने लगा। उनके यूजरनेम से सर्च करने पर भी उनका प्रोफाल शो नहीं हो रहा। यह सब तब हुआ, जब पांच बार की चैंपियन टीम पॉइंट्स टेबल में नौवें स्थान पर रही। 2026सीजन के दौरान हार्दिक पंड्या काफी चर्चा में रहे थे। उनका नाम कई दूसरी फ्रेंचाइजियों से भी जोड़ा गया। सोशल मीडिया पर तो यह भी कहा जाने लगा कि जल्द ही कोई ट्रेड (खिलाड़ियों की अदला-बदली) हो सकती है। इतना ही नहीं, सूर्यकुमार यादव, मुंबई इंडियंस को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो किए जाने की भी चर्चा थी। हाल में पंड्या ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की, जिससे इंटरनेट पर हलचल मच गई।

प्रथम राजस्थान सीनियर विमेंस फुटबॉल लीग

पांचवें दिन जयपुर सिटी ने रॉयल फुटबॉल क्लब को जयपुर को 6-0 से हराया

जयपुर, 27 मई। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वावधान में जयपुर स्थित राजस्थान यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ग्राउंड पर आयोजित प्रथम राजस्थान सीनियर विमेंस फुटबॉल लीग के पांचवें दिन दो मुकाबले खेले गए। संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने जानकारी देते हुए बताया कि पहला मुकाबला सुबह 7:00 बजे जयपुर सिटी एफसी एवं रॉयल एफसी जयपुर के मध्य खेला गया। दोनों ही टीमों ने शुरुआत से आक्रामक खेल दिखाया तथा एक-दूसरे के गोल पर लगातार दबाव बनाया। जयपुर सिटी एफसी को मैच के तीसरे मिनट में 22 नंबर खिलाड़ी संध्या, के शानदार गोल से 1-0 की बढ़त मिली। इसके बाद दुसरा गोल 15 मिनट में भानुप्रिया, ने किया तीसरा गोल 45 वे मिनट में तारा, ने किया। चौथा और पांचवा गोल 61 और 88 मिनट में निशा, ने किया। और अंत में छटा गोल 90 2 मिनट में दीक्षा कुमारी, ने किया । इस प्रकार 6-0 से एकतरफा इस मुकाबले को अपने नाम किया। इस मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब निशा को दिया गया। दूसरा मुकाबला शाम 4:00 बजे जिंक फुटबॉल अकैडमी एवं रियल जयपुर फुटबॉल क्लब के बीच खेला गया। इस मुकाबले में जिंक फुटबॉल अकैडमी ने 3-2 से शानदार जीत दर्ज की। रियल एफसी की ओर से नेहा ने (7वां मिनट), रजनी शर्मा ने (44 मिनट) में गोल

किए। और जिंक फुटबॉलर अकादमी की ओर से मोना ने 13 मिनट में पहला गोल किया और अंतारा ने 55 मिनट में जिंक फुटबॉल अकादमी के लिए दूसरा गोल किया। और अंत में तीसरा और निर्णायक गोल जिंक फुटबॉल अकादमी की 10 नंबर जर्सी में खेल रही खिलाड़ी प्रियंका ने किया। और इस तरह से जिंक फुटबॉल अकादमी ने एक संघर्षपूर्ण मुकाबला तीन दो से अपने नाम किया। मुकाबलों में अमर सिंह ने मैच कमिश्नर की भूमिका निभाई, जबकि अवकाश दायमा, संजय लंबा,अंकित शर्मा और मोहम्मद मुस्तफा ने निर्णायक की जिम्मेदारी संभाली।

जयपुर की दिव्यांशी ने एशियन चैम्पियनशिप में जीता कांस्य

जयपुर, 27 मई। गुलाबी नगर की स्क्वैश खिलाड़ी दिव्यांशी जैन ने चीन में संपन्न 33वीं लिनिंग एशियन जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता, जबकि जयपुर के ही एक अन्य खिलाड़ी धैर्य गोगिया क्वार्टर फाइनल में हारकर 5वें स्थान पर रहे। भारतीय दल की कोच जयपुर की सुरभि मिश्रा ने बताया कि टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने पूर्व की अपेक्षा इस बार अच्छा प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, 3 रजत और 4 कांस्य समेत कुल आठ पदक जीते। भारत ने कोरिया में हुई पिछली एशियन चैंपियनशिप में सात पदक जीते थे। दिव्यांशी को गर्ल्स अंडर-13 के सेमी फाइनल में जापान की

रियो योशिनो से 8-11, 11-7, 6-11, 11-4, 12-10 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं दूसरे सेमी फाइनल में भी भारतीय खिलाड़ी शनाया परसरामपुरिया को सिंगापुर की करीना शशि कुमार ने 11-5, 11-6, 13-11 से शिकस्त दी। दिव्यांशी और शनाया को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। सुरभि ने बताया कि जयपुर के धैर्य गोगिया ने पहले राउण्ड में ही 5वीं वरीयता के हांगकांग के टेसेका चुन को 12-10, 10-12, 11-7, 11-7 से हरा बड़ा उलटफेर किया लेकिन उनका सफर क्वार्टर फाइनल में थम गया। जहां भारत के ही अमार्य बजाज ने धैर्य को 11-9, 11-9, 11-4 से हराया। धैर्य 5वें स्थान पर रहे। सुरभि ने बताया कि भारत के लिए बॉयज अंडर-19 कैटेगरी में आर्यवीर दीवान ने स्वर्ण पदक जीता। अमार्य बजाज ने बॉयज अंडर-13 कैटेगरी में, अनिका दुबे ने गर्ल्स अंडर-17 में और शिवेन अग्रवाल ने बॉयज अंडर-17 कैटेगरी में रजत पदक हासिल किए। वहीं बॉयज अंडर-17 में लोकेश और बॉयज अंडर-13 में अभ्युदय अरोड़ा ने भी कांस्य पदक अपने नाम किए।

कार्यालय नगर पालिका बौली, जिला-सवाई माधोपुर

क्रमांक :- न.पा.बौ./नि.शाखा/2026-27/354 दिनांक :- 22/05/2026

ई-निविदा सूचना वर्ष 2026-27

केन्द्र एवं राज्य सरकार में उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर पालिका/परिषद/निगम/स्वायत्त शासन विभाग के निविदाताओं से आयुक्त/अधिशाषी अभियन्ता द्वारा सम्बन्धित निविदा आमंत्रित की जाती है कार्य की अनुमानित लागत 40.00 लाख है। टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राजस्थान सरकार के पोर्टल Website www.sppp.raj.nic.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। NIB Code- DLB2627A2162

स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट का UBN Code- DLB2627WSOB05553

राज.संवाद/सी/26/3628 अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका बौली

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2026-27/6095 - 6106 दिनांक :- 20/05/2026

ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 13/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भरतपुर विकास प्राधिकरण, में उपयुक्त श्रेणी एवं विभिन्न विभागों में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 05 कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जातीहै।

उक्त कार्यो का विस्तृत विवरण, निविदा शर्ते, अनुमानित लागत राषि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेवसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, https://bda.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal पर देखा जा सकता है।

निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.inportal का अवलोकन करें।

UBN विवरण :- WAQ2627WSOB00041, WAQ2627WSOB00042, WAQ2627WSOB00043, WAQ2627WSOB00044, WAQ2627WSOB00045

राज.संवाद/सी/26/3544 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगर पालिका, सीकरी जिला - डीग (राज.)

क्रमांक :- न.पा.सीकरी/2026/425 दिनांक :- 21/05/2026

ई-निविदा सूचना - 01/2026-27

नगरपालिका सीकरी के द्वारा निम्न कार्य के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु मान्यता प्राप्त उचित श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-निविदा द्वारा कुल 01 कार्य की कुल अनुमानित लागत 36.94 लाख रूपये की ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः ई-निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार निविदा स्वीकृत अधिकारी होगा। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी व शर्ते कार्यालय एवं विभाग की बेवसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in देखी/पढी जा सकती है। जिसके UBN NO. निम्नलिखित है। Nib Code – DLB2627A2085, UBN No. – DLB2627SLOB05404, Pub.Date – 21.05.2026

राज.संवाद/सी/26/3633 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम

क्रमांक : 587-595 **ई-निविदा सूचना संख्या: 05/2026-27** दिनांक: 20.05.2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला करौली (खण्ड टोडाभीम) में महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी स्कीम के तहत सामग्री आपूर्ति कार्य करवाने के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार /केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा से संबंधित समस्त विवरण बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

NIB Code PWD2627A0682
1 UBN No. PWD2627WSRC03027
DIPR/C/9134/2026

(के०के० मीना) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम

COLLEGE OF AGRICULTURE
(S.K.N. Agriculture University) Kumher, Distt. - Deeg, PIN- 321201

No. :- F./E Tender/COA-K/2026/6991 Date :- 21/05/2026

NOTICE INVITING E-BID

Bids are invited up to 05.00 P.M. of 01.06.2026 for LABOUR FOR AGRICULTURE AND OTHER OFFICIAL WORK at College of Agriculture, Kumher (Deeg). The details are available in the Bidding Documents which can be availed from the office of The Dean, College of Agriculture, Kumher (Deeg) 321201 or can be accessed or downloaded from State Procurement Portal website sppp.raj.nic.in or https://eproc.rajasthan.gov.in or university website www.sknau.ac.in. The bidding document after filling up properly can be uploaded on website https://eproc.rajasthan.gov.in along with payment of Rs. 1000/- through banker's cheque/demand draft in favour of Dean, College of Agriculture, Bharatpur. UBN No. : SKN2627SLOB00053

Raj.Samwad/C/26/3548 DEAN

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, PWD, DISTRICT DIVISION, PHULERA

No. :- 337 **Notice Inviting Bid** Date: 19.05.2026

Bids for Short Term NIT No. 01/2026-27 of Various 24 Nos. Works are invited from intersted bidders upto 22.05.2026 to 01.06.2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state and departmenal website. The approximate value of the procurement is Rs. 729.17 Lacs.

1. UBN No. PWD2627WSOB03174, 2. UBN No. PWD2627WSOB03175, 3. UBN No. PWD2627WSOB03177, 4. UBN No. PWD2627WSOB03178, 5. UBN No. PWD2627WSOB03179, 6. UBN No. PWD2627WSOB03178, 7. UBN No. PWD2627WSOB03185, 8. UBN No. PWD2627WSOB03187, 9. UBN No. PWD2627WSOB03181, 10. UBN No. PWD2627WSOB03232, 11. UBN No. PWD2627WSOB03234, 12. UBN No. PWD2627WSOB03236, 13. UBN No. PWD2627SSOB03238, 14. UBN No. PWD2627SSOB03240, 15. UBN No. PWD2627WSOB03241, 16. UBN No. PWD2627WSOB03242, 17. UBN No. PWD2627WSOB03243, 18. UBN No. PWD2627WSOB03244, 19. UBN No. PWD2627WSOB03245, 20. UBN No. PWD2627WSOB03246, 21. UBN No. PWD2627WSOB03247, 22. UBN No. PWD2627WSOB03248, 23. UBN No. PWD2627WSOB03249, 24. UBN No. PWD2627WSOB03250

(Jitendra Kumar Meena) Executive Engineer, PWD Distt. Dn. Phulera
DIPR/C/9306/2026

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- जोविप्रा/2026-27/405 दिनांक :- 25/05/2026

ई-निविदा सूचना संख्या - मुख्यालय/09/2026-27

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से इच्छुक व्यक्ति/फर्म/संस्था जो निविदा की निर्धारित शर्तो को पूर्ण करती है, से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. : JOD2627GLOB00089, JOD2627GLOB00090

राज.संवाद/सी/26/3543 अधिशाषी अभियंता

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सा०नि०वि० खण्ड- चौमहला

क्रमांक : 94 **निविदा सूचना संख्या 02/2026-27** दिनांक: 22.05.2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सडक/ भवन कार्यो के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकारके एए, ए, बी, सी, श्रेणीकि संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई- टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

(PWD2627WSOB03255)
(PWD2627WSOB03256)
(PWD2627WSOB03257)

DIPR/C/9296/2026 अधिशाषी अभियन्ता सा नि वि खण्ड चौमहला

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड
(राजस्थान सरकार का उपक्रम), कॉरपोरेट कार्यालय, 04, मीरा मार्ग, उदयपुर- 313001(राज.)
फोन नम्बर: (0294)2428768/2428763-67, फैक्स: (0294)2428768, 2428739

ई-निविदा सूचना दिनांक :- 19/05/2026

ई-निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
ई-निविदा संख्या 03/2026-27 UBN No. MML2627GLOB00041	आरएसएमएमएल, कॉरपोरेट ऑफिस बिल्डिंग, उदयपुर पर पूरी तरह से स्वचालित यात्री लिफ्ट की आपूर्ति, निर्माण, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग हेतु। अनुमानित मात्रा – 01, धरोहर राशि (रु. में) 30,000/–, निविदा प्रपत्र मूल्य (रु. में) 1180/–

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com / www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबंधक (एमएम) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/26/3257 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड चूरू

क्रमांक :- 528-547 **ई-निविदा सूचना संख्या: 04/2026-27** दिनांक: 21/05/2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील व जिला चूरु में निर्माण कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई- टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। आर.पी डब्लयू.ए 100 की शर्त लागू होगी। निविदा से संबंधित विवरण बेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tendrs.asp एंव विभागीय वेबसाईटhttp://eproc.rajasthan.gov.in व http://www.pwd.rajajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB No. - PWD2627A0687

S.No.	UBN No.	S.No.	UBN No.
1	PWD2627WSOB03036	2	PWD2627WSOB03037
3	PWD2627WSOB03038		

DIPR/C/9236/2026 अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड चूरू

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि., जिला खण्ड,अजमेर

क्रमांक 524 दिनांक- 21.05.2026

संशोधन निविदा सूचना संख्या 06/2026-2027

इस कार्यालय की ई-निविदा, सूचना संख्या 06 वर्ष 2026-27 में वर्णित कार्यो की निविदा राशि एवं निविदा शुल्क मे आंशिक संशोधन किया गया है जिसका विवरण वेब साईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

DIPR/C/9315/2026 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड रतनगढ़

क्रमांक: - 362-371 **ई-निविदा सूचना संख्या: 03/2026-27** दिनांक::- 20-05-2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला चूरू में सड़क निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एव www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB No.: PWD2627A0675
UBN No : 1. PWD 2627WSOB03014, 2. PWD 2627WSOB03015, 3. PWD 2627WSOB03016, 4. PWD 2627WSOB03017

DIPR/C/9222/2026 अधिशाषी अभियन्ता सानिवि. खण्ड रतनगढ़

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि खण्ड राजगढ (चूरू)

क्रमांक: 253-63 **ई-निविदा सूचना संख्या: 04/2026-27** दिनांक: 19.05.2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील राजगढ जिला चूरु में निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। आर.पी डब्लयू.ए 100 की शर्त लागू होगी। निविदा से संबंधित विवरण बेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tendrs.asp एंव विभागीय वेबसाईटhttp://eproc.rajasthan.gov.inhttp://www.pwd.rajajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB No. PWD2627A0713

S.No.	UBN No.	S.No.	UBN No.
1	PWD2627WSRC03141	2	PWD2627WSRC03142
3	PWD2627WSRC03143		

DIPR/C/9208/2026 अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि खण्ड राजगढ (चूरू)

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्रमांक: सं. वि.सं. 03/EXAM/APO/EP-I/2026-27 दिनांक : 27.05.2026

आयोग द्वारा गृह विभाग (अभियोजन) के लिए गैर अनुसूचित क्षेत्र हेतु राजस्थान अभियोजन अधीनस्थ सेवा नियम, 1978 के अन्तर्गत एवं अनुसूचित क्षेत्र हेतु राजस्थान अनुसूचित क्षेत्र अधीनस्थ, लिपिक वर्गीय और चतुर्थ श्रेणी सेवा (भर्ती एवं सेवा की अन्य शर्तें) नियम, 2014 के अन्तर्गत सहायक अभियोजन अधिकारी (Assistant Prosecution Officer) के कुल 371 पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। शैक्षणिक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। उक्त पदों हेतु आयु सीमा, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है :-

आयु सीमा	दिनांक 01.01.2027 को न्यूनतम 21 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष से कम होनी चाहिये।
आवेदन अवधि	दिनांक 08.06.2026 से दिनांक 07.07.2026 रात्रि 12-00 बजे तक।
परीक्षा का स्थान व माह	परीक्षा स्थान व तिथि के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य बिन्दु व सूचना :- एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त इस परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाइट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन / सूचना/ स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.- 0145-2635212 एवं 2635200 पर सम्पर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

DIPR/C/-------/2026 (रामनिवास मेहता) सचिव

कार्यालय अधिषाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड भीनमाल

क्रमांक: अअ/भीन/2026-27/307 दिनांक: 21.05.2026

निविदा सूचना संख्या: 04 वर्ष 2026-2027
NIB No. PWD2627A0690

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सडक कार्य के आधार पर उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 158.10 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	: 26 मई 2026, 9:30 बजे से 05 जून 2026, सायं 06:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http:// eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू. बी.एन संख्या निम्नानुसार है।

UBN No. PWD2627WSOB03049 अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड भीनमाल
DIPR/C/9178/2026

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्रमांक: सं.वि.सं. 02/ परीक्षा/RAS&RTS/RPSC/EP-I/2026-27 दिनांक : 27.05.2026

आयोग द्वारा कार्मिक (क-4/2) विभाग के लिए गैर अनुसूचित क्षेत्र हेतु राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के अन्तर्गत एवं अनुसूचित क्षेत्र हेतु राजस्थान अनुसूचित क्षेत्र अधीनस्थ, लिपिकवर्गीय और चतुर्थ श्रेणी सेवा (भर्ती एवं सेवा की अन्य शर्तें) नियम, 2014 के अन्तर्गत राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2026 के कुल 607 (राज्य सेवाएं-192 एवं अधीनस्थ सेवाएं-415) पदों हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। शैक्षणिक योग्यता, सेवावार पदों की संख्या, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। उक्त पदों हेतु आयु सीमा, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है :-

आयु सीमा	दिनांक 01.01.2027 को न्यूनतम 21 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष से कम होनी चाहिये।
आवेदन अवधि	दिनांक 04.06.2026 से दिनांक 03.07.2026 रात्रि 12-00 बजे तक।
परीक्षा का स्थान व माह	परीक्षा स्थान व तिथि के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य बिन्दु व सूचना : एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त इस परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाइट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन / सूचना / स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.- 0145-2635212 एवं 2635200 पर सम्पर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

DIPR/C/-------/2026 (रामनिवास मेहता), सचिव

प्रदेशवासी भीषण गर्मी व नौतपा के प्रभाव से बचें- भजनलाल

उन्होंने आमजन से पशु-पक्षियों के लिए दाना-पानी उपलब्ध कराने में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की

जयपुर, 27 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान में भीषण गर्मी और नौतपा के मद्देनजर प्रदेशवासियों से स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने एवं लू के प्रभावों से बचने के लिए जरूरी उपायों को दिनचर्या में अपनाने की अपील की है।

मुख्यमंत्री ने अत्यधिक गर्मी से बचाव के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, बच्चों-बुजुर्गों और अस्वस्थ व्यक्तियों की देखभाल करने के साथ ही प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

उन्होंने आमजन से आव्हान किया है कि गर्मी के इस दौर में संवेदनशीलता और करूणा की भावना से जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर छांव एवं शीतल जल की व्यवस्था करने तथा पशु-पक्षियों के लिए भी दाना-पानी उपलब्ध कराने में सक्रिय सहभागिता निभाएं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि तेज गर्मी के इस दौर में हमारे जनगणना कर्मी मेहनत और समर्पण से अपना दायित्व निभा रहे हैं। इसलिए उनके घर आने पर सहयोग की भावना को प्राथमिकता देते हुए उनका आदर-सत्कार करें। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि तेज गर्मी के दौर में जनगणनाकर्मी मेहनत और समर्पण से अपना दायित्व निभा रहे हैं। उन्हें सहयोग दें व प्राथमिकता दें।

राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिलान करने के लिए कमिश्नर नियुक्त करने के आदेश तक भी दे डाले।

इस मामले में राजश्री पान मसाला की ओर से भी हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है, परंतु उस पर सुनवाई बुधवार को नहीं हुई। सलमान खान की ओर से अदालत में बताया गया कि, वह राजश्री के "ब्रॉंड एम्बेसडर" है और उन्हें उपभोक्ता आयोग में इस मामले में पार्टी नहीं बनाया जा सकता, क्योंकि वह केवल राजश्री ब्रांड की इलायची का विज्ञापन करते हैं, अन्य उत्पादों का नहीं। जिला उपभोक्ता आयोग में दर्ज शिकायत पान मसाले को लेकर है।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में जिला उपभोक्ता मंच के आदेश को राज्य उपभोक्ता आयोग में भी चुनौती दी गई थी, परंतु वहां से राजश्री व सलमान खान को राहत नहीं मिली थी। हालांकि 7 अप्रैल को हाईकोर्ट की एकलपीठ ने फिल्म अभिनेता सलमान खान व अन्य के खिलाफ जिला उपभोक्ता आयोग की ओर से जारी जमानती वारंट पर रोक लगा दी थी। साथ ही अदालत ने विज्ञापन करने पर लगाई गई रोक के आदेश को भी रद्द कर दिया था।

असम विधानसभा ने बुधवार को यूसीसी विधेयक पारित किया

विधानसभा में विधेयक पर बहस के दौरान राज्य सरकार व विपक्ष में तीखी नोंकझोंक हुई

गुवाहाटी, 27 मई। असम विधानसभा में बुधवार को लंबी और तीखी बहस के बाद समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित कर दिया गया। इसके साथ ही असम यूसीसी पास करने वाला देश का तीसरा तथा पूर्वोत्तर का पहला राज्य बन गया।

विधानसभा में विधेयक को सत्तारूढ़ गठबंधन का समर्थन मिला, जबकि विपक्षी दलों ने इसके कई प्रावधानों पर आपत्ति जताई। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि यह कानून सभी नागरिकों, विशेषकर महिलाओं को समान अधिकार और न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाया गया है। विधानसभा में बहस के दौरान सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी नोंक-झोंक भी देखने को मिली। विपक्षी सदस्यों ने आरोप लगाया कि यह कानून व्यक्तिगत धार्मिक परंपराओं में हस्तक्षेप करेगा, लेकिन विरोध के बावजूद विधेयक ध्वनिमत से पारित हो गया।

■ विधेयक में कहा गया है कि यह कानून असम में रहने वाले किसी भी अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति पर लागू नहीं होगा।

समान नागरिक संहिता (यूसीसी), असम, 2026 बिल पर पूरे दिन चली चर्चा के बाद, स्पीकर रंजीत कुमार दास ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से इसे पास कराने के लिए पेश करने को कहा।

विधानसभा अध्यक्ष ने विपक्ष की उस मांग को खारिज कर दिया, जिसमें बिल को और ज़्यादा चर्चा के लिए एक सेलेक्ट कमेटी के पास भेजने की बात कही गई थी।

इस बिल में यह भी कहा गया है कि यह कानून असम में रहने वाले किसी भी अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति पर लागू नहीं होगा। इस बिल में कई दंडात्मक उपायों का प्रस्ताव किया गया है, जिनमें दो शादियां या बहुविवाह करने पर सात साल की जेल और लिव-इन रिलेशनशिप का रजिस्ट्रेशन न कराने पर तीन महीने की जेल की सजा शामिल है।

इस बिल के तहत, शादी के 60 दिनों के भीतर उसका रजिस्ट्रेशन करवाना जरूरी होगा, जबकि लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़ों को 30 दिनों के भीतर रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। नियमों का पालन न करने पर सज़ा का भी प्रावधान है। तय समय सीमा के भीतर जान-बूझकर शादी या तलाक का रजिस्ट्रेशन न करवाने पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगेगा।

वेणुगोपाल ने कर्नाटक पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेताओं के मुताबिक, सौहार्दपूर्ण सत्ता हस्तांतरण की उम्मीद में कांग्रेस आलाकमान ने सिद्धारमैया को राज्यसभा सीट, दिल्ली में पार्टी मामलों में अधिक भूमिका और डीके शिवकुमार सरकार में उनके समर्थकों को उचित हिस्सेदारी देने की पेशकश की है। सिद्धारमैया ने यह प्रस्ताव सुनने के बाद, इस पर विचार करने के लिए कुछ समय मांगा है।

अब सवाल यह है कि डीके शिवकुमार अगले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ कब लेंगे?

सूत्रों ने दो संभावनाएं बताई हैं। पहली, सिद्धारमैया गुरुवार या शुक्रवार तक इस्तीफा दे सकते हैं और नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह इसी सप्ताहांत में हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, यह संभावना ज्यादा मजबूत मानी जा रही है, क्योंकि सत्ता परिवर्तन की योजना पर सहमति बन चुकी है और पार्टी को उम्मीद है कि सिद्धारमैया जल्द ही पद छोड़ देंगे।

लेकिन राजनीति में कुछ भी अंतिम नहीं होता, जब तक वह वास्तव में हो न जाए। यदि सिद्धारमैया अपना पद छोड़ने में देरी करते हैं, तो सूत्रों का कहना है कि शपथ ग्रहण समारोह राज्यसभा चुनावों, यानी 18 जून, के बाद तक टल सकता है।

सूत्रों के अनुसार, राज्य में राज्यसभा की तीन सीटें खाली हो रही हैं और कांग्रेस ने उनमें से एक सीट सिद्धारमैया को देने का प्रस्ताव रखा है। दूसरी सीट कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को मिल सकती है, जो राज्य से वर्तमान सांसद हैं, जबकि तीसरी सीट डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश को दिए जाने की संभावना है। इसलिए, यदि अगले कुछ दिनों में सत्ता परिवर्तन नहीं होता, तो कांग्रेस इसे राज्यसभा चुनाव के बाद करना पसंद करेगी, क्योंकि नेतृत्व उच्च सदन के इस महत्वपूर्ण चुनाव से पहले किसी भी आंतरिक राजनीतिक खींचतान से बचना चाहता है। जहां डीके शिवकुमार खेमे में खुशी का माहौल है, वहीं सिद्धारमैया अभी भी अपने पत्ते पूरी तरह नहीं खोल रहे हैं। बुधवार को बेंगलुरु पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री ने दिल्ली बैठकों और संभावित नेतृत्व परिवर्तन पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। पत्रकारों के सवालों पर उनका सिर्फ इतना जवाब था, "मैं कल बोलूंगा।"

सूत्रों के अनुसार, सिद्धारमैया खेमे की कोशिश है कि डीके शिवकुमार सरकार में कई उपमुख्यमंत्री बनाए जाएं, ताकि शक्ति संतुलन बना रहे। वे यह भी चाहते हैं कि किसी सिद्धारमैया समर्थक को कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष बनाया जाए। यह पद फिलहाल डीके शिवकुमार के पास है।

डीके शिवकुमार खेमे के सूत्रों ने एनडीटीवी को बताया है कि जल्द ही मुख्यमंत्री बनने वाले शिवकुमार एक उपमुख्यमंत्री के लिए सहमत हो सकते हैं, लेकिन कई उपमुख्यमंत्रियों के लिए नहीं। शिवकुमार के लंबे समय से प्रतीक्षित राजतिलक से पहले, पर्दे के पीछे बातचीत और राजनीतिक सौदेबाजी का दौर जारी है।

डीके शिवकुमार गुरुवार सुबह सिद्धारमैया से नाश्ते पर मिलने वाले हैं। देखना यह है कि इडली, सांभर और वड़ा के साथ क्या मुख्यमंत्री शिवकुमार को कोई "मीठी सौगात" देंगे या फिर देरी का एक और तड़का लगाएंगे?

महेश जोशी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को उसके पिता महेश जोशी को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान उसके परिजनों को गिरफ्तारी के कारण लिखित रूप से नहीं बताए गए। जबकि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में प्रावधान है कि गिरफ्तारी के समय आरोपी को गिरफ्तार करने के कारणों की जानकारी लिखित रूप में उसके परिजनों को दी जाएगी। याचिका में कहा गया कि एसीबी की ओर से लिखित में परिजनों को यह जानकारी नहीं देने से यह गिरफ्तारी ही अवैध हो गई है। और उन्हें दिया गया पुलिस रिमांड और उसके बाद की कार्रवाई दूषित हो गई हैं। ऐसे में उन्हें रिहा किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

दूसरी ओर राजस्थान हाईकोर्ट ने मामले को लेकर न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे आरोपी शुभांशु दीक्षित, निरील कुमार, सुशील कुमार दिनेश गोयल और अरुण श्रीवास्तव की जमानत याचिकाओं पर बहस सुनकर अपना फैसला सुरक्षित रखा है। और एसीबी कोर्ट में भी पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल की जमानत अर्जी पर बहस पूरी हो गई है।

पाक की दुविधा, ट्रंप की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन बाद में उसी पोस्ट में उन्होंने "सऊदी अरब और कतर द्वारा तत्काल हस्ताक्षर" किये जाने की मांग की। इसका मतलब है कि छूट वास्तव में केवल पाकिस्तान के लिए है। लेकिन क्या सचमुच ऐसा है? क्योंकि ट्रंप ने आगे यह भी कहा कि यदि कोई देश हस्ताक्षर नहीं करता, तो "उसे इस समझौते का हिस्सा नहीं माना जाएगा, क्योंकि यह उसकी गलत मंशा दिखाता है।" हालांकि पाकिस्तान ने बाहरी तौर पर मजबूत रुख दिखाते हुए कहा है कि उसे इससे बाहर रहने का विकल्प दिया गया है, लेकिन वह खुद भी पूरी तरह आश्वस्त नहीं है कि इसका मतलब यह है कि वह फिर भी "समझौते का हिस्सा" बना रहेगा या नहीं। अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर न करने से ट्रंप की नाराजगी मोल लेने की संभावना के अलावा पाकिस्तान के सामने एक और दुविधा है। पाकिस्तान लंबे समय से संघर्षरत पक्षों के बीच मध्यस्थता में सक्रिय रहा है और उसे उम्मीद थी कि संघर्ष का समाधान होने पर पश्चिम एशिया में उसे सुरक्षा, कूटनीतिक और आर्थिक अवसर मिलेंगे।

पाकिस्तान पहले से ही यह सपना देख रहा है कि वह क्षेत्रीय केन्द्र बनकर उभरेगा, जहां सुरक्षा और स्थिरता के लिए सभी देश उसकी ओर रुख करेंगे और इसके बदले पाकिस्तान को लाभ मिलेगा। लेकिन यदि ट्रंप की योजना में उसे बाहर रखा गया, तो यह बड़ा अवसर उसके हाथ से निकल सकता है।

दूसरी ओर, पाकिस्तान में सेना के प्रभुत्व वाली सरकार शक्तिशाली जरूर है, लेकिन वह काफी अलोकप्रिय भी है। ऐसे में अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करने से देश के भीतर ऐसा विरोध भड़क सकता है, जिसे सरकार शायद संभाल न सके।

फिलहाल तो पाकिस्तान अब्राहम समझौते में शामिल होने के सवाल को टालने में सफल रहा है। उसने अपना पुराना रुख दोहराया है कि वह तब तक इज़रायल को मान्यता नहीं देगा और न ही संबंध सामान्य करेगा, जब तक दो-राष्ट्र समाधान पर सहमति नहीं बनता, जिसमें यरुशलम को फिलिस्तीनी राज्य की राजधानी बनाया जाए।

पाकिस्तान के भीतर मीडिया और पाकिस्तानी सेना समर्थकों ने भी हमेशा की तरह मोहम्मद अली जिन्ना द्वारा इज़रायल को स्वीकार न करने के पुराने रुख का हवाला देते हुए बयानबाजी तेज कर दी है। लेकिन साथ ही यह चिंता भी दिखाई दे रही है कि इज़रायल का मुद्दा उस कूटनीतिक साख को नुकसान पहुंचा सकता है, जिसे पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति की मेहरबानी से हाल के समय में हासिल किया है।

पंचायत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

15 अप्रैल तक का समय दिया था, लेकिन तब तक चुनाव नहीं कराए गए। इस पर संयम लोढ़ा ने अवमानना याचिका दायर की थी। वहीं, बाद में राज्य सरकार व राज्य चुनाव आयोग की ओर से अदालत में प्रार्थना पत्र पेश कर समय बढ़ाने की गुहार की गई, जिस पर सुनवाई करते हुए गत दिनों खंडपीठ ने चुनाव कराने की समय सीमा को बढ़ाकर 31 जुलाई तक कर दिया। संभावना जताई जा रही है कि हाईकोर्ट की खंडपीठ के इस फैसले को राज्य सरकार व चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे सकते हैं।

PARAMETER	VICTORIS S-CNG	COMPETITION MID SUV DIESEL	BENEFIT OF VICTORIS S-CNG OVER DIESEL CARS
Running Cost/km	₹4	~₹6.1	✓ More savings per km
Lower Maintenance Cost	✓	✗	✓ Easy on pocket
Reduced Emission	✓	✗	✓ Good for environment
Recovery Period#	~3.8 Yrs	~11.1 Yrs	✓ Faster recovery

Creative visualization. Images used are for illustration purposes only. Car colour may vary due to printing on paper, and features may vary by model/conditions. #Considered average daily drive of 35 km. Fuel cost calculation done basis fuel prices in Delhi as of 11th Feb 2026 and considered 70% delivery of ARAI tested mileage. *As certified by Test Agency under Rule 115 (G) of Central Motor Vehicles Rules 1989. **Offer computed basis ₹50 000 for exchange of old vehicle and key corporate offer of ₹10 000. The offer is valid only on Victoris S-CNG variant. T&C apply. For more details, contact or visit your nearest dealership.

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908